जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 26 अक्टूबर, 2025

राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

स्वदेशी अपनाएं
आत्मनिर्भर राजस्थान बनाएं

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

माननीय प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी जी** के **75 वें जन्मदिन** से प्रेरित जनसेवा अभियान

सेवा शिविरों से मिली आम जनता को बड़ी राहत

1.95 लाख + पट्टे वितरण	**1.17 लाख +** फार्मर रजिस्ट्री में नए पंजीयन	**1.53 लाख+** भू-राजस्व शुद्धिकरण प्रकरणों का निस्तारण
1.24 लाख + नामान्तरण प्रकरणों का निस्तारण	**2.60 लाख +** मंगला पशु बीमा योजना पॉलिसी	**1.72 लाख +** मूल निवास प्रमाण पत्र
2.04 लाख + जाति प्रमाण पत्र वितरण	**1.25 लाख +** जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन	**1.98 लाख+** सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स सत्यापन
95.8 हजार + खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर आवेदनों की स्वीकृति	**25 हजार +** स्वनिधि योजनांतर्गत ऋण आवेदन	**1.48 लाख +** जनधन योजना में बैंक खाते खोले
1.13 लाख + जन आधार योजना में अद्यतन / संशोधन	**75.6 हजार +** वय वंदन कार्ड जारी	**17.06 लाख +** किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं की एनीमिया की जांच
10.77 लाख + नागरिकों की टी.बी. रोग स्क्रीनिंग	**24.36 लाख +** लोगों का स्वास्थ्य शिविर में उपचार	**1.42 लाख +** नई स्ट्रीट लाइट / सुधार

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

रामचरितमानस की समकालीन व्याख्या के दार्शनिक सूत्र

रामचरितमानस पर विगत शताब्दियों में असंख्य टीकाएँ, भाष्य और प्रवचन हुए हैं–किंतु उनमें अधिकांश या तो कथा–प्रवाह के रूप में सीमित रहे हैं, या केवल धार्मिक और भावनात्मक पक्ष को ही प्रतिध्वनित करते रहे हैं। समकालीन वैश्विक विमर्शों–जैसे मानव उत्कर्ष, आत्मबोध, नैतिक नेतृत्व, संज्ञानात्मक विज्ञान, प्रसन्नता का विज्ञान, प्रज्ञा का विज्ञान, जीवन में अर्थ की अनुभूति, और नैतिक निर्णय का मनोविज्ञान आदि–के आलोक में मानस के सैद्धांतिक पद्यों की गूढ़ व्याख्या की जो आवश्यकता थी,वह अब तक उपेक्षित रही है। यह प्रस्तुति इस रिक्ति की पूर्ति का एक निष्ठावान प्रयास है–जिसमें तुलसीकृत पदों को आधुनिक मानव के बौद्धिक, नैतिक, भावनात्मक और सामाजिक जीवन से इस प्रकार जोड़ा गया है कि वे पूज्य रहकर भी प्रयोज्य बनें; केवल कथ्य न रहकर पथ्य बनें। ऐसी समन्वित, संवादधर्मी और तात्त्विक व्याख्या पूर्ववर्ती परंपरा में दुर्लभ है–और संभवतः पहली बार इस प्रकार के विमर्श में मानस को वैश्विक और समसामयिक अर्थ–स्तरों पर प्रतिष्ठित किया गया है।

नवोन्मेषी,तात्त्विक और समसामयिक दृष्टिकोण से की गईरामचरितमानसकी यह व्याख्या आज के वैश्विक परिदृश्य में केवल आध्यात्मिक नहीं,बल्कि सामाजिक, मानसिक, आर्थिक, नैतिक, पर्यावरणीय और वैश्विक शांति के स्तर पर भी एक गहन मार्गदर्शक बनकर उभरती है। आज जब विश्व समाज मानसिक स्वास्थ्य संकट, सामाजिक विषमता, आर्थिक असंतुलन,नैतिक भ्रम,पारिवारिक विघटन, पर्यावरणीय पतन और अंतरराष्ट्रीय तनावों के दौर से गुजर रहा है–तब मानस का यह पुनर्पाठ आत्मबोध, करुणा, अर्थपूर्ण जीवन, और विवेकपूर्ण निर्णय की ओर एक ठोस सांस्कृतिक–सांवैधानिक सेतु प्रस्तुत करता है, जो मानव उत्कर्ष के समकालीन वैज्ञानिक प्रतिमानों से गहराई से मेल खाता है।

सामाजिक स्तर पर यह व्याख्या सम्मान, संवाद और समावेशिता के माध्यम से सामाजिक बंधुत्व और न्याय आधारित सह–अस्तित्व को पोषित करती है। आर्थिक क्षेत्र में यह सीमित उपभोग, नैतिक उत्पादन, और सहकारी विकास की प्रेरणा देती है। पारिवारिक जीवन में यह स्नेह, श्रम और सम्मान के तंतु बुनती है, जो सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य और आपसी विश्वास की आधारशिला बनाते हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से मानस की के माध्यम से पृथ्वी को धर्मस्वरूप मानने की चेतना को पुनर्स्थापित करती है–जो आधुनिक पारिस्थितिक नैतिकता और जलवायु न्याय से सीधे जुड़ती है। यह दृष्टिप्रकृति के साथ युद्ध नहीं, संवाद और संतुलन को प्राथमिकता देती है।

और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर–जहाँ युद्ध, उग्रवाद, और सभ्यताओं के संघर्ष की आशंकाएँ गहराती जा रही हैं–रामचरितमानस की यह मानवतावादी व्याख्या परहित सरिसधरमनहिं भाई जैसे मूल्यों को विश्व चेतना में स्थापित कर सकती है। यह शांति केवल युद्धविराम नहीं, बल्किअंतः शांति, सांस्कृतिक सहिष्णुता, औरनैतिक कूटनीति के मार्ग से आती है। इस संदर्भ में मानस की यह प्रस्तुति वैश्विक शांति–निर्माण और संघर्ष–परिवर्तन के लिए एक नैतिक–दार्शनिक ढांचा प्रदान करती है।

इस प्रकार यह समन्वित व्याख्या रामचरितमानस को केवल एक धार्मिक ग्रथ नहीं, बल्कि 21वीं सदी की बहुआयामी वैश्विक चुनौतियों–मानवता, प्रकृति और विश्व व्यवस्था–के समाधान का एक जीवंत स्रोत बनाकर प्रस्तुत करती है। यह अतीत के शाश्वत सत्य को वर्तमान की भाषा में अनुवादित कर भविष्य की दिशा प्रस्तावित करती है–जहाँ आस्था और बौद्धिकता, परंपरा और नवोन्मेष, भारत और विश्व–एक ही संवाद में समाहित हो सकें।

रामचरितमानस केवल एक भक्तिग्रंथ नहीं, अपितु भारतीय चेतना की बहुलवर्णी धारा है, जिसमें शब्द केवल वर्ण नहीं, जीवित मूल्य बनकर प्रवाहित होते हैं। यह काव्य उस सांस्कृतिक आत्मा का साक्षात् रूप है, जो युगों–युगों से मानव को केवल ईश्वर की ओर नहीं, अपने भीतर की समष्टिगत दिव्यता की ओर ले जाती रही है। इसके पद्यरूप–दोहा, चौपाई, सोरठा और विविध छंद–जैसे विभिन्न स्तरों पर एक ही सत्य की बहुभाषिक अभिव्यक्ति हैं। उनमें कथा की सरलता, भावना की तीव्रता और सिद्धांत की गंभीरता का ऐसा त्रिवेणी–संगम है, जो मानस को केवल पाठ नहीं, प्रज्ञा, प्रेम और पुरुषार्थ का अद्वितीय प्रकाशपुंज बना देता है। इसीलिए, इस व्याख्या का ध्येय केवल व्याख्यान नहीं, आत्मसात् है–जिसमें हम मानस के सैद्धांतिक पद्यांशों को समकालीन दृष्टिकोण से देखने का साहस करें, और उन्हें जीवन में उतारने की दिशा प्राप्त करें।

रामचरितमानस की रचना केवल एक काव्य नहीं, अपितु एक समग्र जीवन–दर्शन है, जो भाषा, भक्ति और बुद्धि को समान रूप से आलोकित करता है। इसमें प्रयुक्त दोहे, चौपाइयाँ, सोरठे और छंद केवल भावनात्मक कविता नहीं हैं, वे अर्थ, भावना और दृष्टि के वाहक हैं। तुलसीदास ने इस ग्रंथ में ऐसी रचनात्मक संरचना की है जो कथा, भावना और सिद्धांत–तीनों को समान समर्पण से प्रस्तुत करती है। यदि हम इसकी पद्यविन्यास को अंतर्वस्तु के आधार पर देखें, तो मोटे रूप में तीन प्रकार के पद्य–कथानक, भावप्रधान और सैद्धांतिक–स्पष्ट होते हैं।

रामचरितमानस की रचना केवल एक काव्य नहीं, अपितु एक समग्र जीवन-दर्शन है, जो भाषा, भक्ति और बुद्धि को समान रूप से आलोकित करता है। इसमें प्रयुक्त दोहे, चौपाइयाँ, सोरठे और छंद केवल भावनात्मक कविता नहीं हैं, वे अर्थ, भावना और दृष्टि के वाहक हैं। तुलसीदास ने इस ग्रंथ में ऐसी रचनात्मक संरचना की है जो कथा, भावना और सिद्धांत-तीनों को समान समर्पण से प्रस्तुत करती है।

कथानक अंशों में रामकथा के विविध प्रसंग–जैसे श्रीराम का जन्म, वनगमन, युद्ध और राज्याभिषेक–का प्रवाह होता है। ये चौपाइयाँ कथा की गति को वहन करती हैं, पर वे केवल घटनाओं का विवरण नहीं, नैतिक दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करती हैं। ये पद्य आज के समय में लोकहितकारी नेतृत्व जैसे विचारों को प्रत्यक्ष या प्रतीकात्मक रूप में प्रकट करते हैं।

भावप्रधान अंश मानस की आत्मा हैं। ये वे पद्य हैं जो श्रद्धा, प्रेम, करुणा, त्याग और भक्ति जैसे भावों को गहराई से स्पर्श करते हैं। ये केवल भक्तिपूर्ण अभिव्यक्तियाँ नहीं, बल्कि पूर्ण आत्मसमर्पण और आत्म–दया की उस परंपरा से जुड़ी हैं जो आज मानसिक स्वास्थ्य, आत्म–सम्मान और आत्म–स्वीकृति के विमर्शों में अत्यंत प्रासंगिक मानी जाती है।

परंतु सबसे महत्वपूर्ण और आज के संदर्भ में अत्यंत उपयोगी, मानस के सैद्धांतिक पद्य हैं। यहीं वह गूढ़ तत्व प्रकट होता है जो रामचरितमानस को एक सार्वकालिक जीवन–संहिता बना देता है। इन अंशों में तुलसीदास ने वैदिक ज्ञान, उपनिषदों की तत्वमीमांसा, भक्ति–सूत्रों की भावना और योगदर्शन की मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टियों को अत्यंत सरल अवधी भाषा में प्रस्तुत किया है। यह केवल आध्यात्मिक अनुभूति नहीं, बल्कि संज्ञानात्मक–भावनात्मक आरोपण का सूत्र है–जिससे यह समझा जा सकता है कि व्यक्ति जैसा सोचता है, वैसा ही अनुभव करता है। उसकी चेतना जिस प्रकार ढली होती है, उसी प्रकार उसका ईश्वर, संसार और स्वयं का बोध निर्मित होता है।

इन सैद्धांतिक अंशों को समकालीन संदर्भ में समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि आज मानवता केवल बाह्य संसाधनों से नहीं, आंतरिक क्षमताओं से भी संघर्ष कर रही है। आज का वैश्विक विमर्श मानव उत्कर्ष की ओर उन्मुख है, जिसमें केवल शारीरिक या आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि भावनात्मक संतुलन, आत्मबोध, नैतिक स्पष्टता, संबंध बुद्धि और उद्देश्यपरक जीवन को मिलाकर समग्र जीवन की परिकल्पना की जाती है। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इसी दिशा में सूक्ष्म और प्रासंगिक मार्गदर्शन देते हैं।

नीतिपरक कथनों में संबंधों की परीक्षण–क्षमता, गुणधर्म आधारित नैतिकता और संकट में धैर्य एवं दृढ़ता जैसे तत्त्व अंतर्निहित होते हैं–जो आज के नेतृत्व और मनोविज्ञान के केंद्र में हैं। ये केवल आदर्श स्थापित नहीं करते, बल्कि मूल्याधारित प्रतिक्रिया को संभव बनाते हैं।

इसी प्रकार समावेशी चेतना और गहन सहानुभूति जैसी अवधारणाएँ, जो आज के वैश्विक नैतिक विमर्श का आधार हैं, मानस के उन सूत्रों में सहजता से व्यक्त होती हैं जहाँ प्रत्येक प्राणी को राममय देखा जाता है। यह दृष्टि केवल धार्मिक सहिष्णुता नहीं सिखाती, बल्कि आंतरिक गरिमा और सार्वभौमिक सम्मान का अभ्यास कराती है।

समकालीन वैश्विक दर्शन में भी वही अंतर्दृष्टियाँ अब पुनः प्रगट हो रही हैं–जैसे अस्तित्ववादी मनोविज्ञान में अर्थ–रचना की भूमिका, सकारात्मक मनोविज्ञान में कृतज्ञता, करुणा और उद्देश्य, तंत्रिका–विज्ञान में ध्यानात्मक अवस्थाओं द्वारा मानसिक लचीलापन और सार्वजनिक नैतिकता में गरिमा–आधारित नेतृत्व आदि हैं। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इन सभी से गहन संवाद करते हैं–उनसे टकराते नहीं, बल्कि उन्हें नवाचारी, कल्याणकारी और पूरक दृष्टि प्रदान करते हैं।

इसलिए जब मैं रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंशों की समकालीन व्याख्या करता हूँ, तो मेरा उद्देश्य केवल परंपरा का अनुकरण करना नहीं, बल्कि संवादात्मक ज्ञान का अभ्यास करना है। यह प्रयास इस विश्वास से प्रेरित है कि मानस न तो केवल पूज्य ग्रेंथ है, न केवल सांस्कृतिक स्मृति है। यह एक जीवंत जीवन–व्यवस्था है, जिसमें व्यक्ति की चेतना, उसका चरित्र और उसका समुदाय–तीनों के लिए गहरा मार्गदर्शन समाहित है। यदि हम इसे केवल पूजेंगे, तो यह मूर्ति बनकर रहेगा। यदि इसे समझेंगे, तो यह दर्पण बनेगा। और यदि इसे जीएँगे, तो यह जीवन–पद्धति बन जाएगा–जिससे न केवल व्यक्ति, बल्कि समाज और संस्कृति–तीनों स्पष्टता, श्रद्धा और विवेक के साथ समृद्ध हो सकेंगे। यही मानस का समकालीन और वैश्विक सत्य है।

आज जब मानवता बाह्य साधनों की प्रचुरता और आंतरिक दिशाहीनता–दोनों के द्वंद्व में उलझी हुई है, तब रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंश हमें स्थायित्व, विवेक और करुणा की पुनःस्थापना का आव्हान करते हैं। यह ग्रंथ हमें स्मरण कराता है कि अध्यात्म केवल सन्यास नहीं, अपितु संलग्न कर्म में सार्थकता की खोज है; कि भक्ति केवल भावुकता नहीं, अपितु समर्पित विवेक का नाम है; और कि जीवन की प्रत्येक चुनौती–चाहे वह व्यक्तिगत हो या सामाजिक–उसकी गूंज मानस की किसी चौपाई में पूर्वाभासित है। जब हम इन गूढ़ पद्यों को समकालीन संदर्भ में समझते हैं, तो न केवल ग्रंथ जीवंत होता है, बल्कि हम स्वयं भी अधिक जागरूक, उत्तरदायी और करुणाशील मानव बनते हैं। यही रामचरितमानस की सार्वकालिक और सार्वभौमिक विजय है–कि वह समय के साथ, हर युग के साथ और अधिक प्रासंगिक हो उठता है।

व्याख्या जारी रहेगी!

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

न्याय और पारदर्शिता की बजाय लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइज़ेशन योजना लापरवाही से अन्याय का औजार बन गई

सुचित्रा आर्य

26 अक्टूबर वह तिथि है, जो केवल एक व्यक्ति की पुण्यतिथि नहीं, बल्कि एक विचार, चेतना और युग की स्मृति है। यह वही दिन है जब किसानों के अधिकारों के अग्रदूत, न्याय और समता के प्रतीक चौधरी कुम्भाराम आर्य इस धरती से विदा हुए थे। वे उन विरले जननायकों में थे जिनके शब्द नीति बन गए और जिनकी दृष्टि ने किसानों को सामंती अंधकार से निकालकर अधिकारों के प्रकाश में ला खड़ा किया। सन् 1944 में बीकानेर रियासत के इतिहास ने नई करवट ली जब चौधरी साहब ने पहली बार भूमि रिकॉर्ड तैयार करने की मांग रखी। यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं था, बल्कि किसानों की गरिमा और आत्मसम्मान का घोष था। वे जानते थे कि जब तक किसान कागज़ पर अदृश्य है, उसका अस्तित्व भी असुरक्षित है। उनका मानना था–अधिकार की नींव कागज़ में नहीं, सत्य में होती है; पर उस सत्य को प्रमाण कागज़ ही देता है।

उनके नेतृत्व में राजस्थान ने भूमि सुधारों की वह यात्रा शुरू की, जिसने किसान को खेत की मिट्टी से नहीं बल्कि उसके अधिकार से जोड़ा। काश्तकारी अधिनियम पारित हुआ, खातेदारी अधिकारों की स्थापना हुई और 1952 से 1966 तक चले भूमि सुधार कार्यक्रमों ने ग्रामीण समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन किए। राजस्व नियमों के अनुसार हर बीस वर्ष में भूमि अभिलेखों का पुनः सर्वेक्षण होना चाहिए। 1972 में कांग्रेस सरकार के समय अंतिम बार पैमाइस और रिकॉर्ड दुरुस्ती हुई थी, पर उसके बाद दशकों तक प्रशासनिक सुस्ती छाई रही। सीमाएँ बदलीं, खेतों का आकार घटा–बढ़ा, मगर अभिलेख पुराने ही रहे। इस उपेक्षा ने भविष्य के विवादों की नींव रख दी, जिसके दुष्परिणाम आज किसान भुगत रहे हैं।

2019 में डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड : मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम (DILRMP)" योजना शुरू हुई तब से अब तक इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 11 जिलों की 134 तहसीलों में सर्वे–रिसेर्वे कार्य चल रहा है! योजना का उद्देश्य था–भूमि अभिलेखों को पारदर्शी, सटीक और डिजिटल बनाकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाना। योजना जितनी आकर्षक सुनाई दी, उसका क्रियान्वयन उतना ही अव्यवस्थित और निराशाजनक निकला। हनुमानगढ़ जिले की रावतसर तहसील इसका ताजा उदाहरण है। ग्राम पंचायत मोटेर सहित लगभग 12 गाँवों में रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन के नाम पर हुए सर्वेक्षण में भारी अनियमितताएँ सामने आईं। सेटलमेंट टीमों ने नए नक्शों में खेतों की सीमाएँ बदल दीं, किसानों की वास्तविक भूमि से छेड़छाड़ कर नए रेखांकन तैयार किए, जबकि नियमानुसार यह कार्य गाँव की सीमा से शुरू होकर प्रत्यक्ष निरीक्षण द्वारा होना चाहिए था। न ग्राम सभा बुलाई गई, न किसानों से संवाद हुआ। अधिकारी मान बैठे कि खेत उपग्रहों से नापे जा सकते हैं, और सारा सर्वे दफ्तरों में उपग्रह चित्रों के सहारे पूरा हुआ।

यदि ये त्रुटिपूर्ण नक्शे अंतिम रूप ले लिए गए, तो किसान वर्षों तक अपनी ही भूमि के सत्य को अदालतों में सिद्ध करता रहेगा। जहाँ रिकॉर्ड में गलती हुई, वहाँ अधिकार संदिग्ध हो गए; जहाँ सीमाएँ बदलीं, वहाँ पड़ोसी विवाद भड़क उठे हैं परिणामस्वरूप अनेक किसानों की ज़मीन का रकबा घट गया, सीमाएँ उलझ गईं और उनका विश्वास प्रशासनिक व्यवस्था से डगमगा गया। यह केवल मोटेर या हनुमानगढ़ की कहानी नहीं, बल्कि पूरे राज्य के प्रशासनिक चरित्र की परीक्षा है। यदि यही स्थिति रही तो आने वाले वर्षों में हजारों किसान तहसीलों और अदालतों के चक्कर काटते रहेंगे। रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन का उद्देश्य जहाँ विवाद मिटाना था, वहीं यह अब विवादों की जड़ बन गया है।

दुर्भाग्य यह भी है कि इस प्रक्रिया के महत्व को अधिकांश जनप्रतिनिधि समझ ही नहीं पाए हैं। जो योजना किसान की सुरक्षा के लिए बनी थी, वह आज उसकी असुरक्षा का कारण बन गई है। यह केवल विडंबना नहीं, नीति–निष्ठा की परीक्षा है। किसान जाए तो जाए कहाँ? सरकारी गलती सुधारने की ठोस व्यवस्था नहीं, स्थानीय प्रतिनिधियों में जानकारी का अभाव और प्रशासनिक जवाबदेही का संकट – इन सबके बीच किसान उसी भूमि पर अस्थिर खड़ा है।

सरकार को चाहिए कि इस योजना को केवल तकनीकी परियोजना न मानकर किसान के अधिकार–संरक्षण के अभियान के रूप में देखे। प्रत्येक तहसील में पुनः सर्वेक्षण कराया जाए, ग्राम सभाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, और योजना की निर्देशिका के अनुरूप 'मौका स्थिति' का भौतिक सत्यापन करते हुए ही रिकॉर्ड तैयार किए जाएँ। कृषि भूमि धारक, गोचर, औरण, जोहड़–पायतन तथा आबादी भूमि पर कौन, कहाँ और किस स्थिति में काबिज है–यह विवरण सटीक रूप से दर्ज किया जाए। जो कंपनियाँ नियमों की अवहेलना कर रही हैं या बिना स्थलीय सत्यापन के रिपोर्ट दे रही हैं, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई अनिवार्य की जाए। भूमि का आधुनिकीकरण केवल डेटा में नहीं, बल्कि किसान के विश्वास और अधिकार में प्रतिबिंबित होना चाहिए।

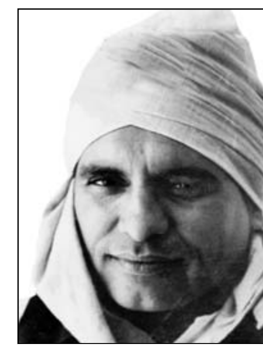

स्व. चौधरी कुम्भाराम आर्य

–सुचित्रा आर्य,
पूर्व विधायक एवं पूर्व उपाध्यक्ष, कृषि उद्योग विकास बोर्ड, राजस्थान

अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों से मौतों पर सस्पैंशन काफी नहीं, जेल हो और पेंशन बंद हो

प्रो. वीर बहादुर सिंह

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश में सरकारी अफसरों और कर्मचारिओं की बढ़ती लापरवाही और घूसखोरी से आम जनता के हेतु बनी सुविधाओं से नित घटित होती नई दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोगों की बिना उनके किसी अपराध के जान चली जाती है। ऐसी दुर्घटनाएं इस लोकतंत्र में एक आम बात है जो इस देश की जनता के लिए दुर्भाग्य के अतिरिक्त कुछ नहीं। लोगों को यह अहसास होना चाहिए कि पचहत्तर वर्ष में आदमी ही शरीर से जर्जर हो जाता है और कई उससे पहले ही अपनी स्वर्गलोक की यात्रा पर निकल लेते हैं फिर जर्जर हुआ लोकतंत्र कैसे संबल बना रह सकता है ?

इससे बढ़कर भी और दुर्भाग्य है कि संविधान जो बाबा साहब ने पचहत्तर वर्ष पूर्व लिखा था उस काल की परिस्थितिओं का आंकलन करते हुए, कैसे आज की स्तिथिओं में वह जनहित में बना रह सकता है? क्या उसमे वक्त के अनुसार बदलाव की कोई गुंजाइश नहीं? कई दिमागी तौर पर मूर्ख नेता यह कहते नहीं अघाते कि यह किताब परमानेंट है, स्थिर है और अपरिवर्तनीय है। बाबा साहेब यदि जीवित रहते तो वे लोक और उसके तंत्र की हालत देखकर अभी तक कितने अनगिनित बदलाव कर देते और संभवतया पूरी किताब ही बदल डालते ?

अभिशप्त है देश की जनता वह न तो बाबा साहेब को समझ पाई और न उनकी लिखी पुस्तक में निहित भावना को। मैं यह मानता हूँ कि बाबा साहेब के समय देश की जनता घोर अशिक्षितता से ग्रसित थी और बाद के सालों में शिक्षित तो बनी परन्तु मूड़ होती चली गई। आज देश की स्थिति ऐसी हो चुकी है कि विदेशी कोई भी आक्रांता अपने हुनर और पटाओ तकनीक से देश पर बिना खून खराबे के काबिज होकर शासन कर सकता है। आम जनता में कुब्बत बची ही नहीं और जो जीवंत है भी, उसे सत्तर सालों में पैदा हुए अहिरावण, हरने के लिए तैयार बैठे हैं।

एक अखबार में छपे अभी हाल का प्रकरण, राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक एयर कंडीशन बस में आग लगने से सवारियां बाहर निकल ही नहीं सकीं, बस के खिड़किओं के शीशे भी जाम थे, इमरजेंसी गेट भी बंद मिला वहां एक यात्री सीट लगाकर उस गेट के महत्व को ही ख़त्म किया हुआ था। बीस यात्री तो जल के उसी में मर गए। केवल चार लोग किसी प्रकार कूद गए लेकिन सोलह यात्री बुरी तरह झुलस गए। यह दुर्घटना लापरवाही और समयावधि से उचित देखरेख के आभाव में घटी।

अखबार कहता है कि एसी गैस लीक होने और शार्ट सर्किट के कारण आग लगी। प्रश्न उठता है कि बस में आग बुझाने का यंत्र था अथवा नहीं? आग बुझाने का क्रियाशील यंत्र होने पर आग दिखते ही बुझाई जा सकती थी और एक बड़े हादसे को रोका जाना संभव था। सरकारी लापरवाही की हद तो तब हो गयी जब झुलसे हुए लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए निकट कोई ट्रॉमा अस्पताल नहीं मिला। यह भी आज़ाद देश की आज़ादी का एक नमूना है या तोहफा।

अखबार की खबर के अनुसार हादसे से 280 किलोमीटर तक कोई मेडिकल सुविधा उपलब्ध नहीं थी। खबर कहती है कि 100 ट्रॉमा सेण्टर प्रदेश में बनने थे, उनके टेंडर भी हो चुके थे लेकिन वे सभी अकारण निरस्त कर दिए गए और बाद में पुनः टेंडर नहीं किये गये, क्यों? किस अफसर ने मना किया कि पुनः टेंडर नहीं करनें हैं? यह मसला वर्ष 2021 का है जब केंद्र सरकार ने 85 करोड़ रुपये प्रति ट्रॉमा सेण्टर के हिसाब से राज्य को धन दिया था उस समय कहते हैं कि राजस्थान में कांग्रेस की गहलोत सरकार थी। जो वर्ष 2024 तक कार्यरत रही जब तक कि बीजेपी की सरकार नहीं बन गई।

यह हादसा अनेक प्रश्न छोड़ता है। केंद्र के धन उपलब्ध करने के पश्चात् भी राज्य ने ट्रॉमा सेण्टर क्यों नहीं बनाये? कौन मंत्री, कौन सचिव इस लैप्स के लिए दोषी हैं? तबके मुख्यमंत्री सहित, सम्बंधित मंत्री और सचिव को वर्तमान सरकार यथा शीघ्र सलाखों के अंदर डाले ताकि यह मिसाल बन सके आगे के लिए कि ऐसा जन विरोधी लैप्स कोई मंत्री या सचिव न कर सके। जब अनेक जिंदगीयां हादसे में स्वाह हो जाती हैं तो उन्हें बचाने के लिए यदि सजा के बतौर दो–तीन सरकारी लोग कुर्बान किये जा सकें तब भी कुल मिलाकर सौदा सस्ता ही रहेगा।

जब तक प्रदेश की जनता अपने और अपनों के हित के लिए उद्वेलित नहीं होगी सरकारी लापरवाहियां घटती रहेंगी। क्योंकि इस लोकतंत्र में प्रशासन अपने आप सक्रीय नहीं होता जब तक कि कोई पुलिस रिपोर्ट अथवा जन आंदोलन सरकार की खुमारी नहीं उडा दे लोग ऐसे ही बेमौत मरते रहेंगे और मंत्री, मुख्यमंत्री घड़ियाली आंसू बहा कर जनता के ही टैक्स से अर्जित धन में से ऐसी मौतों पर एक दो लाख रुपये मृतकों के परिजनों को सांत्वना स्वरुप मुआवजा देकर अपनी जिम्मेदारी की इति श्री कर लेगी और परिजन धन प्राप्त कर मरने वाले को दुआएं देते नहीं थकेंगे और सांत्वना देने वाली सरकार की जय बोलते रहेंगे।

किसी भी सामाजिक समूह में अथवा किसी भी व्यक्ति में यह साहस है कि वह पूछ सके कि अमुक कार्य में लापरवाही क्यों? काम पूरा करने में देरी क्यों? घटिया काम क्यों? ऐसे सवाल हर जागरूक नागरिक की जुबान पर होने चाहिए। जैसलमेर ज़िले की यह बस दुखांतिका में उपजे अनेक सवालों से सम्बंधित सरकारी मंत्री और सचिव आदि से उनके उत्तर माँगना अब आवश्यक हो गया है, यथा शीघ्र नोटिस देकर सबसे पहले जिम्मेदारों –आरटीओ, बस पंजीयक, वित्त सचिव, यातायात सचिव और तत्कालीन मुख्य मंत्री को समेटते हुए वर्तमान सरकार अपनी सामर्थ से उदाहरणीय सजा दे ऐसी अपेक्षा की जाती है जिससे लापरवाही के कारण मौत के मुंह में जाने से लोग बच सकें। वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की सरकार में क्या इतना साहस है कि वह यह सब कर सके ?

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
सेवा निवृत पूर्व कुलपति, स्वतंत्र विचारक और लेखक, उदयपुर।

चिकित्सीय लापरवाही के मामले में उपभोक्ता आयोग ने मरीज के पक्ष में फैसला सुनाया

- **आपरेशन में लापरवाही बरतने पर मरीज की एक आंख की रोशनी चली गई थी**
- **साढ़े छह लाख रूपए की मुआवजा राशि 10 साल के ब्याज के साथ देनी होगी**

झुंझुनूं, (निसं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील एवं सदस्य प्रमेंद्र कुमार सैनी की बैंच ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में चिकित्सीय लापरवाही के मामले में मरीज के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग ने सेठ आनंदराम जयपुरिया नेत्र हॉस्पिटल स्टेशन रोड नवलगढ़ व चिकित्सक डॉ. ईसरत सदानी को छह लाख पचास हजार रुपए का मुआवजा 45 दिवस के भीतर पीड़िता को अदा करने के आदेश दिए हैं।

उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष एवं पीठासीन अधिकारी मनोज कुमार मील ने फैसले में लिखा है कि प्रकृति ने मानव, पशु–पक्षी में कोई भेदभाव नहीं करते हुए सभी को दो आंखों का उपहार दिया है। एक–एक आंख का अपना अलग महत्व है। जब एक मानव अपनी पीड़ा लेकर चिकित्सक के पास आता है, तो वह उम्मीदों से भरा रहता है। वह चिकित्सक पर उसी रूप में विश्वास करता है, जिस प्रकार एक सद्भावी व्यक्ति अपने ईष्ट देवता या प्राकृतिक रूप से मौजूद सूर्य, जल, वायु व अग्नि के होने का विश्वास करता है। आयोग की टिप्पणी है कि इस प्रकरण में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा मेडिकल नेगलीजेंसी के मामलों में सुस्थापित विधि की अवधारणा परिस्थितियां स्वयं बोलती है का सिद्धांत लागू होता है। गौरतलब है कि वर्ष 2012 में परिवादी श्रीराम पुत्र नारायणराम निवासी जोगियों का बास तहसील लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर ने आंख के उपचार के लिए सेठ आनंदराम जयपुरिया नेत्र हॉस्पिटल नवलगढ़ में ऑपरेशन करवाया था। ऑपरेशन के बाद मरीज को आंख में तेज दर्द, सूजन और दिखाई देने में परेशानी बनी रही। लगातार इलाज के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ। परिवादी ने वापस ऑपरेशन करने वाले चिकित्सक को दिखाया तब उसे दवाइयां दी गई, लेकिन तीन माह से अधिक समय बीत जाने पर भी स्वस्थ नहीं होने पर उसने झुंझुनूं, पिलानी, सीकर के बाद जयपुर स्थित एसएमएस अस्पताल में नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों को दिखाया, तो बताया गया कि आंख में लैंस सही नहीं लगाया गया है। परिवादी की नेत्र की रोशनी जाने पर उसने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में परिवाद पेश किया।

राशिफल रविवार 26 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, ज्येष्ठा नक्षत्र प्रातः 10:47 तक, शोभन योग प्रातः 6:45 तक, बव करण सायं 4:57 तक, चन्द्रमा प्रातः 10:47 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–तुला, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–तुला, बुध–वृश्चिक, गुरू–कर्क, शुक्र–कन्या, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज रवियोग दिन 10:47 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 10:47 से सूर्योदय तक है। आज सौभाग्य पंचमी व्रत, पांडव और लाभषचमी ज्ञान पंचमी है। आज से सूर्य षष्ठी व्रत तीन दिन का आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:00 से 9:24 तक, लाभ अमृत 9:24 से 12:11 तक, शुभ 1:34 से 2:58 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:36, सूर्यास्त 5:46 तक

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यक्तिगत खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

वृष
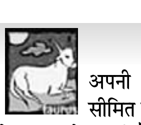

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मिथुन

परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कर्क
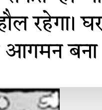

अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

सिंह

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

कन्या
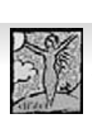

घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
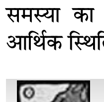

व्यक्तिगत पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में आवश्यक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। शुभ–मांगलिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

धनु

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
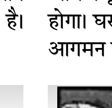

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 84 प्रभात जयपुर, रविवार 26 अक्टूबर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत
Metro
Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

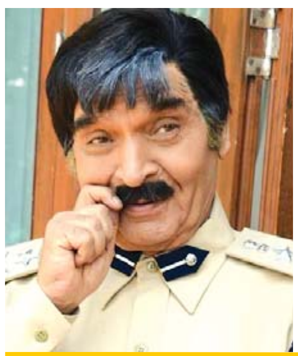

Versatility was his middle name
His was a dependable presence. For filmmakers, Asrani meant that a comedic track or side character would always be handled

The 7 Types Of Husbands

The 7 Types Of Wives Types of Wives in Ancient Indian Thought: Insights into Marital Ideals and Female Archetypes

युवा नेताओं को जिलाध्यक्ष के रूप में पनपाने की योजना फेल हुई राजस्थान में

पुराने नेता, प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा, सी.पी. जोशी व जूली संगठित हुए अपनी पकड़ बरकरार रखने के लिए

- उनकी ''राय'' पर प्रभारी रंधावा अपनी मोहर लगा रहे हैं।
- कांग्रेस के नेताओं ने अध्यक्ष खड़गे व राहुल गांधी को इस मुतल्लिक ज्ञापन भी दिये हैं, किन्तु उनकी शिकायतें अनसुनी सी रह गई हैं।
- डोटासरा के उम्मीदवारों पुष्पेन्द्र भारद्वाज और सुनील शर्मा के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ताओं ने खड़गे और राहुल गांधी को पत्र लिखे हैं, क्योंकि पुष्पेन्द्र भारद्वाज के खिलाफ कई मामले हैं और सुनील शर्मा, जिन्हें लोकसभा चुनाव में टिकट दिया गया था, का भारी विरोध होने के कारण खुद सोनिया गांधी ने टिकट काट दिया था।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। राजस्थान कांग्रेस में जिलाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया, जो राहुल गांधी का विशेष रुप से प्रिय प्रोजैक्ट था, अब मज़ाक बन चुकी है। वरिष्ठ नेता अपने-अपने क्षेत्रों में अपने समर्थकों को जिलाध्यक्ष बनवाने की कोशिश में एकजुट हो गए हैं।

सभी पर्यवेक्षकों ने कल अपनी रिपोर्टें जमा कर दीं और अब अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व को लेना है। लेकिन इसी बीच, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने नामों का एक पैनल सौंप दिया है, जो पूरी तरह अनावश्यक और उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। रंधावा के नेतृत्व में वरिष्ठ नेता एकजुट होकर चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं।

सी.पी. जोशी अपने क्षेत्र में अपने लोगों को जिलाध्यक्ष बनवाना चाहते हैं, और जब भी किसी के नाम का प्रस्ताव रखा जाता है, सभी तुरंत हां में हां मिला देते हैं।

विधाक दल के नेता जूली को भी बैठक में शामिल होने के लिए कहा गया, जबकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

कांग्रेस नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी को पुष्पेन्द्र भारद्वाज और सुनील शर्मा के खिलाफ पत्र लिखे हैं, जिन्हें डोटासरा ने उम्मीदवार बनाया है। भारद्वाज पर मुकदमे चल रहे हैं और कार्यकर्ता उनका विरोध कर रहे हैं। वहीं, सुनील शर्मा की जयपुर विधानसभा उम्मीदवारी पहले ही सोनिया गांधी ने रद्द कर दी थी, क्योंकि शशि थरूर ने उनके खिलाफ ट्वीट किया था। शर्मा ने दोनों गांधी नेताओं को ''तानाशाह'' कहा था।

राजस्थान में जो कुछ हो रहा है, वह राहुल गांधी की उस मूल पहल की भावना के खिलाफ है, जिसका उद्देश्य जिलाध्यक्षों को सशक्त बनाना और योग्य व नई नेतृत्व क्षमता वाले लोगों को सामने लाना था, ताकि पार्टी को लाभ हो सके। लेकिन हो यह रहा है कि वही पुराने नेता अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए पहले से बदनाम और हार चुके चेहरों को फिर से आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे नई नेतृत्व पंक्ति उभर नहीं पा रही।

और अगर एआईसीसी के प्रभारी महासचिव, इस मामले में रंधावा भी इसमें शामिल हैं, तो कार्यकर्ताओं के पास शिकायत करने या न्याय पाने का कोई रास्ता नहीं बचता।

राजस्थान में यह समस्या लंबे समय से चली आ रही है, जब से अशोक गहलोत ने अपनी सत्ता का इस्तेमाल करके महासचिवों को प्रभावित कर पार्टी पर मजबूत पकड़ बना ली थी। के.सी. वेणुगोपाल भी इस पूरी चाल में शामिल माने जा रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि रंधावा के गहलोत, जोशी, डोटासरा और अन्य कई नेताओं से मजबूत संबंध हैं।

राहुल गांधी को अब अपनी आंखें खोलनी होंगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि इन राज्यों में चयन की प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी हो।

मुख्यमंत्री ने अकलेरा व श्रीगंगानगर मंडी के विकास कार्य को मंजूरी दी

जयपुर, 25 अक्टूबर। कृषि क्षेत्र में सुविधाओं एवं सेवाओं का विस्तार कर किसान कल्याण के लक्ष्य को साकार करने कें लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की अकलेरा एवं श्रीगंगानगर मंडी में विकास कार्य के लिए 2 करोड़ 28 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं।

- दोनों मंडियों में विकास के लिए 2.28 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

झालावाड़ जिले की कृषि उपज मंडी अकलेरा में ई-नाम हॉल के कार्यालय भवन सहित नवीन निर्माण कार्यो के लिए 1 करोड़ 78 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। वहीं, कृषि उपज मंडी श्रीगंगानगर के फल-सब्जी व वन उपज मंडी यार्ड में विद्युत कार्यों के लिए भी लगभग 50 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा राजस्थान कृषि उपज मंडी अधिनियम 1961 के तहत टोंक जिले में कृषि उपज मंडी टोडारायसिंह के प्रथम बोर्ड के गठन का अनुमोदन भी किया गया है। जिससे इस मंडी का प्रशासनिक संचालन सुनिश्चित हो सकेगा।

सीताराम केसरी भी बिहार चुनाव में मुद्दा बने

राहुल गांधी ने बिहार के बड़े नेताओं की स्मृति में प्रार्थना सभा आयोजित की, जिसमें सीताराम केसरी का नाम भी शामिल था

- मोदी ने पलटवार करते हुए कहा, बैकवर्ड नेता सीताराम केसरी का तिरस्कार किया था कांग्रेस ने, सम्मान नहीं। उन्हें बेरहमी से अध्यक्ष पद से हटाकर सोनिया गांधी को अध्यक्ष बनाया था। साथ ही कांग्रेस गठबंधन बंदोपाध्याय समिति की सिफारिशों को घोषणा पत्र का हिस्सा बनाना चाहता है।
- बंधोपाध्याय समिति का गठन नीतीश सरकार ने किया था। पर, उनकी सिफारिशें इतनी ज्यादा प्रोग्रेसिव थीं कि उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। रिपोर्ट में बटाईदारों के हितों की सुरक्षा तथा लैंड होल्डिंग पर सीमा बाँधने की सिफारिश की थी। फॉरवर्ड-बैकवर्ड के संघर्ष के कारण नीतीश सरकार इसे लागू नहीं कर पा रही थी, इसे महागठबंधन अब लागू करना चाह रहा है।

- श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। चुनावी बिहार में पिछड़ा बनाम अगड़ा मुद्दा ज़ोर पकड़ रहा है। विपक्षी महागठबंधन कथित तौर पर भूमि सुधारों पर डी. बंद्योपाध्याय समिति की सिफारिशों को अपने घोषणा पत्र में शामिल करने पर विचार कर रहा है, जो 28 अक्टूबर को जारी होने की उम्मीद है। इसी बीच, ओबीसी बनिया समुदाय से ताल्लुक रखने वाले दिवंगत कांग्रेस अध्यक्ष सीताराम केसरी का नाम बिहार की चुनावी राजनीति में फिर से चर्चा में आ गया है।

कांग्रेस नेताओं, जिनमें राहुल गांधी भी शामिल थे, ने बिहार के इस कद्दावर कांग्रेसी नेता केसरी को एक स्मृति सभा में श्रद्धांजलि दी। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि 1998 में केसरी को अपमानित करके कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था और सोनिया गांधी को अध्यक्ष बनाया गया था। मोदी ने बेगुसराय में एक रैली में कहा, ''बिहार की जनता कांग्रेस को आने वाले चुनावों में इसका जवाब देगी।''

दोनों प्रमुख राजनीतिक दल, एनडीए और महागठबंधन, ओबीसी और पिछड़े मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए रणनीति पर काम कर रहे हैं। इससे पहले, नरेन्द्र मोदी सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया था, जबकि प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने कर्पूरी ठाकुर की पोती को उम्मीदवार बनाया है। महागठबंधन के अंदर, भूमि सुधारों पर विवादास्पद बंदोपाध्याय समिति की सिफारिशों को लागू करने के वादे को अपने घोषणा पत्र में शामिल करने की ज़ोरदार कोशिश चल रही है।

नीतीश कुमार द्वारा गठित बंदोपाध्याय समिति ने 2008 में अपनी सिफारिशें प्रस्तुत की थीं। तथापि, सिफारिशों पर तीखी और प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं को देखते हुए, नीतीश कुमार ने रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। समिति ने बटाईदारों के अधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाने और भूमि जोत की सीमा तय करने की भी सिफ़ारिश की थी। संयोग से, बंदोपाध्याय ने 1970 के दशक के अंत में ''ऑपरेशन बर्गा'' के तहत पश्चिम बंगाल में भूमि सुधारों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वामपंथी दल घोषणा पत्र में बंदोपाध्याय समिति की सिफारिशों को शामिल करने पर ज़ोर दे रहे हैं, लेकिन सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस और राजद नेताओं को आशंका है कि यह रणनीति उल्टी पड़ सकती है।

एलआईसी ने वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट को सिरे से खारिज किया

एलआईसी ने कहा, सारे निवेश पूरी तरह सोच-विचार कर और ईमानदारी से किए गए हैं

- एलआईसी ने वॉशिंगटन पोस्ट के इस आरोप को झूठा, निराधार व तथ्यों से परे बताया कि एलआईसी ने किसी दबाव में निवेश किया है।
- एलआईसी ने आरोप लगाया कि वॉशिंगटन पोस्ट ने एलआईसी की छवि और भारत में फायनैंशियल सैक्टर की मजबूत नींव को क्षति पहुँचाने की कोशिश की है।

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शनिवार को ''द वॉशिंगटन पोस्ट'' द्वारा प्रकाशित झूठी रिपोट्र्स का खंडन किया और पुनः पुष्टि की कि सभी निवेशों को ईमानदारी और उचित परिश्रम के साथ किया गया है।

''द वॉशिंगटन पोस्ट'' के एक लेख में दावा किया गया था कि अधिकारियों ने मई में एक प्रस्ताव को कथित तौर पर तेजी से मंजूरी दी, जिसके तहत एलआईसी से लगभग 3.9 बिलियन डॉलर का निवेश अडानी समूह की एक कंपनी में किया गया।

इस लेख का खंडन करते हुए, एलआईसी ने कहा कि ''द वॉशिंगटन पोस्ट'' द्वारा लगाए गए आरोप, कि एलआईसी के निवेश निर्णय बाहरी कारकों द्वारा प्रभावित होते हैं, ''झूठे, निराधार और सत्य से दूर'' हैं

कंपनी ने एक बयान में कहा, ''लेख में आरोपित दस्तावेज़ या योजना कभी भी एलआईसी द्वारा तैयार नहीं की गई है, जो एलआईसी को अडानी समूह की कंपनियों में धन का निवेश करने का रोडमैप बनाती हो।''

लेख में दावा किया गया था कि अधिकारियों ने पिछले साल मई में एक प्रस्ताव को कथित तौर पर तेजी से मंजूरी दी, जिसके तहत एलआईसी से लगभग 3.9 बिलियन डॉलर का निवेश अडानी समूह की एक कंपनी में किया गया।

एलआईसी ने कहा कि निवेश निर्णय स्वतंत्र रूप से बोर्ड द्वारा स्वीकृत नीतियों के अनुसार किए जाते हैं, जिनमें गहन एवं आवश्यक परिश्रम (ड्यू डिलिजेंस) की प्रक्रिया अपनाई जाती है।

कंपनी ने बयान में आगे कहा, ''इस तरह के निर्णयों में डिपार्टमैंट ऑफ फायनैंस सर्विसेज़ या अन्य किसी संस्था

(शेष पृष्ठ 4 पर)

दस से पन्द्रह राज्यों में अगले सप्ताह से एस.आई.आर. शुरु होगी

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भारत का निर्वाचन आयोग अगले हफ्ते से देश भर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) का पहला चरण शुरू कर सकता है। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान ''10 से 15''

- इनमें असम, तमिलनाडु, केरल व पश्चिम बंगाल प्रमुख हैं।

राज्यों में एक साथ शुरु होगा, जिसमें वो राज्य भी शामिल हैं, जहाँ अगले साल चुनाव होने हैं।

असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होंगे और ये उन राज्यों में शामिल हैं, जहाँ मतदाता सूची संशोधन का काम

(शेष पृष्ठ 4 पर)

'मई 2025 में एलआईसी ने अडानी समूह में 33,000 करोड़ रूपए लगाए थे'

वॉशिंगटन पोस्ट ने यह खुलासा करते हुए आरोप लगाया कि यह पैसा 30 करोड़ पॉलिसी धारकों की बचत का था

- वॉशिंगटन पोस्ट में छपी खबर में बताया गया है कि उसके पास जो आंतरिक दस्तावेज हैं उनसे पता चला है कि सरकार के अधिकारियों ने एलआईसी द्वारा अडानी की कंपनी के 33,000 करोड़ रूपए का निवेश का प्रस्ताव तैयार किया था।
- अखबार कहता है कि इस निवेश का लक्ष्य है, अन्य निवेशकों को अडानी ग्रुप में निवेश के लिए प्रेरित करना।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। हाल ही में मीडिया में कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, जिनमें बताया गया है कि मोदी-अडानी की सांठगांठ ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और इसके 30 करोड़ पॉलिसीधारकों की बचत का कैसे सोचे -समझे तरीके से दुरुपयोग किया। ''वॉशिंगटन पोस्ट'' ने इस घोटाले का खुलासा किया है, जिसमें बताया गया है कि मोदी सरकार ने किस तरह अडानी एन्टरप्राइज़ेज़ की मदद की।

आंतरिक दस्तावेजों से पता चलता है कि भारतीय अधिकारियों ने मई 2025 में अडानी ग्रुप की विभिन्न कंपनियों में एलआईसी फंड्स के 33,000 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया और इसे पारित किया। इसके उद्देश्य थे- ''अडानी ग्रुप में विश्वास का संकेत देना'' और ''अन्य निवेशकों को भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना।''

इस पूरे मोदी-अडानी मेगा घोटाले की जांच केवल एक संयुक्त संसदीय समिति द्वारा की जा सकती है, जिसकी माँग कांग्रेस पार्टी लगभग तीन वर्षों से कर रही है-जब से उसने अपनी 100 सवालों की श्रृंखला ''हम अडानी के हैं कौन'' (एचएएचके) प्रकाशित की थी।

पहला कदम यह होना चाहिए कि कम से कम संसद की पब्लिक अकाउन्ट्स कमेटी (पीएसी) पूरी तरह से यह जांचे कि एलआईसी को वास्तव में अडानी ग्रुप में निवेश करने के लिए कैसे मजबूर किया गया। यह पीएसी के अधिकार क्षेत्र में पूरी तरह से आता है।''

कांग्रेस के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि सवाल यह उठता है कि किस दबाव में वित्त मंत्रालय और नीति आयोग के अधिकारियों ने यह निर्णय लिया कि उनका काम एक निजी कंपनी को वित्तीय कठिनाइयों से उबारना था, जो गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण संकट में थी। उन्होंने इसे ''मोबाइल फोन बैंकिंग'' का मामला बताया।

जयराम रमेश ने कहा, जब सार्वजनिक पैसे को भ्रष्ट कंपनियों को दिया गया, तब यह स्पष्ट हुआ कि एलआईसी ने 21 सितंबर 2024 को केवल चार घंटे की ट्रेडिंग में 7850 करोड़ रुपये का नुकसान उठाया, इसके

(शेष पृष्ठ 4 पर)

नियुक्ति के बाद चयन निरस्त करने पर रोक

जयपुर, 25 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पशु परिचर भर्ती-2023 में नियुक्ति देने के बाद अभ्यर्थी का चयन निरस्त करने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में प्रमुख पशुपालन सचिव और निदेशक सहित कर्मचारी चयन बोर्ड को नोटिस

- हाई कोर्ट ने पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव, निदेशक तथा कर्मचारी चयन बोर्ड को नोटिस जारी किया।

जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने ये आदेश अशोक कुमार धाकड़ की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने अक्टूबर, 2023 में पशु

(शेष पृष्ठ 4 पर)

भारत में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी रेयर अर्थ की डिपॉज़िट्स हैं, पर आज भी ज़मीन का माल ज़मीन में ही क्यों रह गया है

कागज़ी कार्यवाही इतनी गलाघोंट है कि खनिज की डिस्कवरी और खान को प्रोडक्शन में आने में पंद्रह साल लग जाते हैं

- पर, 2023 में कुछ आशा जगी, क्योंकि 1957 के माइंस एण्ड मिनरल्स एक्ट में सरकार को परिवर्तन करना पड़ा और प्राइवेट सैक्टर को भी रेयर अर्थ के खनिजों को खोद कर निकालने की सुविधा मुहैया कराई है।
- यह परिवर्तन इसलिए हुआ, क्योंकि सरकार को यह अहसास हो गया कि केवल सरकारी कॉर्पोरेशन को ही माइनिंग का अधिकार प्राप्त रहेगा तो मिनरल का एक्स्प्लॉयटेशन कभी पूरा नहीं हो पायेगा।
- चीन में जिस दिन मिनरल मिलता है, दूसरे दिन ही खुदाई शुरु हो जाती है। जब तक भारतीय खान मालिक पुरानी खान नीति के तहत परमिशन को ढूँढ रहा होता है, चीन का माल बाज़ार में आ चुका होता है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भारत के पास खनिज हैं, लेकिन गति नहीं। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के भंडारों का मालिक होने के बावजूद, खोज को उत्पादन में बदलने में 15 साल तक का समय लग जाता है।

जब भारत कागजी कार्रवाई में लगा होता है तब चीन पृथ्वी की खुदाई करता है।

अदिति गुर्लीकर के इस गहन अध्ययन में, भूवैज्ञानिक और अन्वेषक चन्नमल्लिकार्जुन बी. पटिल यह बताते हैं कि कैसे नौकरशाही, ड्रिलिंग की सीमा कम करके और पुराने ढांचे के लिए खनिज संपदा को जमीन के बाहर आने से रोकते है।

एआई-संचालित अन्वेषण से लेकर खनन नीति में चुपचाप हो रहे परिवर्तन तक, यह कहानी उन टैक्टॉनिक बदलावों को उजागर करती है, जो भौगोलिक संपत्ति को राष्ट्रीय शक्ति में बदलने के लिए आवश्यक हैं।

भारत दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और महत्वपूर्ण खनिजों के सबसे समृद्ध भंडारों में से एक है, फिर भी दशकों की नीति संबंधी निष्क्रियता, लालफीताशाही और सावधानी की गलत सोचने इस भौगोलिक खजाने को जमीन में ही बंद कर दिया है, जबकि चीन लगातार आगे बढ़ता जा रहा है।

भारत के प्राचीन उपमहाद्वीपीय ढाल के नीचे एक भौगोलिक धरोहर है, जो देश को महत्वपूर्ण खनिज सुपरपावर के रूप में स्थापित कर सकती हैं। दुर्लभ पृथ्वी तत्व, लिथियम, निकल, टाइटेनियम (वह कच्चा माल जो पवन टरबाइन, लड़ाकू विमानों, और स्मार्टफोन बैटरियों से लेकर सभी चीजों को शक्ति प्रदान करता है) इस भूमि पर प्रचुर मात्रा में हैं, यह कभी गोंडवाना भूमि का हिस्सा थी, जो पैंजिया सुपरमहाद्वीप का दक्षिणी भाग था।

आंकड़े एक दिलचस्प कहानी बयान करते हैं। भारत के पास लगभग 6.9 मिलियन मीट्रिक टन दुर्लभ पृथ्वी के भंडार हैं, जो दुनिया में तीसरे नंबर पर है। देश में लगभग 30 महत्वपूर्ण खनिज हैं, जिनमें से बड़े भंडार कर्नाटका के मंड्या जिले के लिथियम क्षेत्रों से लेकर केरल, तमिलनाडु और ओडिशा के मोनाजाइट-समृद्ध तटीय रेतों तक फैले हुए हैं।

फिर भी, यह भौगोलिक संपत्ति अधिकांश रूप से उपयोग नहीं की गई है, जो तकनीकी कमियों और पुराने ढांचों के कारण बंद पड़ी है। हालांकि, 2023 के बाद के नीति परिवर्तनों ने एक नया युग शुरू किया है।

''चन्नमल्लिकार्जुन बी. पटिल, जो संस्थापक हैं, कहते हैं। भारत ने नक्शा बनाने और प्रारंभिक अन्वेषण के मामले में अद्भुत काम किया है,'' देश का लगभग 95-98 प्रतिशत क्षेत्र इस सम्बन्ध में कवर किया गया है, इसके लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, मिनरल एक्सप्लोरेशन और कंसल्टेंसी लिमिटेड, और परमाणु खनिज निदेशालय जैसी संस्थाओं का धन्यवाद।''

यह आधारभूत कार्य भारत को खनिज विकास के अगले चरण में तेजी से प्रवेश करने की स्थिति में ला सकता है।

उन्होंने कहा, ''यह एक बहुत बुनियादी संकेतक है, और यह पर्याप्त डेटा प्रदान नहीं करता। दुनिया यह जानना चाहती है कि भारत के पास इन महत्वपूर्ण खनिजों में से वास्तव में

(शेष पृष्ठ 4 पर)

राजस्थान में 67 आरएएस अधिकारियों के तबादले

जयपुर, 25 अक्टूबर। राज्य सरकार ने शनिवार देर रात एक आदेश जारी कर 67 आरएएस अफसरों के तबादले कर दिए। इनमें से 24 को

- इनमें से 24 को एसडीएम लगाया गया है।

एसडीएम लगाया गया है। तबादला सूची में उन आरएएस अफसरों का नाम भी है, जो दो दिन पहले ही पदोन्नत हुए थे।

आदेश के अनुसार गजेन्द्र सिंह राठौड़ को सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर, भागचंद बधाल को जेडीए में अतिरिक्त आयुक्त, दिनेश कुमार शर्मा को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड में सचिव के पद पर लगाया गया है। गुंजन सोनी को संस्कृत विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार, संजय कुमार माथुर को एडीएम तृतीय जयपुर, नरेन्द्र कुमार वर्मा को अतिरिक्त कलक्टर जयपुर पूर्व के पद पर लगाया गया है।

राजस्थान में हार्डकोर अपराधियों और गैंग पर शिकंजा कसेगी पुलिस

गैंग संचालन, धमकी, वसूली, फायरिंग और मर्डर जैसे अपराधों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में सक्रिय संगठित आपराधिक गैंगों पर प्रभावी कार्यवाही के लिए शनिवार को राजस्थान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय में संगठित अपराधियों से अधिक प्रभावित जिलों व रेंजों के अधिकारियों की एक हाईलेवल बैठक आयोजित की गई। संबंधित पुलिस अधीक्षक, रेंज आईजी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस बैठक में शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य राज्य में सक्रिय आपराधिक गैंगों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना था। डीजीपी ने सभी जिलों को निर्देश दिए कि गैंग संचालन, धमकी, वसूली, फायरिंग और मर्डर जैसे गंभीर अपराधों में लिप्त तत्वों पर तुरंत प्रभावी कार्रवाई की जाए।

बैठक में एजीटीएफ प्रभारी दिनेश एम एन, एडीजी बीजू जॉर्ज जोसफ, जयपुर पुलिस कमीश्नर सचिन मित्तल, एडीजी अपराध शाखा हवा सिंह, एटीएस/एसओजी के अधिकारी, अपराध शाखा के अधिकारी, बीकानेर, अजमेर, जोधपुर रेंज के अधिकारी, जयपुर व जोधपुर कमिश्नरेट के अधिकारी, 15 जिलों के एसपी, इन रेंज व जिलों के डीएसटी व साइबर सेल के प्रभारी उपस्थित रहे।

डीजीपी ने कहा कि राजस्थान पुलिस संगठित अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। अपराधियों को हतोत्साहित करना और जनता में सुरक्षा की भावना बनाए रखना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य में प्रत्येक पुलिसकर्मी को पूरी क्षमता से काम करना होगा। इस दौरान उन्होंने राजस्थान पुलिस की हर अपराध तथा हर परिस्थिति का सामना करने और जनसुरक्षा की प्रतिबद्धता को भी उजागर किया।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय में संगठित अपराधियों से अधिक प्रभावित जिलों व रेंजों के अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई।

- **डी.जी.पी. राजीव शर्मा की अध्यक्षता में हुई वरिष्ठ अफसरों की बैठक**
- **संगठित अपराधों के खिलाफ राजस्थान पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर कर रही कार्यवाही : डीजीपी**

गोष्ठी में डीजीपी शर्मा ने स्पष्ट कहा कि अब कार्रवाई केवल अपराधियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे आपराधिक तंत्र को ध्वस्त किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्थान में संगठित आपराधिक गैंगों, जो धमकी देने, वसूली करने और भय फैलाने का काम करते हैं, उनका और उनके सदस्यों का चिह्नीकरण करते हुए कठोर एवं प्रभावी क़ानूनी कार्यवाही की जावें। उन्होंने गैंगों के सहायक,सोशल मीडिया पर फॉलो व प्रमोट करने वालों के विरुद्ध भी कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिलों एवं रेंजों के प्रभारियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में संगठित अपराधियों की जानकारी व उनको निष्क्रिय करने की कार्ययोजना प्रस्तुत की। डीजीपी ने कहा कि जिलों में गैंग के सक्रिय सदस्यों पर धारा 111 बीएनएस के तहत कार्यवाही की जाए, ताकि अपराधियों के हौसले पस्त हों। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधियों की सम्पत्ति जब्त करने, वित्तीय स्त्रोतों पर प्रहार करने और उनके सहयोगियों को भी कानूनी दायरे में लाने के लिए ठोस कार्य योजना बनाई जाए। उन्होंने समस्त राजस्थान पुलिस को टीम वर्क के रूप में कार्य करने, तकनीक पर जोर देने तथा परम्परागत तरीकों के साथ-साथ नवीन कार्यप्रणाली अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि चिह्नित अपराधियों और गैंगों के विरुद्ध समस्त सूचनाओं को आपस में साझा किया ताकि उन्हें जड़ से निष्क्रिय किया जा सके।

बैठक में फायरिंग व मर्डर से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। डीजीपी ने निर्देश दिए कि जिन मामलों में गिरफ्तारी शेष है, उन्हें प्राथमिकता से निपटाया जाए। फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाने और अदालतों में पेश चालान की स्थिति की भी रिपोर्ट मांगी गई। उन्होंने कहा कि जिलों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार कई स्थानों पर अपराधियों द्वारा धमकी भरे कॉल आने की शिकायतें मिली हैं। डीजीपी ने ऐसे मामलों में तकनीकी विश्लेषण कर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अपराधियों की धमकी या भय का वातावरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अपने अनुभव और कार्ययोजना साझा की। एडीजी दिनेश एम एनने गैंगों के सदस्यों, उनके द्वारा किए जाने वाले अपराधों की जानकारी तथा उनके विरुद्ध की जाने वाली कार्यवाही के बारे में विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। बीजू जॉर्ज जोसेफ ने प्रत्येक अपराधी का सिलसिलेवार पीछा करके उनको पकड़ने पर जोर दिया। हवासिंह ने पुराने अपराधों व अपराधियों का पीछा करने के लिए कार्ययोजना पर चर्चा की और समस्त गैंगों का सफाया करने का सुझाव दिया। सचिन मित्तल ने अपराधियों के रिकॉर्ड को ठीक से बनाने और उसे आपस में साझा करने पर बल दिया ताकि सूचनाओं के आदान प्रदान से प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जा सके। बैठक के अंत में सभी जिलों की अपराध स्थिति पर 15 मिनट की पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति दी गई, जिसमें गैंगवार, धमकी, वसूली और संगठित अपराध से संबंधित ताज़ा आंकड़े साझा किए गए।

पौने 2 साल में 210 अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही को मंजूरी

भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन की दिशा में भजनलाल सरकार का महत्वपूर्ण कदम

- **भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतने वालों पर राज्य सरकार ने दिखाई सख्ती**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में राजकीय कार्य के निष्पादन में लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं भ्रष्टाचार के दोषी कार्मिकों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है। राजकीय सेवाओं में अनुशासन और ईमानदारी के लिए सर्वोपरि स्थान सुनिश्चित करने के क्रम में राज्य सरकार द्वारा गत पौने दो वर्ष में कुल 210 कार्मिकों के विरुद्ध विभिन्न अनुशासनात्मक कार्यवाहियां की गई हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि अधिकारी-कर्मचारी सरकार के शासन तंत्र की मुख्य धुरी हैं, जिनकी जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में अहम भूमिका होती है। ऐसे में कार्मिक पूरे समर्पण भाव एवं सत्यनिष्ठा से काम करते हुए राज्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, ताकि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके।

राज्य सरकार ने 20 माह के कार्यकाल में आपराधिक प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए अखिल भारतीय सेवा एवं राज्य सेवा के 66 अधिकारियों को निलंबित किया है। इसी प्रकार, आपराधिक प्रकरणों में दोष सिद्ध पाए जाने पर 6 अधिकारियों को पदच्युत एवं 9 अधिकारियों के विरूद्ध आजीवन शत प्रतिशत पेंशन रोकने संबंधी कार्रवाई की है। राजकीय सेवाओं में ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा सुनिश्चित करने के क्रम में राज्य सरकार ने 20 माह के कार्यकाल में ही 98 कार्मिकों के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति प्रदान की है।

वहीं, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 2018 की धारा 17ए के तहत कुल 31 प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया है।

देवनानी ने की मुख्यमंत्री से भेंट

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। देवनानी ने मुख्यमंत्री शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर शीघ्र स्वस्थ होने के लिए शुभकामनाएं दो। देवनानी ने मुख्यमंत्री से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। देवनानी ने मुख्यमंत्री को दीपावली पर्व की बधाई भी दी। देवनानी और मुख्यमंत्री की एक घंटे से अधिक समय की मुलाकात में राज्य के विकास कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों, योजनाओं और राजस्थान विधानसभा के संबंध में चर्चा हुई।

लोक आस्था, अनुशासन और आत्मसंयम के प्रतीक ''डाला छठ'' महापर्व का शनिवार को श्रद्धा-भक्ति के साथ शुभारंभ हो गया है। इस महापर्व पर अपने घर लौटने वाले बिहारी समाज के लोगों की शनिवार को जयपुर रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ रही।

कैफे की आड़ में चल रहे हुक्का बार पर छापा

जयपुर। अशोक नगर थाना इलाके में पुलिस ने कैफे एडं रेस्टोरेंट की आड़ में चल रहे हुक्का बार पर कार्रवाई करते हुए नौ युवाओं के चालान काटे और कैफे संचालक को अरेस्ट कर भारी मात्रा में हुक्का,पाइप, फ्लवेर डिब्बे बरामद किये गए है।

- **पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध हुक्का सामग्री बरामद की**

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि शनिवार को इलाके में चल रहे अवैध हुक्का बार के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया था।

जिसमें पुलिस की विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना पर अशोक नगर थाना इलाके में संचालित ब्लू जयपुर कैफे एण्ड रेस्टोरेंट अशोक मार्ग, स्कीम पर छापामार संचालक आशीष यादव (25)निवासी गोपालपुरा अजीतगढ सवाई माधोपुर जिला सीकर हाल ब्लू जयपुर कैफे एण्ड रेस्टोरेंट अशोक मार्ग ,सी स्कीम निवासी को अवैध रूप से 9 लोगों को हुक्का पिलाते हुए गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बार में मिले नौ लोगों पर 18 सौ रुपए का जुर्माना लगाया।

''मन की बात'' कार्यक्रम आज

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि रविवार 26 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनप्रेरक संवाद कार्यक्रम मन की बात का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विचारों, राष्ट्रिनर्माण के संदेशों और जनसरोकारों को कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों तक पहुँचाना है। पारीक ने बताया कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों के साथ आत्मीय संवाद का माध्यम है, जो जनता को राष्ट्रिहत के कार्यों से जोड़ता है।

अंता विधानसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा की बैठक

जयपुर। अंता विधानसभा उपचुनाव के मध्यनज़र भारतीय जनता पार्टी के मीडिया, सोशल मीडिया एवं आईटी विभाग की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में उपचुनाव के दौरान पार्टी की प्रचार रणनीति, जनसंदेश अभियान, मीडिया समन्वय एवं सोशल मीडिया की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश मीडिया, सोशल मीडिया व आईटी विभाग प्रभारी एवं प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल ने की। पोरवाल ने बताया कि पार्टी संगठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकास, सुशासन और पारदर्शिता के संदेश को जनता तक पहुंचाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। भाजपा प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल ने बताया कि भाजपा की मीडिया और आईटी टीम अंता उपचुनाव में पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेगी। वहीं बूथ स्तर तक डिजिटल नेटवर्क को मज़बूत करते हुए जनता के सीधे संवाद को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से विपक्ष के भ्रामक प्रचार का तथ्यात्मक उत्तर देने की रणनीति भी तय की गई। बैठक में प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, सोशल मीडिया संयोजक हीरेंद्र कौशिक, आईटी संयोजक अविनाश जोशी ने अपने विभाग के कार्य, रूप रेखा और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की। भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने बताया कि भाजपा के कार्यकर्ता घर-घर जाकर केंद्र और राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जनता तक पहुँचाएंगे और अंता उपचुनाव में पार्टी की ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित करेंगे।

जेडीए ने सरकारी जमीन से हटाया अतिक्रमण

जयपुर। जेडीए की टीम ने गुर्जर की थड़ी स्थित प्रेम नगर द्वितीय में सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया। यहां अतिक्रमियों ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके गेट, दो चारदीवारी, टीनशेडनुमा कमरा और दीवार बना रखी थी। उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देश पर जेडीए की प्रतर्वन टीम ने यहां कार्रवाई की। इसी प्रकार सीकर रोड औश्र दिल्ली बाईपास से सेटे ग्राम लक्ष्मीनारायणपुरा अखैपुरा में खसरा नं. 51 की करीब 2 बीघा निजी खातेदारी की कृषि भूमि पर बसाई जा रही अवैध कॉलोनी ''वेयर हाऊस'' को भी ध्वस्त किया। उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी ने बताया कि जेडीए प्रशासन ने वर्ष 2024 में 383 तथा वर्ष 2025 में 316 कार्रवाई करते हुए करीब 700 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया है।

राजेन्द्र भाणावत की पुस्तक ''ए व्यू फ्राम विदिन'' एक प्रशासक की जनसेवा का दस्तावेज : डी. आर. मेहता

जयपुर। लेखक, कवि-सम्पादक राजेन्द्र भाणावत की पुस्तक ''ए व्यू फ्राम विदिन'' का लोकार्पण राजस्थान प्रौढ शिक्षा समिति के सभागार में आयोजित हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पद्मभूषण सम्मानित डी. आर. मेहता ने कहा कि राजेन्द्र भाणावत की यह पुस्तक उनके भारतीय प्रशासनिक सेवा में रहते हुए अनुभवों का ऐसा जीवन्त दस्तावेज है जो ईमानदारी से की गई जन सेवा के, वंचित वर्ग की सहायता के सौद्देश्य उ दाहरणों का केन्द्र बिन्दु है। सबसे पहले पुस्तक लेखक राजेन्द्र भाणावत ने सभी आगंतुकों का भाव भीना स्वागत किया।

पुस्तक पर बोलते हुए डा. रमेश अरोड़ा ने कहा कि यह पुस्तक आने वाले युवा प्रशासनिक अधिकारियों का मार्ग प्रशस्त करेगी। इस अवसर बोलते हुए पूर्व वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एन.एस.सिसोदिया ने कहा कि भाणावत ने ईमानदारी से काम करते हुए बार- बार कार्यकाल से बीच में ही तबादले भी झेले, लेकिन वे अपने लक्ष्य से डिगे नहीं।

वरिष्ठ चिन्तक और लेखक आई सी श्रीवास्तव ने कहा कि अपने अनुभवों को याद करते हुए कहा कि हम जब भी आम आदमी के लिए बिना सिफारिश के काम करते हैं तो एप्रोच वाले लोगों को तकलीफ़ होती है। नतीजतन ,राजनीतिक हस्तक्षेप और नेताओं की नाराज़गी झेलना ही पड़ती है। परिणामस्वरूप उपहार में तबादले दर तबादले मिलते हैं। लेकिन, यह संतोष का विषय है कि भाणावत जी ने अपने उसूलों से समझौता नहीं किया और जहां रहे अपने काम की छाप छोड़ी। पूर्व कुलपति और शिक्षाविद डा. अशोक कुमार ने भाणावत जी के राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रों के हित में लिए निर्णयों को याद किया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ दुर्गा प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि आम तौर पर प्रशासनिक अधिकारियों की लोक छवि बहुत दूषित है, लेकिन राजेन्द्र भाणावत इसके ठीक विपरीत एक आदर्श उदाहरण हैं। भाणावत ने अपनी पुस्तक में जो अनुभव लिखें है, वे आत्मप्रशंसा से मुक्त रह कर लिखने में सफल रहे हैं। मीनाक्षी हूजा ने कहा कि यह एक अद्वितीय लेखन है जो वर्तमान के अंधकारमय समय में एक प्रकाश स्तंभ की तरह है।

पूर्व आईएएस, एस.एस.बिस्सा ने कहा कि भाणावत जी कि पुस्तक उनके लेखकीय व्यक्तित्व को पुख्ता ढंग से उजागर करती है। वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र मोहन शर्मा ने बताया कि भाणावत साहब ने सकारात्मक जन आंदोलनों को गति दी थी। उसी का नतीजा था कि आपके कार्यकाल में राजस्थान ने साक्षरता के क्षेत्र में लम्बी छलांग लगाई कर देश में नाम रोशन किया था। सोशल एक्टिविस्ट कविता श्रीवास्तव ने कहा कि भाणावत जी सहजता की प्रतिमूर्ति रहे हैं। इसी लिए मैंने आम आदमी को आपके पास सहजता से आते और समाधान पाते देखा है। वरिष्ठ पत्रकार और लेखक सन्नी सबेस्टियन ने कहा कि यह पुस्तक मेरी पसंदीदा पुस्तक है क्योंकि यह आम लोगों के हित में काम करने का रास्ता साफ साफ दिखाती है और काम करने वालों को हौसला देती है। प्रोफेसर लाड़ कुमारी जैन ने कहा कि भाणावत साहब उन सरल सहज लोगों में हैं जो हमेशा ही सफलता का श्रेय अपने साथियों को देकर प्रसन्न होते हैं। कार्यक्रम का संचालन समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र बोड़ा ने किया। समारोह की अध्यक्षता न्यायमूर्ति पानाचन्द जैन ने करते हुए कहा कि महात्मा कितना ही बड़ा हो यदि उसके आचरण में शुचिता नहीं है तो सब व्यर्थ है, और भाणावत साहब इसकी प्रतिमूर्ति हैं।अन्त में श्रीमती अनिता भाणावत ने सभी का समारोह में शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया।

पूर्व आई.ए.एस. राजेन्द्र भाणावत की पुस्तक ''ए व्यू फ्रॉम विदिन'' का लोकार्पण पद्म भूषण डॉ. डी.आर.मेहता ने किया।

युवक की हत्या कर शव पार्क के बाहर फेंकने वाले दो हत्यारे गिरफ्तार

खुली मजदूरी को लेकर विवाद चल रहा था, नशे का मिश्रित इंजेक्शन लगाने से हुई थी मौत

जयपुर। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक की हत्या कर शव को पार्क के बाहर डालने वाले दो हत्यारे को गिरफ्तार किया है। वहीं गिरफ्तार दोनों हत्यारे मृतक के दोस्त थे। इन के बीच में खुली मजदूरी को लेकर विवाद चल रहा था जिस के चलते आरोपियों ने मृतक को नशे का मिश्रित इंजेक्शन दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद दोनों हत्यारे ने लाश को ठिकाने लगाने के लिए लाश को स्कूटी से विद्याधर नगर स्थित एक पार्क के बाहर डाल दिया। पुलिस को मामला ओवर डोज का लगे इस लिए शव के पास नशे के इंजेक्शन डाल दिये।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि विद्याधर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक भवानी सिंह (32) निवासी दांतारामगढ़ जिला सीकर की हत्या कर शव को पार्क के बाहर डालने वाले हत्यारे नवीन कुमार डंगोरिया निवासी सदर जयपुर और अजय स्वामी निवासी शास्त्रीनगर जयपुर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक भवानी सिंह हत्यारे नवीन और अजय का दोस्त था। ये लोग रेल्वे स्टेशन जयपुर के पास मजदूरी करते है। मृतक भवानी सिंह एवं नवीन कुमार डंगोरिया आपस में एक दूसरे के दोस्त हैं। दोनों के बीच खुली मजदूरी को लेकर रंजिश चल रही थी। 19 अक्टूबर की रात को मृतक भवानी सिंह बड़ोदिया बस्ती में मेट्रो रेल की खाली जगह में अकेला बैठा था। जिसको नवीन कुमार ने देख लिया एवं भवानी सिंह के पास जाकर खुद के पास एक नशे की अनुभूति कराने वाला इंजेक्शन होना बताया और भवानी सिंह को नशे के मिश्रित पदार्थ का इंजेक्शन लगा दिया। जिस से भवानी सिंह की मृत्यु हो गई। मौके पर आरोपी नवीन को आसपास के लोगों ने देख लिया। जिस पर आरोपी ने भवानी सिंह की लाश को ठिकाने लगाने के लिए रेलवे स्टेशन के आसपास काम करने वाले अपने परिचित अजय स्वामी को बुला कर लाया तथा दोनों ने डैड बॉडी को उठाकर मेट्रो रेल की खाली जगह की चारदीवारी पर पटका व मृतक की लाश को दीवार के दूसरी तरफ गली की तरफ पटक कर नवीन ने अपनी स्कूटी की शीट पर उसे रखा जिसे अजय स्वामी ने शीट पर पीछे बैठकर पकड लिया तथा नवीन कुमार स्कूटी चलाकर चौमू पुलिया होते हुए अम्बाबाड़ी शॉपिंग सेंटर के पास आये तथा आशाराम बापू पार्क के गेट पर स्कूटी को रोककर मृतक भवानी सिंह के लाश को पटक कर फरार हो गये।थानाधिकारी नरेन्द्र खीचड ने बताया कि 20 अक्टूबर विद्याधर नगर स्थित अम्बाबाड़ी शॉपिंग सेन्टर के पास अम्बिका गैस के सामने पार्क के गेट पर एक नौजवान युवक की लाश पड़ी है। मौके पर जाकर देखा तो अम्बाबाड़ी शॉपिंग सेंटर के पास आशाराम बापू पार्क के गेट के पास अम्बिका गैस सर्विस के सामने एक व्यक्ति की लाश उल्टी पड़ी हुई थी, मृतक की हथेली पर एक सीरीज एवं पास में एविल दवा (इंजेक्शन) की शीशी पड़ी हुई थी. मृतक की बाई आंख के ऊपर की तरफ ललाट पर चोट का निशान था। जहां मृतक की पहचान भवानी सिंह (32) निवासी दांतारामगढ़ जिला सीकर के रूप में हुई। पुलिस टीम ने बारीकी से जांच करने के लिए आसपास लगे हुए सीसीटीवी फुटेज चेक किये। जिस से पता चला कि 19 अक्टूबर की रात स्कूटी सवार दो व्यक्ति मृतक की लाश को स्कूटी की सीट पर बीच में रख कर पकड़ कर लाते हुए अम्बाबाडी पार्क के गेट पर सुनसान जगह पर पटक कर स्कूटी से फरार हो गए हैं। बदमाशों की पहचान करने के लिए आने वाले रास्तों तथा लाश को डालकर फरार होने के रास्ते के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को आधार बना कर रूट चार्ट तैयार किया गया। जिसके बाद पुलिस ने हत्या की वारदात करने वाले मुख्य आरोपी नवीन कुमार और सहआरोपी अजय स्वामी को पकडा।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने किया पदभार ग्रहण

आमजन की समस्याओं का समाधान पुलिस थानों पर ही हो जाए, उन्हें कमिश्नरेट या मुख्यालय ना जाना पड़े : मित्तल

जयपुर (कासं)। भारतीय पुलिस सेवा के वर्ष 1996 बैच के अधिकारी सचिन मित्तल ने शनिवार को जयपुर पुलिस कमिश्नर के पद का पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने उन्हें कार्यभार सौंपा।

पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि वह और आगे मजबूती से काम करेंगे, आदर्श स्थिति में लोगों की समस्या का समाधान थानो स्तर पर हो जाए एवं इमरजेंसी में 100 या 112 पर हो जाए। कानून व्यवस्था एवं अपराधों पर नियंत्रण तथा यातायात की सुचारू व्यवस्था की जायेगी। असहाय एवं पीड़ितों की संवेदनशीलता के साथ त्वरित सुनवाई की जायेगी।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने इसके अलावा क्राइम कंट्रोल उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। किसी भी प्रकार का अपराध होने पर तत्काल टीम को रेस्पोंड करना होगा, समय पर अगर पुलिस क्राइम सीन पर पहुंच जाती है और उस पर काम करना शुरू हो जाता है तो केस के खुलने के चांस ज्यादा हो जाते हैं। इसके लिए टीम क्राइम होने पर तत्काल मौके पर पहुंच कर उस पर काम करना शुरू करे।

वहीं साइबर क्राइम एक बड़ी चुनौती है, जिस पर हर प्रकार से काबू पाना जरूरी है। इसलिए हमारा संकल्प रहेगा की लोग साइबर क्राइम से बचें, इस के लिए जागरूकता बहुत जरूरी है। समय-समय पर इसे लेकर कार्यक्रम भी आयोजित कराए जाएंगे। किसी भी प्रकार का अपराध होने पर पीड़ित को कमिश्नरेट कार्यालय या पुलिस मुख्यालय जाने की जरूरत नहीं हो, इस का प्रयास रहेगा। थानों में ही लोगों को पूरी मदद मिले, इसका पूरा प्रयास रहेगा।

इससे पहले जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कार्मिक, राजस्थान जयपुर के पद पर पदस्थापित थे। मित्तल पुलिस कमिश्नर जोधपुर तथा जोधपुर रेंज में पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक एसीबी, आर्म्ड बटालियन, जेल,

भारतीय पुलिस सेवा के वर्ष 1996 बैच के अधिकारी सचिन मित्तल ने शनिवार को जयपुर पुलिस कमिश्नर के पद का पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने उन्हें कार्यभार सौंपा। फोटो-राष्ट्रदूत

■ **क्राइम कंट्रोल पहली प्राथमिकता रहेगी : कमिश्नर**

महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय राजस्थान एवं अतिरिक्त महानिदेशक (भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड) राजस्थान जयपुर के पद पर अपनी सेवाएं दी। इसके अलावा पुलिस कमिश्नरेट जयपुर में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (द्वितीय) के पद पर रहे है। मित्तल ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों के साथ मीटिंग की।

पुलिस कमिश्नरेट जयपुर में स्पेशल पुलिस कमिश्नर (ऑपरेशन्स) के पद पर राहुल प्रकाश ने भी पदभार ग्रहण कर लिया। राहुल प्रकाश महानिरीक्षक जयपुर रेंज के पद से स्थानान्तरित होकर आये है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रथम मनीष अग्रवाल, द्वितीय राजीव पचार यातायात एवं प्रशासन योगेश दाधीच, पुलिस उपायुक्त पूर्व संजीव नैन, पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा, उत्तर करण शर्मा, दक्षिण राजर्षि, यातायात सुमित मेहरडा, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) राजेश कांवत, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त शिल्पा चौधरी सहित पुलिस अधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

सेंट्रल जेल में फिर मिला मोबाइल

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल में एक बार फिर से मोबाइल बरामद होने का मामला सामने आया है। जहां जेल प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे आकस्मिक तलाशी अभियान में वार्ड नंबर 9 से मोबाइल बिना सिम कार्ड के लावारिस हालात में मिला हैं। इस बरामदगी के बाद जेल प्रशासन की ओर से लाल कोठी थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल किशन सिंह ने बताया कि जेल प्रहरी महेन्द्र कुमार बराला ने थाने में मामला दर्ज करवाया गया है कि केंद्रीय कारागार के वार्ड नंबर नौ में आकस्मिक तलाशी अभियान चलाया गया। जहां तलाशी के दौरान वार्ड से एक एंड्रॉयड मोबाइल वीवो कंपनी बिना सिम के लावारिस हालत में मिला। पुलिस ने जेल प्रशासन की ओर से मोबाइल मिलने के बाद मुकदमा दर्ज करवाया गया है। पुलिस की ओर से यह जांच की जा रही है कि मोबाइल जेल तक कैसे पहुंचा और इसका उपयोग कौन कर रहा था।

महिला ने 13वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

■ **महिला मुंबई से अपने चचेरे देवर के मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। पुलिस ने क्षत-विक्षत शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है, साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है।**

जयपुर। मुहाना थाना इलाके में शनिवार की दोपहर को एक महिला ने 13वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। महिला मुंबई से अपने चचेरे देवर के मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। पुलिस ने क्षत-विक्षत शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवा कर मामले की जांच में जुटी है। रविवार को महिला का पोस्टमार्टम शव परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा।

थानाधिकारी गुरु भूपेंद्र ने बताया कि मृतका की पहचान सीमा शर्मा (53) निवासी मुम्बई के रूप में हुई और उसके पति अनिल शर्मा वहां व्यापार करते हैं। दंपती का एक बेटा भी है। सीमा अपने चचेरे देवर अमित शर्मा के यहां आयोजित एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुम्बई से जयपुर के मुहाना थाना इलाके में स्थित मंगलम आनंदा आई थीं। यह कार्यक्रम मंगलम आनंदा के पास स्थित लोटस बिल्डिंग के कम्युनिटी हॉल में आयोजित किया जा रहा था।

शनिवार दोपहर कार्यक्रम के बीच में सीमा अचानक अपने मोबाइल पर बात करते हुए हॉल से बाहर निकलीं। वह पास ही स्थित मंगलम आनंदा टाउनशिप की 13वीं मंजिल पर पहुंचीं और वहां से छलांग लगा दी। ऊंचाई से गिरने के कारण उनका शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया और उनके मोबाइल फोन के भी कई टुकड़े हो गए। प्रारंभिक जांच में किसी अन्य व्यक्ति की मौजूदगी या हत्या की आशंका के कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है और सीमा के मोबाइल फोन को जब्त कर लिया है ताकि उनकी आखिरी कॉल और मैसेज की डिटेल्स का पता लगाया जा सके। फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। वहीं प्रारंभिक जांच में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही किसी तरह की शिकायत थाने में दर्ज की गई है। थानाधिकारी गुरु भूपेंद्र ने बताया कि सीमा के पति अनिल शर्मा को घटना की सूचना दे दी गई है और वे रविवार की सुबह फ्लाइट से जयपुर पहुंचेंगे। उनके आने के बाद पूछताछ और मोबाइल डेटा की जांच के आधार पर पुलिस मामले की तह तक जाने की कोशिश करेगी।

श्रद्धा और भक्ति के साथ डाला छठ महापर्व शुरू

जयपुर। लोक आस्था, अनुशासन और आत्मसंयम का प्रतीक डाला छठ महापर्व शनिवार से श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में आरंभ हुआ। पहले दिन नहाय-खाय के अवसर पर राजधानी के विभिन्न इलाकों में पूर्वांचल की परंपरा और आस्था का संगम देखने को मिला।

सुबह से ही व्रती महिलाएं स्नान कर परिवारजनों के साथ पवित्रता और विधि-विधान से तैयार लौकी-भात का सात्विक भोजन किया। घरों में धूप-दीप की सुगंध और लोकगीतों की मधुर गूंज ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों ने एक साथ मिलकर पर्व की शुरुआत हर्षोल्लास से की। शाम तक जयपुर के मोहल्लों, गलियों और कॉलोनियों में कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए जैसे पारंपरिक गीतों की ध्वनि गूंजती रही।

बिहार समाज संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुरेश पंडित ने बताया कि रविवार को खरना के साथ 36 घंटे के निर्जला व्रत का आरंभ होगा, जिसमें व्रती महिलाएं सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की दीर्घायु की कामना करेंगी। छठ पर्व को लेकर जयपुर में उत्सव जैसा माहौल है। मुख्य आयोजन गलता तीर्थ में होगा। बिहार, झारखंड और पूर्वांचल के प्रवासी परिवारों के लिए नगर निगम और स्थानीय समितियों ने कई जगह अस्थायी घाटों को सजाया है। जयसिंहपुरा खोर, आमेर, विश्वकर्मा, शास्त्रीनगर, कानोता, सीकर रोड, नांगल जैसा बोहरा, प्रतापनगर, मालवीयनगर, मुरलीपुरा गणेश वाटिका, किशनबाग, निवारू रोड, माचवा रॉयल सिटी, बाइस गोदाम और गलता तीर्थ सहित शहरभर के घाटों पर रंगीन झालरों, फूलों और दीयों से साज-सज्जा की गई है।

हरिपुरा स्थित माता अहिल्या बाई होलकर उद्यान में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश और सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने छठ व्रतियों से आशीर्वाद लिया। माहौल में एक ओर पूर्वांचल की परंपरागत खुशबू थी तो दूसरी ओर जयपुर की सांस्कृतिक विविधता का रंग झलक रहा था।

बिहार समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन शर्मा और महामंत्री चंदन कुमार ने बताया कि प्रमुख आयोजन गलता तीर्थ, एनबीसी दुर्गा विस्तार कॉलोनी, आमेर मावठा, मुरलीपुरा गणेश वाटिका, किशनबाग और प्रतापनगर में होंगे, जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु एकत्र होंगे।

सार-समाचार

लालचंद यादव बने प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान अकाउंटेंट एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष, सभाध्यक्ष, उपसभाध्यक्ष एवम सभासचिव पद के लिए 25 अक्टूबर को को कृषि अनुसंधान केंद्र दुर्गापुरा जयपुर में चुनाव सम्पन्न हुए। निर्वाचन अधिकारी ललित कुमार नागरवाल ने बताया कि चुनाव में राजस्थान के सभी जिलाध्यक्ष एव प्रांतीय प्रतिनिधियों द्वारा मतदान किया गया, जिसमे कुल 280 मतदाताओं में से 266 मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। प्रदेश अध्यक्ष पद हेतु लालचंद यादव सहायक लेखाधिकारी प्रथम कुल 107 मत प्राप्त कर विजयी हुए। सभाध्यक्ष पद हेतु श्री गिरिराज मीना सहायक लेखाधिकारी प्रथम, उपसभाध्यक्ष पद हेतु श्रीमती ज्योति वर्मा सहायक लेखाधिकारी द्वितीय एव सभा सचिव पद हेतु श्री देवराज मीना कनिष्ठ लेखाकार विजयी हुए।

क्षेत्रीय अभ्यास वर्ग का शुभारंभ

जयपुर। विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित क्षेत्रीय अभ्यास वर्ग, राजस्थान का शुभारंभ 25 अक्टूबर को प्रातः सेवाधाम परिसर जवाहर नगर, जयपुर में हुआ। यह अभ्यास वर्ग कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से पंचमी तक, दो दिवसीय आयोजन के रूप में संपन्न होगा, जिसमें प्रदेशभर के महाविद्यालयों से शिक्षाविद्, प्राचार्य एवं सेवानिवृत्त आचार्यों की सहभागिता रहेगी। उद्घाटन सत्र का शुभारंभ के. रघुनंदन की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर डॉ. अल्पना कटेजा, कुलपति, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर सारगर्भित उद्बोधन दिया। पहले सत्र में के. रघुनंदन ने 'विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान का भारत की शिक्षा में योगदान' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण है। दोपहर के सत्र में डॉ. राजेश व्यास, संयोजक, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, गुजरात ने 'भारतीय शिक्षा दर्शन एवं शिक्षक की भूमिका' विषय पर वक्तव्य दिया। उन्होंने शिक्षकों से भारतीय दृष्टिकोण के अनुरूप समग्र शिक्षा पद्धति को अपनाने का आव्हान किया। सायंकालीन सत्र में डॉ. संजय शर्मा ने ''वैश्विक सततता विमर्श में भारत : भारतीय ज्ञान परंपरा में पर्यावरणीय प्रज्ञा'' विषय पर प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने भारतीय पारंपरिक ज्ञान में निहित पर्यावरणीय संतुलन की अवधारणा को आधुनिक सतत विकास के सन्दर्भ में व्याख्यायित किया।

गांजा तस्करी में लिप्त महिला गिरफ्तार

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी करने वाली एक महिला तस्कर को पकडा है और उसके पास से 360 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा और ब्रिकी राशि 2 हजार 350 रुपये भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपी महिला तस्कर से पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी करने वाली 33 वर्षीय लक्ष्मी सांसी निवासी दातारामगढ जिला सीकर हाल वेदपुरी कॉलोनी ट्रांसपोर्ट नगर जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से 360 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा और ब्रिकी राशि 2 हजार 350 रुपये जब्त किया है। पुलिस आरोपित महिला तस्कर से अवैध मादक पदार्थ गांजा की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

गोविंददेवजी दर्शन के साथ रखेंगे व्रत

जयपुर। सूर्य उपासना का महापर्व डाला छठ रविवार को आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में भी भक्ति भाव से मनाया जाएगा। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सुबह नौ से ग्यारह बजे तक सूर्य गायत्री महायज्ञ और सामूहिक सूर्य अर्घ्यदान का आयोजन होगा। युग तीर्थ शांतिकुंज, हरिद्वार की गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की टोली विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराएंगी। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि आयोजन पूर्णतया: निशुल्क है। हवन सामग्री और पूजन सामग्री निशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि डाला छठ महोत्सव के शुभारंभ के दूसरे दिन रविवार को श्रद्धालु खरना का व्रत रखेंगे। यह व्रत श्रद्धालु ठाकुर श्री राधा गोविंद देवजी के दर्शन कर रखेंगे। सूर्य भगवान की कृपा प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु सूर्य गायत्री मंत्र के साथ आहुतियां अर्पित करेंगे। यज्ञ के बाद गंगा जल सहित विभिन्न पवित्र नदियों के जल से सामूहिक सूर्य अघ्र्यदान दिया जाएगा। इस मौके पर डाला छठ महोत्सव का आयोजन करने वाली समितियों के पदाधिकारियों का सम्मान भी किया जाएगा। डाला छठ के दिन उदित होते सूर्य को अघ्र्य देने के लिए श्रद्धालुओं को सामग्री का नि: शुल्क वितरण किया जाएगा। गायत्री चालीसा एवं सत्संकल्प पत्र का नि: शुल्क वितरण किया जाएगा। गायत्री परिवार राजस्थान के मुख्य ट्रस्टी ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि गायत्री परिवार सभी समाजों को साथ लेकर त्योहार और पर्व मनाता आया है। आपसी एकता और समरसता के लिए यह आयोजन रखा गया है।

टेलीग्राम पर बने दोस्त ने युवक को लूटा

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना इलाके में अपहरण कर एक युवक से लूटपाट करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि टेलीग्राम पर बने दोस्त ने उसे मिलने के बहाने बुलाया था। इसके बाद मारपीट कर सामान छीन बदमाशों ने पचास हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर लूट फरार हो गए। इस संबंध में थाने में पीड़ित युवक ने आरोपित टेलीग्राम दोस्त के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि ब्रह्मपुरी इलाके के रहने वाले मुकेश कुमार ने मामला दर्ज करवाया है कि कुछ दिनों पहले टेलीग्राम पर उसकी बातचीत एक अनजान लड़के से हुई थी। बातचीत करने पर अच्छे दोस्त बन गए। टेलीग्राम दोस्त ने मिलने के बहाने मुकेश को रामगढ़ मोड बुलाया। मिलने पहुंचने पर अपने साथियों के साथ मिलकर कार में डालकर अपहरण कर चलती कार में उसके साथ मारपीट कर उसका सामान छीन लिया।

जयपुर के कलाकारों ने विदेशी धरती पर गाया ''केसरिया बालम पधारो म्हारे देश''

लोक नृत्य समूह ''बालम छोटो सा सरदार राणा ग्रुप'' ने किया सेशेल्स के 'क्रेओस फेस्टिवल' में परफॉर्म

जयपुर। राजस्थान की लोक-संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठा दिलाने वाले बालम छोटो सो सरदार राणा ग्रुप ने अफ्रीकी देश सेशेल्स में आयोजित वार्षिक 'क्रेओल फेस्टिवल' में अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जयपुर के इस राजस्थानी लोक नृत्य समूह ने सेशेल्स सरकार के आमंत्रण और आईसीसीआर, (भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद दिल्ली के सहयोग से 24 से 27 अक्टूबर तक आयोजित इस उत्सव में भाग लेते हुए राजस्थान की समृद्ध लोक-संस्कृति और परंपरागत नृत्य शैलियों का सुंदर प्रदर्शन किया।

ग्रुप के प्रमुख सरदार राणा ने बताया कि शुक्रवार को कलाकारों ने कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना के साथ की जिसके बाद 'केसरिया बालम पधारो म्हारे देस' गीत से सभी का स्वागत किया। इसके बाद 'निंबूड़ा-निंबूड़ा', घूमर नृत्य, चरी नृत्य, ग्रामीण भवाई और प्रसिद्ध 'बालम छोटो सो' लोक नृत्य की प्रस्तुति से विदेश में राजस्थानी संस्कृति के रंग घोल दिए। इस बेहतरीन प्रस्तुति पर तालियों की गूंज और विदेशी दर्शकों की प्रशंसा से पूरा वातावरण लोक-संगीत से सराबोर हो गया। उन्होंने बताया कि इस सांस्कृतिक यात्रा में मूंग राम, राजू राणा, गजानंद राणा, गिर्राज राणा, चांदनी सपेरा, दीपिका सपेरा, जसोदा सपेरा, विमल सपेरा और पुखराज राणा बतौर साथी कलाकार शामिल हैं। ग्रुप का विदेश दौरा सेशेल्स के बाद मलावी पहुंचेगा और यह अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक दौरा 27 अक्टूबर तक जारी रहेगा।

गौरतलब है कि बालम छोटो सा सरदार राणा ग्रुप 2005 में स्विट्ज़रलैंड, 2006 में पेरिस, 2016 में इंग्लैंड में भी प्रदर्शन कर चुका है। अब 2025 में एक बार फिर यह कलाकार मंडली राजस्थान की लोक-संस्कृति को विश्व मंच पर नई ऊंचाई दे रही यह ग्रुप पिछले तीन दशकों से राजस्थान की लोकनृत्य और संगीत परंपरा को विश्व स्तर पर प्रस्तुत करता आ रहा है।

ज्ञात रहे कि अफ्रीकी द्वीप देश सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया में हर वर्ष आयोजित यह उत्सव क्रेओल संस्कृति का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है, जिसमें विभिन्न देशों के कलाकार अपनी परंपरागत प्रस्तुतियां देते हैं। इस वर्ष भारत की ओर से बालम छोटो सो सरदार राणा ग्रुप ने मंच संभाला।

राजस्थानी लोक कलाकारों ने अफ्रीकी देश सेशेल्स में आयोजित वार्षिक 'क्रेओल फेस्टिवल' में अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी।

भूमि धोखाधड़ी से जुड़े मामले में दो आरोपियों को जमानत नहीं

जयपुर। एससी, एसटी मामलों की विशेष अदालत महानगर द्वितीय ने भूमि धोखाधड़ी से जुडे मामले में आरोपी रघुवीर सिंह और हनुमान प्रसाद शर्मा को राहत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने दोनों आरोपियों की ओर से पेश जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज किया है। पीठासीन अधिकारी राजेन्द्र सिंह ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में भूमि संबंधित मामलों में व्यापक स्तर पर धोखाधडी की घटनाएं हो रही हैं। यदि ऐसे में आरोपियों को जमानत का लाभ दिया गया तो इससे समाज में गलत संदेश जाएगा। पीडित पक्ष के अधिवक्ता कृष्ण कुमार पारीक ने बताया कि परिवादी आनंद प्रकाश ने इस्तगासे के जरिए बनीपार्क थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसके पिता ने सितंबर, 2003 को अपनी जेडीए से जुडे काम को लेकर करीब छह हैक्टेयर जमीन की पंजीकृत पावर ऑफ अटॉर्नी तीन साल के लिए रघुवीर सिंह के नाम बनाई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि साल 2009 में रघुवीर ने फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी बनाकर जेडीए से संबंधित भूमि के पट्टे बनवा लिए। वहीं आरोपी हनुमान प्रसाद ने बतौर गवाह इस पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद इन पट्टों के जरिए जमीन का बेचान कर दिया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

सोडाला में चलती कार में शॉर्ट सर्किट से आग

जयपुर। सोडाला थाना इलाके में शुक्रवार देर रात करीब साढ़े दस बजे शॉर्ट सर्किट से चलती कार में आग लग गई। बोनट से धुआं निकलता देख कार चालक ने कार से साइड में रोका और कूद कर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते आग ने कार को पूरी तरह से कार को अपने आग्रोश में ले लिया। जिसके बाद राहगीरों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग ने बीस मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कार में आग लगने से यातायात जाम हो गया और लोग मौके पर वीडियो बनाते हुए नजर आए। थानाधिकारी बलवीर सिंह कस्बा ने बताया कि शुक्रवार देर रात एक कार अंबेडकर सर्किल से भारज जोड़ो सेतु मार्ग होते हुए सोडाला जा रहीं थी। तभी अचानक से कार में धुंआ निकलने लगा। कार चालक ने कार को साइड में रोका तो आग ने विकराल रुप धारण कर लिया। कार चालक की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग ने बीस मिनट की कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कार में सीएनजी किट लगा हुआ था। लेकिन गनीमत ये रहीं की उसमें गैस नहीं थी। जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। पुलिस आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता करने में जुटी हुई है।

पटाखे चलाने की बात को लेकर हुआ झगड़ा

गुस्साए युवक ने पडौसी की अंगुली चबा डाली

जयपुर। विद्यायकपुरी थाना इलाके में दो पडौसियों ने पटाखे चलाने की बात को लेकर विवाद हो गया और देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। तभी गुस्साए युवक ने पडौसी की अंगुली चबा डाली और आधा इंच अंगुली खाने के बाद पानी की सहायत से उसे गटग गया। चीख-पुकार की आवाज सुन पडौसी और परिजनों ने जैसे तैसे नरबख्शी युवक ने पीड़ित को छुडवाया और उपचार के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया।

बताया जा रहा है की विनोबा कॉलोनी निवासी भगवान सहाय शनिवार को घर के पास खाली पडे मकान में अपने बच्चों के साथ पटाखे चला रहा था। तभी राजेंद, हिमांशु, तरुण उसके घर के सामने ही पटाखे चलाने लग गए। पीड़ित भगवान सहाय ने उन्हे भी खाली प्लॉट पर आकर पटाखें चलाने को कहा। इसी बात को लेकर दोनो पक्षों में कहासुनी हो गई। तभी पड़ोसियों ने आकर समझाईश की और मामले को शांत करवा दिया। लेकिन कुछ देर बाद ही राजेंद्र, हिमांशु ,तरुण,नानगी,वर्षा ,अंजली,मिहिर अन्य लोग अचानक से आए और गाली - गलौच करते हुए भगवान सहाय पर हमला कर दिया। इसी दौरान राजेंद्र ने भगवान सहाय का दाए हाथ का अंगुठा चबा डाला और करीब आधा इंच अंगुठा खाने के बाद पानी पी कर उसे गटक गया। इसी दौरान सीमा, संगीता, परी और दिव्या ने भी भगवान सहाय के परिजनों के साथ मारपीट शुरु कर दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनो पक्षों की ओर से मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

लपकागिरी में बदमाश दबोचा

जयपुर। पर्यटक थाना पुलिस ने बाहर से आए देशी-विदेशी पर्यटकों के साथ जबरन लपकागिरी करते एक लपके को गिरफ्तार किया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि पर्यटक थाना पुलिस ने बाहर से आए देशी और विदेशी पर्यटकों के साथ जबरन लपकागिरी करते हुए रहीस अहमद को जोरावर सिंह गेट जयपुर से गिरफ्तार किया है। जो कमीशन प्राप्ति के उद्देश्य से स्वयं को गाइड बता कर देशी पर्यटकों को सस्ती दर पर दृश्यावलोकन करवाने तथा अपने जान-पहचान वाले शोरूम पर खरीदारी करवाने के लिए परेशान कर रहा था।

''आज मैं ऊपर आसमां नीचे..'' जैसे सुरीले नग़मों के साथ दर्शक हुए झूमने पर मजबूर

सृजन द स्पार्क जयपुर की ओर से ''कविता कृष्णमूर्ति नाइट'' का आयोजन

जयपुर (कासं)। 'प्यार हुआ छुपके से..', 'हवा-हवाई..', 'काहे छेड-छेड मुझे..', 'धीमे-धीमे गाऊ'..' जैसे हर दिल पसंद गानों से गुलाबी नगरी में संगीत और संस्कृति का संगम बनता दिखा। मौक़ा था एक अविस्मरणीय शाम 'अ मेलोडियस इवनिंग विद कविता कृष्णमूर्ति' के आयोजन का।

शनिवार को सृजन द स्पार्क जयपुर चैप्टर की ओर से इस भव्य संगीतमयी शाम का आयोजन बिडला सभागार में किया गया। संगीत प्रेमियों से खचाखच भरे सभागार में पद्मश्री गायिका कविता कृष्णमूर्ति ने अपनी सुरमयी आवाज़ से ऐसा जादू बिखेरा कि पूरा माहौल संगीत के रंग में डूब गया। कृष्णमूर्ति के साथ मंच पर गायक चेतन राणा ने संगत की, जबकि जयपुर की युवा प्रतिभाएं वायलिनिस्ट उद्दव खंडेलवाल, गायिका हिमांगी छाबड़ा और तालवादक हिरेन परदल ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में ऊर्जा और नयापन भरा।

कृष्णमूर्ति ने हिंदी फ़िल्म संगीत के अपने अनेक प्रसिद्ध गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में सृजन द स्पार्क जयपुर के मुख्य संरक्षक पूर्व आईपीएस प्रसन्ना खमेसरा, चेयरमैन राजेश नवलखा, अध्यक्ष सुरेश ढड्ढा, सचिव राजीव नागौरी सहित शहर के अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। आयोजन को विशेष सहयोग जयपुर के प्रतिष्ठित व्यापारी विनय चोरड़िया द्वारा प्रदान किया गया। भारतीय संगीत के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए प्रख्यात वायलिन वादक पद्मविभूषण डॉ. एल. सुब्रमण्यम को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2025' से सम्मानित किया गया। सभागार तालियों से गूंज उठा जब यह सम्मान उन्हें प्रदान किया गया। ज्ञात रहे कि सृजन - द स्पार्क संस्था के चैप्टर जयपुर, उदयपुर, दिल्ली, जोधपुर, हैदराबाद, झुंझुनूं, राजकोट, अहमदाबाद, चेन्नई, भीलवाड़ा और कोटा सहित देशभर के कई शहरों में सक्रिय हैं, जबकि यूके, कनाडा और अमेरिका में इसके अंतरराष्ट्रीय चैप्टर कार्यरत हैं, जो किसी भी भारतीय सांस्कृतिक संगठन के लिए गर्व की उपलब्धि है। अब तक 400 से अधिक फेसबुक लाइव कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था ने भारत और विदेश के अनेक नामचीन कलाकारों तथा नवोदित प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। इसके संरक्षकों में भजन सम्राट अनूप जलोटा, ग़ज़ल सम्राट स्व. राजकुमार रिज़वी, उस्ताद अहमद हुसैन-मोहम्मद हुसैन, बांसुरी वादक रोनू मजूमदार, पर्कशनिस्ट आनंदम शिवमणि और कवि-अभिनेता शैलेश लोढ़ा जैसे ख्यात कलाकार शामिल हैं। संगठन द्वारा पूर्व में अनूप जलोटा, मनहर उधास, रोनू मजूमदार और पंडित विश्व मोहन भट्ट को भी 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जा चुका है। जयपुर का यह कार्यक्रम सृजन द स्पार्क की उसी परंपरा का प्रतीक रहा।

पद्मश्री गायिका कविता कृष्णमूर्ति ने जयपुर के बिडला सभागार में अपनी सुरमयी आवाज़ का जादू बिखेरा।

■ **पद्मविभूषण डॉ. एल. सुब्रमण्यम को 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2025' से नवाजा**

October 26: Accession Day in Jammu and Kashmir

October 26 is observed as Accession Day in Jammu and Kashmir, commemorating the historic day in 1947 when the princely state formally acceded to India. Faced with challenges during the turbulent period of partition, Maharaja Hari Singh signed the Instrument of Accession, integrating Jammu and Kashmir into the Indian Union. This day is remembered for its historical significance and the role it played in shaping the region's political landscape. Across Jammu and Kashmir, Accession Day is marked with official events, flag hoisting ceremonies, and reflections on the state's journey, highlighting unity, sovereignty, and India's commitment to the region.

#TRADITIONAL INDIAN THOUGHT

The 7 Types Of Husbands

Each type of husband represents a unique style of leadership, affection, or partnership within marriage

Marriage in Indian philosophy has long been regarded as a sacred bond, where both husband and wife play distinct yet complementary roles. In various scriptures and traditional discourses, especially those rooted in Hindu *dharmashastra*, the concept of 'seven types of husbands' has been used to describe the diverse ways men may relate to their wives, emotionally, spiritually, socially, and psychologically.

These seven archetypes are known as: Swami, Vallabh, Prajapati, Vairagi (or Vyragi), Sakha, Guru, and Dasa. Each represents a unique style of leadership, affection, or partnership within marriage. Understanding these types provides insight into marital dynamics and what qualities may lead to harmony or imbalance in a relationship.

1. Swami (The Lord)

The Swami type of husband considers himself the absolute authority in the household. He expects obedience from his wife and often takes on a commanding, paternalistic role. While he may provide for his family and protect them, he tends to treat his wife as a subordinate rather than an equal partner.

This model reflects a patriarchal dynamic, rooted in traditional societal roles. If not tempered with love and humility, this type can lead to control or emotional distance in the relationship.

2. Vallabh (The Beloved)

The Vallabh husband is one who is affectionate, loving, and emotionally connected to his wife. He values companionship and treats his partner with warmth and appreciation. This type of husband is ideal in many respects, as he balances his role as a provider with a deep emotional bond. He represents romantic intimacy and emotional availability, making him a preferred type in most modern interpretations of marital bliss.

3. Prajapati (The Provider or Creator)

Drawing from the Sanskrit word 'Prajapati' (lord of creatures or progenitor), this husband sees himself primarily as a caretaker and provider. He focuses on the welfare of his family, ensuring financial stability, order, and discipline in the household. However, he may become overly focused on duty, neglecting emotional intimacy. His role is functional and paternal, prioritizing responsibilities over romance or friendship.

4. Vairagi (The Detached or Ascetic)

The Vairagi husband is emotionally and physically distant, often absorbed in spiritual or personal pursuits. He may be indifferent to household matters or even to his wife, valuing detachment over involvement. This type might be respected in ascetic or philosophical traditions, but in practical family life, his lack of presence and warmth can cause emotional isolation for the spouse.

5. Sakha (The Friend)

The Sakha is the ideal companion, a friend to his wife in the truest sense. He shares openly, supports her dreams, listens without judgment, and stands by her in all situations. This type of husband values equality, mutual respect, and partnership. In modern relationship psychology, this type aligns closely with the ideal of emotional intelligence and healthy communication. The Sakha husband creates a space of trust and deep connection.

6. Guru (The Guide or Teacher)

The Guru husband sees his role as one of instruction and moral guidance. He aims to elevate his wife intellectually, spiritually, or culturally. While he may be well-meaning, this type can also carry the danger of condescension, especially if the husband assumes superiority in all matters. When balanced, this dynamic can lead to mutual growth; when imbalanced, it can feel like one-sided mentorship rather than a true partnership.

7. Dasa (The Servant)

The Dasa type of husband is devoted to the point of submission. He places his wife's happiness above all else, often suppressing his own needs and desires. While selflessness is admirable, this type can lead to codependency or a loss of self-identity, if not moderated. In some traditions, this is viewed as a spiritually evolved state, serving the spouse with complete devotion. In others, it's seen as an imbalance of power that may not be sustainable. In a balanced relationship, elements of multiple types may co-exist: the leadership of Swami, the love of Vallabh, the support of Prajapati, the companionship of Sakha, and the humility of Dasa, all ideally blended with mutual respect and shared purpose. Ultimately, the best type of husband is one who adapts, evolves, and honors his partner as an equal in life's journey.

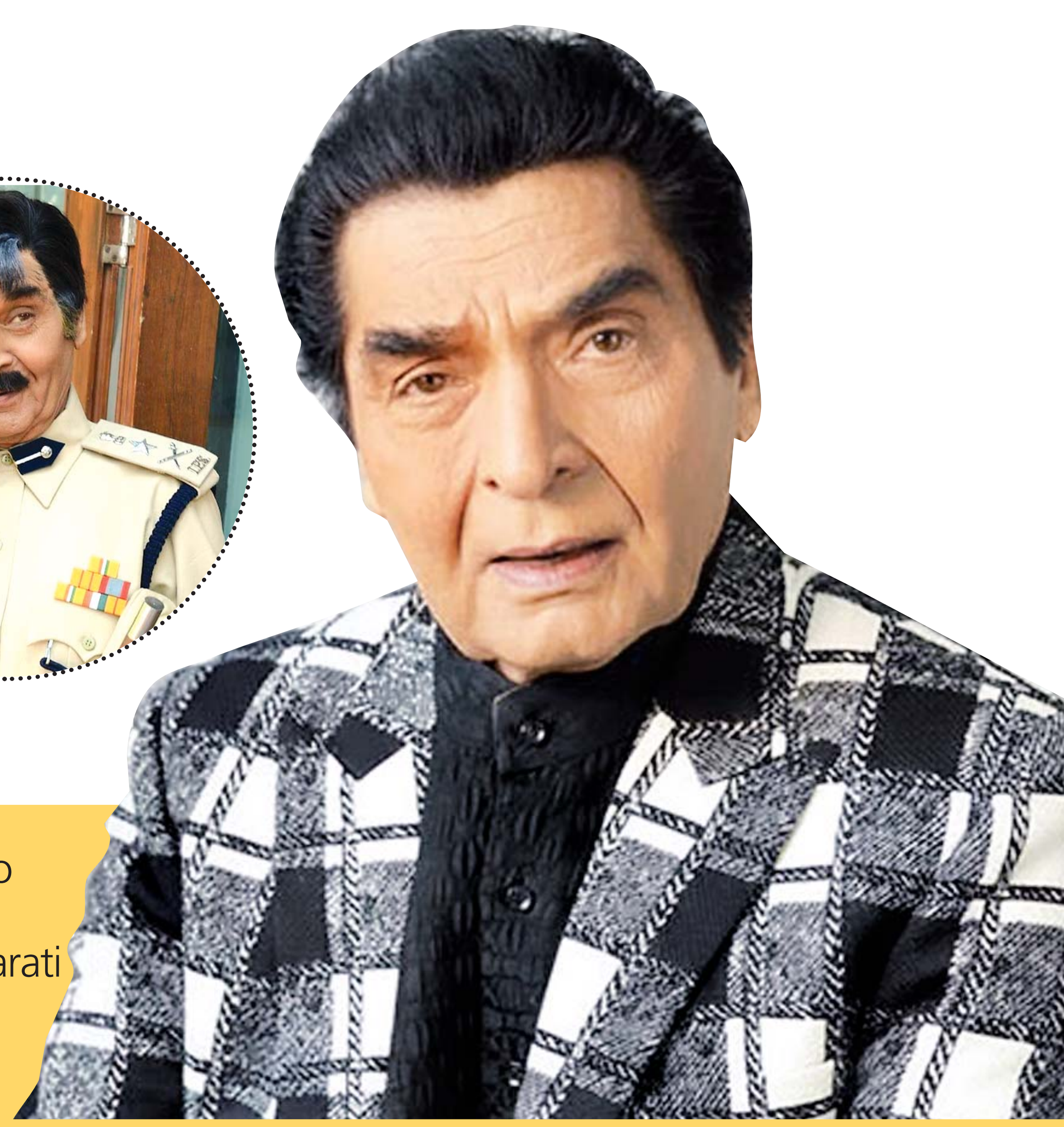

Versatility was his middle name

Asrani's cinematic journey leaves behind several enduring legacies including his forays into Gujarati Cinema. His entry into Gujarati cinema came naturally. He brought mainstream polish and comic intelligence to regional narratives. His popularity in Bollywood gave Gujarati films a wider reach, especially among urban audiences and diaspora communities. His bilingual career helped bridge the gap between Bollywood and regional Gujarati cinema.

#GOODBYE ASRANI

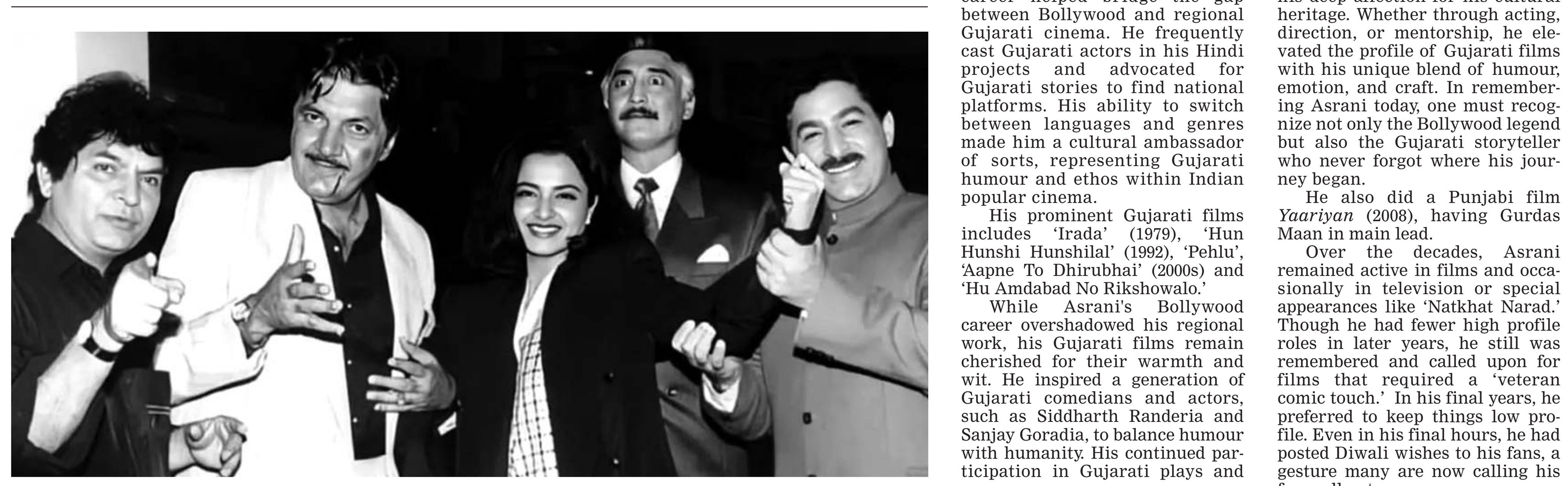

● Rajendra Bora

Asrani was a trained actor, having graduated from the Film Institute of India, now known as Film and Television Institute of India (FTII). He played a long innings in the unpredictable film industry of Mumbai, now referred to as Bollywood. He understood his strengths and carried himself in a manner few could emulate. Despite refusing to follow his father into the family's sari business, his Sindhi streak of entrepreneurship helped him to ascend from humble beginnings to great heights through hard work.

The film institute imparted him crucial insights into acting practices that moulded his later career. The lessons acquired under the tutelage of distinguished individuals such as Ritvik Ghatak, the iconic film director, at the institute prepared him to excel as an actor. He found his niche as a comedian in the tradition of Johnny Walker and Mehmood, achieving success after success in his career spanning 60 years, acting in around 350 films. He remained relevant and active across changing eras of Indian cinema, an achievement in itself. His last film was Raj Shandilya's box office hit 'Dream Girl 2' in 2023.

His debut film was 'Fear,' designed to train the students of the Acting Course of the Film Institute. It was a short film written and directed by Ritwik Ghatak. Its cast was made of the students of final year acting course (1964-65) including G. Asrani and Subhash Ghai, who later went on to produce and direct films establishing himself as the biggest showman of Bollywood.

However, Asrani's debut commercial film was Kishore Shau's 'Hare Kaanch Ki Churiyan' in 1967. It also introduced Naina Shahu, daughter of Kishore Shahu, in leading role against thespian Biswajeet.

However, Hrishikesh Mukherjee's 'Guddi' (1971) proved to be a turning point in his early career. He bagged the role for 'Guddi' after much begging and persuasion.

Though his first few roles were modest or supporting, his comic timing and presence began to get noticed. Directors like Gulzar took note and started offering him more consistent supporting and comic parts. By the early 1970s, he was frequently seen in films directed by Gulzar, such as 'Mere Apne,' 'Koshish,' 'Parichay' etc., where he often played the hero's friend, the comic relief, or quirky side characters. Ramesh Shippy's 1975 cult film 'Sholey' established Asrani as a comedian par excellence. His portrayal of the jailer, with Hitlerian get up and accent became one of the all-time great scenes of Hindi films. The immortal line spoken by Asrani "Hum Angrezon ke zamaane ke jailer hain," became iconic. Even today, that dialogue is still fondly quoted and remembered.

> Though his first few roles were modest or supporting, his comic timing and presence began to get noticed. Directors like Gulzar took note and started offering him more consistent supporting and comic parts. By the early 1970s, he was frequently seen in films directed by Gulzar, such as 'Mere Apne,' 'Koshish,' 'Parichay' etc.

Asrani's breakthrough as a comic actor, with widespread recognition, came over the 1970s and '80s. Films like 'Bawarchi,' 'Abhimaan,' 'Chupke Chupke,' 'Pati Patni Aur Woh,' 'Balika Badhu,' 'Chhoti Si Baat,' 'Rafoo Chakkar,' 'Bandish,' 'Do Ladke Dono Kadke,' 'Heeralal Pannalal' also feature him in comedic or supporting roles that got audience attention.

Though he had played the supporting character in many films, he played a serious role for the first time in 'Khoon Pasina' (1977). He did off beat roles like that of the evil brother's role in *Koshish* (1972), the double role of a hippie and villager in LV Prasad's *Bidaai* (1974), a beedi and ganji sporting wastrel in Hrishikesh Mukherjee's *Chaitali* (1975), a romantic in BR Chopra's *Nikaah* (1982) and played a pimp in KS Prakash Rao's 'Prem Nagar' (1974). Later, he played antagonist roles in 'Ab Kya Hoga' (1977) and 'Teri Meherbaniyan' (1985).

His face, voice (nasal twang), and ability to deliver both slapstick and situational comedy made him a 'go to' choice for many filmmakers wanting a dependable comedic presence. Though mainly known for comedy, he could suit supportive, quirky, character roles and even occasional serious lines when required. His was a dependable presence. For filmmakers, having an actor like Asrani meant that a comedic track or side character would always be handled competently. Beyond acting, Asrani ventured into direction and production too. He directed six films including 'Chala Murari Hero Banane,' 'Salaam Mensaab' and 'Hum Nahin Sudharenge' between1977 and 1997.

> His Gujarati films remain cherished for their warmth and wit. He inspired a generation of Gujarati comedians and actors, such as Siddharth Randeria and Sanjay Goradia, to balance humour with humanity. His continued participation in Gujarati plays and regional cinema demonstrated his lifelong commitment to his roots.

Asrani's move to film making and direction did not overshadow his acting; he always remained best known as an actor and comedian. His dual capacity showed his deeper understanding of cinema beyond just performance.

Asrani's cinematic journey leaves behind several enduring legacies including his forays into Gujarati Cinema. His entry into Gujarati cinema came naturally. He brought mainstream polish and comic intelligence to regional narratives. His popularity in Bollywood gave Gujarati films a wider reach, especially among urban audiences and diaspora communities. His bilingual career helped bridge the gap between Bollywood and regional Gujarati cinema. He frequently cast Gujarati actors in his Hindi projects and advocated for Gujarati stories to find national platforms. His ability to switch between languages and genres made him a cultural ambassador of sorts, representing Gujarati humour and ethos within Indian popular cinema.

His prominent Gujarati films includes 'Irada' (1979), 'Hun Hunshi Hunshilal' (1992), 'Pehlu', 'Aapne To Dhirubhai' (2000s) and 'Hu Amdabad No Rikshowalo.'

While Asrani's Bollywood career overshadowed his regional work, his Gujarati films remain cherished for their warmth and wit. He inspired a generation of Gujarati comedians and actors, such as Siddharth Randeria and Sanjay Goradia, to balance humour with humanity. His continued participation in Gujarati plays and regional cinema well into the 2000s demonstrated his lifelong commitment to his roots. Asrani's forays into Gujarati cinema were more than side projects, they reflected his deep affection for his cultural heritage. Whether through acting, direction, or mentorship, he elevated the profile of Gujarati films with his unique blend of humour, emotion, and craft. In remembering Asrani today, one must recognize not only the Bollywood legend but also the Gujarati storyteller who never forgot where his journey began.

He also did a Punjabi film *Yaariyan* (2008), having Gurdas Maan in main lead.

Over the decades, Asrani remained active in films and occasionally in television or special appearances like 'Natkhat Narad.' Though he had fewer high profile roles in later years, he still was remembered and called upon for films that required a 'veteran comic touch.' In his final years, he preferred to keep things low profile. Even in his final hours, he had posted Diwali wishes to his fans, a gesture many are now calling his farewell note.

Versatility was his middle name as he transcended the typical sidekick stereotype to become perfect foil for the lead character, blending slapstick with subtle satire and dramatic depth. His passing marks the end of an era. His work will continue to evoke laughter, nostalgia, and admiration in generations to come.

rajeshsharma1049@gmail.com

#IDEAL

The 7 Types Of Wives

Types of Wives in Ancient Indian Thought: Insights into Marital Ideals and Female Archetypes

In the rich philosophical and cultural traditions of ancient India, marriage was regarded not only as a social contract but also as a spiritual journey, a path of shared dharma (duty), artha (prosperity), kama (desire), and moksha (liberation). Ancient texts and sages such as Vashishta categorized types of wives based on their qualities, behaviors, and roles within marriage. These archetypes were intended to reflect moral ideals, emotional bonds, and spiritual compatibility.

This classification helps us understand how ancient Indian thinkers viewed the personality, virtue, and role of a wife in shaping the household, society, and spiritual life.

1. Vashishta's View: The Ideal Wife

Sage Vashishta, one of the revered Saptarishis (seven great sages), emphasized the spiritual and moral power of a devoted wife. According to him, the ideal wife is one who is virtuous, wise, devoted, modest, and spiritually aligned with her husband. She is not just a homemaker but a partner in dharma and karma. Vashishta believed that such a wife could influence not only her husband's success in life but also his liberation. Her presence was considered auspicious, and her power (Shakti) was believed to bring peace, prosperity, and longevity.

2. Dharma Patni (Wife of Dharma)

The Dharma Patni is a woman who upholds righteousness above all else. She is deeply aligned with moral duties, ethics, and family values. She helps her husband walk the path of dharma, supporting his spiritual goals and social responsibilities. The Dharma Patni is seen as the pillar of the household, committed to truth, compassion, and sacrifice.

She performs rituals with her husband, maintains harmony in the home, and brings stability and purity to the family.

3. Saha Dharmacharini (Co-follower in Dharma)

The Saha Dharmacharini is the wife who walks side by side with her husband in all aspects of life. She is not behind him or beneath him, she is his equal partner in duty, prayer, and purpose. Together, they perform yajnas (rituals), serve society, raise children, and support each other's goals.

This concept is perhaps the most progressive and idealistic in ancient thought, envisioning marriage as a mutual spiritual journey where both individuals uplift each other.

4. Svarini (Independent Wife)

The Svarini wife is independent in thought and action. She maintains her own opinions and may even assert authority over her husband. While independence can be a virtue, in the context of ancient scriptures, the Svarini archetype was sometimes seen as disruptive to household balance if it led to ego clashes or dominance.

However, in today's world, this type is often reinterpreted as the strong, self-aware, and empowered woman who maintains identity while honoring her marital bond.

5. Sati (The Devoted Wife)

The Sati wife represents unwavering loyalty, chastity, and devotion to her husband. She is ready to sacrifice everything for his wellbeing and legacy. In mythology, figures like Sati (Dakshayani) and Sita embody this ideal, often facing great hardship with dignity and strength. The concept of Sati is complex and has been misused historically. But in its original sense, it symbolized a woman's purity, strength, and spiritual devotion, not self-destruction.

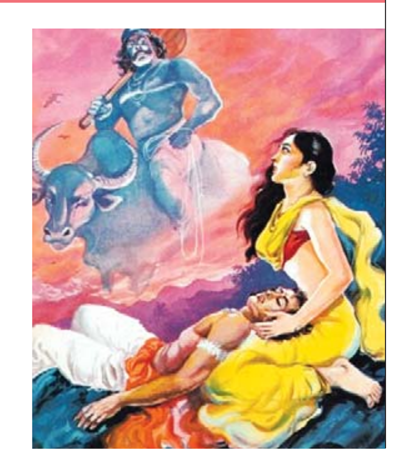

6. Rakshasi (Possessive or Destructive Wife)

The Rakshasi wife is one who is possessive, jealous, and manipulative. She may use deceit or emotional control to get her way and can be a source of distress in the marriage. Ancient texts viewed this archetype as a cautionary example of ego-driven behavior that disrupts peace and dharma.

This type was meant to highlight how unchecked desire or pride could damage relationships, turning love into control.

7. Putri-Bhagini (Daughterly or Sisterly Wife)

The Putri-Bhagini wife behaves with innocence, loyalty, and affection, much like a younger sister or daughter. This archetype emphasizes respect, gentleness, and a nurturing attitude. The husband, in turn, is expected to show care, patience, and protection, rather than dominance or control.

In this model, the relationship is grounded in emotional trust and kinship-like devotion, often seen in marriages where the wife is much younger or more emotionally sensitive.

While modern life has evolved, the core values of respect, companionship, and spiritual partnership continue to resonate. Understanding these archetypes offers timeless wisdom on how marriages can thrive when built on mutual understanding, purpose, and inner strength.

THE WALL

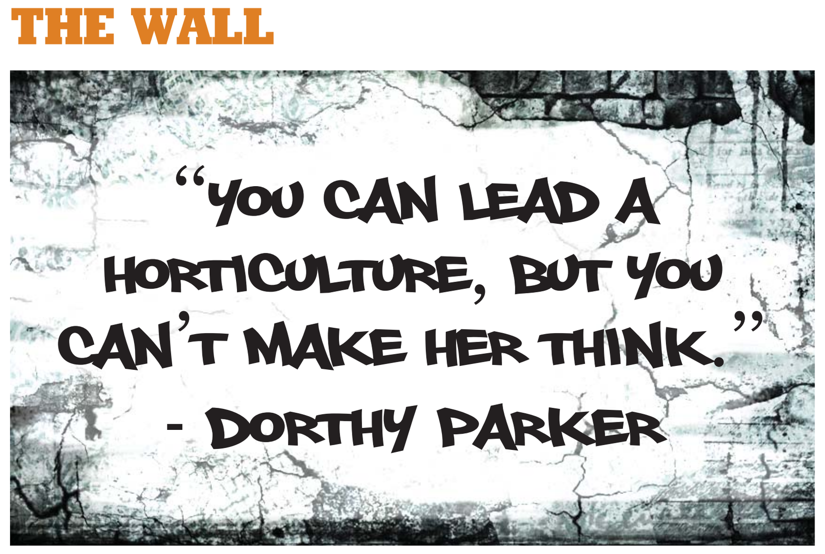

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

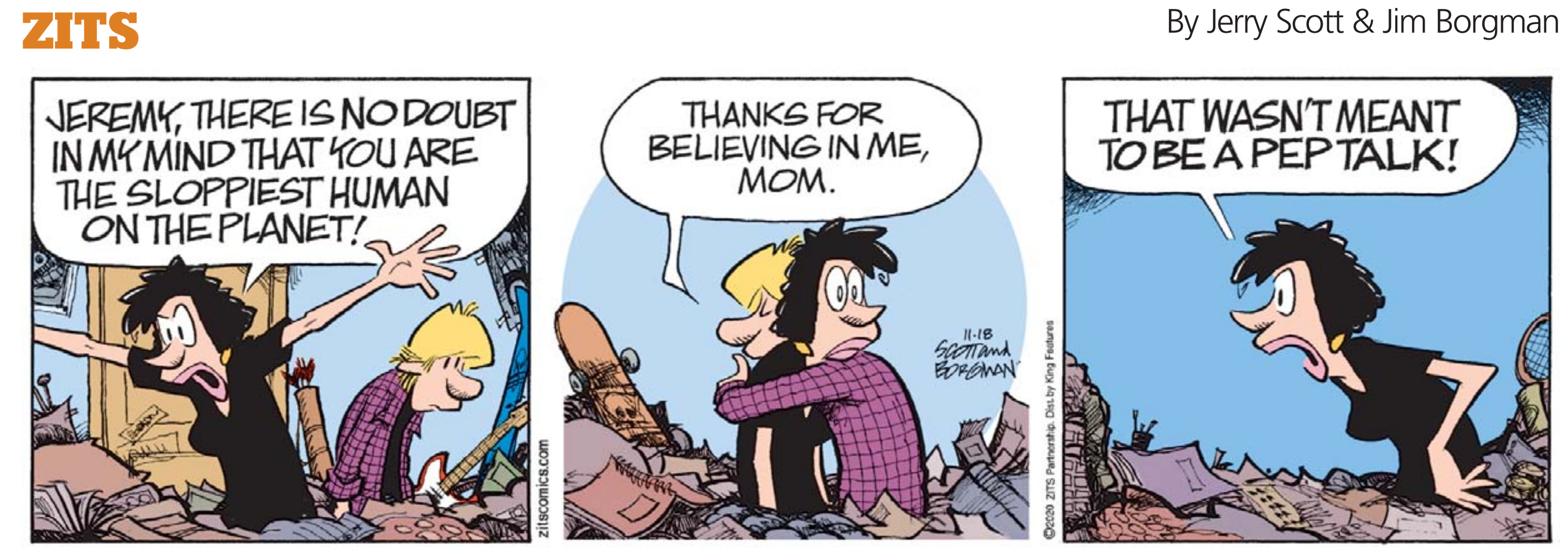

काइल को गेंदबाजी करने के बाद अपनी बांयी ओर थोडी अकडन महसूस हुई और हम गर्मियों के इस स्टेज पर कोई रिस्क नहीं लेना चाहते थे।
- रॉब वाल्टर

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच, तेज गेंदबाज काइल जैमीसन की चोट के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — श्रेयस अय्यर

तीसरे वनडे मैच में भारतीय मैदान पर तनाव और चिंता का माहौल देखने को मिला। हर्षित राणा की गेंद पर शानदार कैच लेने के लिए दौडे श्रेयस अय्यर गेंद को पकडकर जमीन पर गिर पडे और उन्हें गंभीर चोट लग गई। यह घटना 34वें ओवर की चौथी गेंद पर हुई, जिससे एलेक्स कैरी और मैट रेनशॉ के बीच चौथे विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी टूट गई। फिजियो दौडे, टीम के साथी खिलाडी इकट्ठा हुए, और इसी चिंता के बीच, भारत के पूर्व वनडे कप्तान रोहित शर्मा आगे आए। उन्होंने अय्यर की हालत का जायज़ा लिया और उन्हें खुद बाउंड्री तक ले गए।

क्या आप जानते हैं ?... कोहली से पहले कोई भी क्रिकेटर ऐसा नहीं कर पाया। 108 वनडे मैचों (कुल 305 वनडे) में सफलता के साथ लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट कोहली ने 6072 रन बना लिए।

रोहित-विराट के दम पर भारत ने बचाया सम्मान

सिडनी 25 अक्टूबर। हर्षित राणा (चार विकेट) के बाद रोहित शर्मा (नाबाद 121) और विराट कोहली (नाबाद 74) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शनिवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 69 गेंदे शेष रहते नौ विकेट से हरा दिया। 237 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 69 रन जोड़े।

11वें ओवर में जॉश हेजलवुड ने शुभमन गिल को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। शुभमन गिल ने 26 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए (24) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी विराट कोहली ने रोहित शर्मा के साथ ना केवल पारी को संभाला तेजी के साथ रन भी बटोरे। रोहित ने 33वें ओवर की आखिरी एक रन लेकर अपना शतक पूरा किया। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित का नौवां शतक है।

उन्होंने अपना शतक पूरा करने के लिए 105 गेंदों का सामना किया और 11 चौके और दो छक्के लगाये। दोनों बल्लेबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की जमकर खबर ली और दूसरे विकेट के लिए 168 रनों अविजित साझेदारी कर भारत को 38.3 ओवर में 237 रन बनाकर नौ विकेट से जीत दिला दी। रोहित शर्मा 124 गेंदों में 13 चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद121) रनों की पारी खेली। वहीं विराट कोहली ने 81 गेंदों में सात चौके लगाते हुए (नाबाद74) रन बनाये।

विराट ने नेथन एलिस की गेंद पर चौका लगाकर भारत को जीत दिलाई। हालांकि ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों यह श्रृंखला 3-1 से जीती ली है।

ऑस्ट्रेलिया की ओर एकमात्र कामयाब गेंदबाज हेजलवुड रहे। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरे ट्रैविस हेड और कप्तान मिचेल शर्मा की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। 10वें ओवर में मोहमम्द सिराज ने ट्रैविस हेड 25 गेंदों में (29) को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मैथ्यू शॉर्ट ने मिचल मार्श के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। इसी दौरान अक्षर पटेल ने 16वें ओवर में मिचेल मार्श (41) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद मैट रेनशॉ ने मैथ्यू शॉर्ट के साथ चौथे विकेट के लिए 61 रन जोड़े। मैथ्यू शॉर्ट (30) को 23वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने आउट किया। एलेक्स कैरी (24), मिचेल ओवेन (एक) को हर्षित राणा ने आउट किया। मैट रेनशॉ ने 58 गेंदों का सामना किया और अपनी 56 रनों की पारी में दो चौके लगाये। उन्हें भी 37वें ओवर में हर्षित राणा ने आउट किया।

मिचेल स्टार्क (दो) को कुलदीप यादव तथा नेथन एलिस (16) को प्रसिद्ध कृष्णा ने आउट किया। हर्षित राणा ने 47वें ओवर की दूसरी गेंद पर कूपर कॉनली (23) और इसी ओवर की चौथी गेंद पर जॉश हेजलवुड (शून्य) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया की पारी का 236 के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत की ओर से हर्षित राणा ने 8.4 ओवर में 39 रन देकर चार विकेट लिये। वॉशिंगटन सुंदर को दो विकेट मिले। मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

नई शुरुआत करना हमेशा महत्वपूर्ण होता है : रोहित

सिडनी, 25 अक्टूबर। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में तीसरे और अंतिम वनडे में मैच विजयी शतक जड़ने वाले रोहित शर्मा ने आज ऑस्ट्रेलिया से संभावित विदाई के संकेत दिए। उन्होंने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने के बाद अपने करियर पर विचार किया। रोहित ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि हम क्रिकेटर के रूप में वापसी करेंगे या नहीं, लेकिन मैंने हर पल का आनंद लिया है।'' उन्होंने भविष्य के दौरों की अनिश्चितता को स्वीकार करते हुए खेल खेलने में मिली खुशी और संतुष्टि का भी ज़िक्र किया। उनकी टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि यह ऑस्ट्रेलिया में उनका आखिरी मैच हो सकता है, हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

भारतीय सलामी बल्लेबाज, जिन्होंने अनुकरणीय कौशल और धैर्य के साथ टीम का नेतृत्व किया, ने अगली पीढ़ी को निखारने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, ''यह एक युवा टीम है, और कई खिलाड़ियों ने पहले ऑस्ट्रेलिया में नहीं खेला है। जब मैंने पहली बार यहां दौरा किया था, तो सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा मार्गदर्शन किया था। अब हमारी बारी है कि हम भी ऐसा ही करें।''

भारत के तीन मैचों की श्रृंखला 1-2 से हारने के बावजूद, रोहित टीम की प्रतिभा और क्षमता को लेकर आशावादी बने रहे। उन्होंने तैयारी, योजना और बुनियादी बातों पर टिके रहने के महत्व पर भी बात की। रोहित ने ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों की चुनौती और अनुकूलनशीलता की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''आपको स्थिति को समझना होगा, परिस्थितियों को समझना होगा और देखना होगा कि आप सबसे अच्छा क्या कर सकते हैं।''

2008 में अपने पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे को याद करते हुए, रोहित ने कहा कि एससीजी ने हमेशा उनके करियर में एक विशेष स्थान रखा है। उन्होंने टीम के साथी विराट कोहली का भी आभार व्यक्त किया और इस मैदान पर खेलने के लिए उनके साझा प्रेम का उल्लेख किया।

दिल्ली ने पहले दिन चार विकेट पर 306 रन बनाकर की ठोस शुरुआत

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। अर्पित राणा (64), सनत सांगवान (79), यश ढुल (61) और आयुष दोसेजा (नाबाद 51) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर दिल्ली ने एलीट ग्रुप डी मुकाबले के पहले दिन शनिवार को हिमाचल प्रदेश के खिलाफ स्टंप के समय चार विकेट पर 306 रन बनाकर ठोस शुरुआत की। आज यहां टॉस जीतकर हिमाचल प्रदेश ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली के लिए अर्पित राणा और सनत सांगवान की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 103 रन बनाये। 37वें ओवर में देवेश शर्मा ने अर्पित राणा (64) को आउटकर हिमाचल प्रदेश को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अर्पित गुलेरिया ने यश ढुल (61) और वैभव अरोड़ा ने कप्तान आयुष बदोनी (15) को आउट किया। आज दिन का चौथ विकेट सतन सांगवान (79) का गिरा। उन्हें देवेश शर्मा ने आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय दिल्ली ने 86 ओवरों में चार विकेट पर 306 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। आयुष दोसेजा (नाबाद 51) और सुमित माथुर (नाबाद 32) क्रीज पर मौजद थे।

अंडर-23 सीनियर विश्व कुश्ती में भारतीय महिला पहलवानों ने जीते पांच कांस्य पदक

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। नोवी साद (सर्बिया) में चल रही अंडर-23 सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों ने अपने-अपने भार वर्ग में 5 कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। पदक विजेता इस प्रकार हैं: 55 किग्रा: निशु, 57 किग्रा: नेहा शर्मा, 65 किग्रा: पुलकित, 68 किग्रा: सृष्टि, 76 किग्रा: प्रिया। इसके अलावा, दो भारतीय पहलवानों ने फाइनल में प्रवेश कर लिया है और कल जापानी प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी: 53 किग्रा: हंसिका लांबा, 59 किग्रा: सारिका मलिक।

केरल में लियोनेल मेसी का अर्जेंटीना फुटबॉल फ्रेंडली मैच हुआ स्थगित

कोच्चि, 25 अक्टूबर। लियोनेल मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल टीम का अगले महीने केरल में होने वाला फ्रेंडली मैच स्थगित कर दिया गया है। स्पर्धा स्पॉन्सर ने शनिवार को मैच स्थगित किये जाने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि अर्जेंटीना को 17 नवंबर को कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक फ्रेंडली फुटबॉल मैच खेलना था। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने सितंबर में वेन्यू का निरीक्षण किया था। कोच्चि का दौरा इस साल फीफा अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान फ्रेंडली मैचों के लिए ला एल्बिसेलेस्टे की नवंबर के अस्थायी कार्यक्रम का हिस्सा था। स्पॉन्सर ने फीफा से अनुमति मिलने में देरी का हवाला देते हुए कहा कि मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान पुनर्निर्धारित किया जाएगा। तारीखों की घोषणा नहीं की गई।

लक्ष्य राजेश ने टॉप सीड खिलाड़ी को चौंकाया, पांच भारतीय सेमीफाइनल में, पदक पक्के

चेंगदू, 25 अक्टूबर। चेंगदू में चल रही बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप में भारत का शानदार प्रदर्शन शुक्रवार को नए मुकाम पर पहुंच गया, जहां पांच भारतीय शटलरों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई और पदक भी पक्के किए। दिन का मुख्य आकर्षण लक्ष्य राजेश का रहा, जिन्होंने अंडर-17 बालिका एकल क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड की ललिता सत्तायाथाकून को 11-21, 21-16, 21-19 से हराकर जबरदस्त वापसी की। उनकी जीत ने भारतीय दल के लिए एक शानदार ऑल-राउंड दिन का समापन किया, जो अब कई सेमीफाइनल श्रेणियों में खेल रहा है। लक्ष्य के साथ अंतिम चार में छठी वरीयता प्राप्त दीक्षा सुधाकर भी पहुंच गईं, जिन्होंने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडोनेशिया की रईस्या अफ्फातुनिसा को 21-17, 21-8 से हराया। लड़कों के एकल वर्ग में, जगशेर सिंह खंगुरा ने हांगकांग के झान शिंग युई को सीधे गेमों में 21-13, 21-14 से हराकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। भारत ने युगल वर्ग में भी अपनी प्रगति का जश्न मनाया, जहां जंगजीत सिंह काजला और जननिका रमेश अपने चीनी प्रतिद्वंद्वियों के रिटायर होने के बाद अंडर-17 मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पहुंच गए। इससे पहले, शीर्ष वरीयता प्राप्त शाइना मणिमुथु ने जापान की युबुकी अज़ुमाया को 21-14, 21-16 से हराकर अंडर-15 बालिका एकल सेमीफाइनल में आसानी से प्रवेश किया। दोनों आयु वर्गों में पांच सेमीफाइनलिस्टों के साथ, भारत के युवा शटलरों ने अब तक के अपने सबसे यादगार महाद्वीपीय अभियानों में से एक का प्रदर्शन किया है।

एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी 28 से जयपुर में

जयपुर, 25 अक्टूबर। एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरन्दाजी टूर्नामेंट 28 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक जयपुर में जगतपुरा आर्चरी एरिना में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में देशभर से चार सौ से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। अलग- अलग कैटेगरी में राजस्थान के 60 से ज्यादा खिलाड़ी प्रतियोगिता में निशाने साधेंगे। पैरा ओलंपियन शीतल देवी प्रतियोगिता को मुख्य आकर्षण होंगी। इसके अलावा कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शिरकत करेंगे। राजस्थान तीरन्दाजी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह ने शनिवार को यहां बताया कि टूर्नामेंट में सीनियर, जूनियर और सबजूनियर कैटेगरी में कंपाउण्ड और रिकर्व स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आधार पर सीनियर कंपाउण्ड पुरुष वर्ग में राजस्थान के प्रद्युमन यादव, प्राजवल और पुलकित काजला ने क्वालीफाई किया है।

कोग्निवेरा इंटरनेशनल पोलो कप में भारत ने अर्जेंटीना को 10-9 से हराया

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। प्रतिष्ठित कोग्निवेरा इंटरनेशनल पोलो कप 2024 में कौशल, गति और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जब टीम इंडिया ने प्रतिष्ठित जयपुर पोलो ग्राउंड, नई दिल्ली में आयोजित एक रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना को 10-9 से हरा दिया। इस कार्यक्रम में एक हज़ार से ज़्यादा विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की, जिनमें केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी शामिल थे, जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के सांसद, संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू; जिंदल स्टील एंड पावर के अध्यक्ष, कुरुक्षेत्र के सांसद और पोलो संरक्षक नवीन जिंदल, कोग्निवेरा आईटी सॉल्यूशंस के सीईओ और एमडी कमलेश शर्मा, प्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास भी उपस्थित थे . लेफ्टिनेंट जनरल वी.एम.बी. कृष्णन, क्वार्टर मास्टर जनरल, भारतीय सेना; और कई देशों के राजदूतों और राजनयिकों ने इस आयोजन के वैश्विक कद को रेखांकित किया।

उत्साही दर्शकों द्वारा प्रोत्साहित, जयपुर के सवाई पद्मनाभ सिंह के नेतृत्व में टीम इंडिया ने दुर्जेय अर्जेंटीना की टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। सटीक हमलों से लेकर रणनीतिक चालों तक, इस मैच में जुनून, शक्ति और साझेदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय पोलो का सार समाहित था।

शाम का समापन एक भव्य ट्रॉफी वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें न केवल भारत की जीत का जश्न मनाया गया, बल्कि इस खेल की पहचान बन चुके अंतर्राष्ट्रीय सौहार्द की भावना का भी जश्न मनाया गया। कोग्निवेरा इंटरनेशनल पोलो कप 2024 ने एक बार फिर वैश्विक पोलो सर्किट पर भारत की बढ़ती प्रमुखता और खेल की शाश्वत भव्यता को उजागर किया।

भारतीय वायुसेना ने पंजाब पुलिस को 3-2 से हराया

जालंधर, 25 अक्टूबर। ओलंपियन खिलाड़ियों से सुसज्जित पंजाब पुलिस को 42वें इंडियन ऑयल सर्वो सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय वायु सेना के हाथों 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। जालंधर के ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में शनिवार को आयोजित टूर्नामेंट के तीसरे दिन, लीग राउंड के दूसरे मैच में सीआरपीएफ दिल्ली और भारतीय रेलवे दिल्ली 1-1 से बराबरी पर रहे। पहला मैच पूल बी में भारतीय वायु सेना और 10 ओलंपियन खिलाड़ियों से सुसज्जित पंजाब पुलिस, जालंधर के बीच खेला गया। पंजाब पुलिस के लिए पहला गोल खेल के 7वें मिनट में प्रभदीप सिंह ने किया और स्कोर 1-0 कर दिया। जबकि 9वें मिनट में भारतीय वायु सेना के सुमित ने गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। खेल के 35वें मिनट में, पंजाब पुलिस के ओलंपियन दिलप्रीत सिंह ने पूर्व भारतीय टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह के पास पर गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। खेल के 39वें मिनट में, एयर फ़ोर्स के एम. क्रिअप्पा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। खेल के 41वें मिनट में, एयर फ़ोर्स के सागर सिंगड़े ने गोल करके स्कोर 3-2 कर दिया। मैच के दौरान, पंजाब पुलिस को 13 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन एयर फ़ोर्स के गोलकीपर पुनन्ना पलांगड़े ने भारतीय टीम के कप्तान ओलंपियन हरमनप्रीत सिंह और ओलंपियन रूपिंदरपाल सिंह द्वारा लिए गए सभी पेनल्टी कॉर्नर बचा लिए।

रोहित ने जड़ा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना नौवां शतक

सिडनी 25 अक्टूबर। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने सभी आलोचनाओ को विराम देते हुए शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना नौवा शतक जड़ा। यह उनके एकदिवसीय करियर का 33वां शतक है। आज यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में रोहित शर्मा ने 21वें ओवर की चौथी गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। ये उनका इस सीरीज में लगातार दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले एडिलेड में भी उन्होंने 73 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों की खबरा लेते हुए अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर का पचासवां शतक पूरा किया। रोहित ने टेस्ट क्रिकेट में 12, एकदिवसीय में 33 और टी-20 में पांच शतक बनाये है। वह क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में यह कारनामा करने अकेले बल्लेबाज है। उन्होंने 105 गेंदों में 11 चौके और दो छक्कों की मदद से 100 रन बनाये। उन्होंने एडम जम्पा की गेंद पर एक रन लेकर अपने एकदिवसीय करियर का 33वां शतक पूरा किया।

रोहित वनडे में 100 कैच लेने वाले एलीट क्लब में शामिल

सिडनी, 25 अक्टूबर। रोहित शर्मा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 100 से ज़्यादा कैच लेने वाले भारतीय क्रिकेटरों के विशिष्ट समूह में शामिल हो गए हैं, जिससे एक क्षेत्ररक्षक के रूप में उनकी कुशलता का पता चलता है। उन्होंने आज सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। भारत के शीर्ष क्षेत्ररक्षकों की सूची में विराट कोहली (163), मोहम्मद अजहरुद्दीन (156), सचिन तेंदुलकर (140), राहुल द्रविड़ (124) और सुरेश रैना (102) भी शामिल हैं। रोहित का प्रभाव मैच में पूरी तरह से दिखा, जहां उन्होंने दो महत्वपूर्ण कैच लपके। 37.4वें ओवर में, हर्षित राणा ने मिशेल ओवेन को एक तेज लेंथ की गेंद फेंकी, जो पीछे हटकर गेंद को किनारे से पहली स्लिप में ले गए। रोहित ने कैच को आसानी से पकड़ लिया, जिससे राणा को तीन ओवर में अपना दूसरा विकेट मिला। बाद में, 43.5वें ओवर में, प्रसिद्ध कृष्णा ने नाथन एलिस को धीमी यॉर्कर गेंद फेंकी, लेकिन वह लो फुल-टॉस में बदल गई। एलिस ने स्लॉग करने की कोशिश की, लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही और रोहित ने मिड-विकेट पर एक आसान कैच लपका। एलिस 19 गेंदों पर 16 रन बनाकर आउट हो गए (4 चौके, 3 डॉट)। भारत ने राणा के शानदार स्पेल की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को 46.4 ओवर में 236 रन पर रोक दिया, जिन्होंने 8.4 ओवर में 39 रन देकर चार विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया रहा नंबर वन, सेमीफाइनल में भारत से भिड़ेगा

इंदौर, 25 अक्टूबर। प्लेयर ऑफ द मैच अलाना किंग (सात विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को महिला विश्वकप के 26वें मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका को 24 ओवर में 97 रन के स्कोर पर ढेर कर दिया और फिर 163 ओवर में तीन विकेट पर 98 रन बनाकर एकतरफा जीत और तालिका में नंबर एक स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया अब 30 अक्टूबर को नवी मुंबई में दूसरे सेमीफ़ाइनल में भारत से खेलेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका 29 अक्टूबर को गुवाहाटी में पहले सेमीफ़ाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा।

इससे पहले टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने पहले गेंदबाजी करने का सही फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए लॉरा वुलफार्ट और तेजमिन ब्रिट्स की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 32 रन जोड़े। यह उनकी टीम की ओर आज के मैच में सबसे बड़ी साझेदारी रही। सातवें ओवर में मेगन शट ने लॉरा वुलफार्ट को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। लॉरा वुलफार्ट 26 गेंदों में सात चौके लगाते हुए 31 रनों की पारी खेली। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी कहर के आगे दक्षिण अफ्रीका का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। आलम यह था कि दक्षिण अफ्रीका के आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। सिनालो जाफ्टा ने 17 गेंदों में 29 रन बनाये। 24वें ओवर की आखिरी गेंद पर अलाना किंग ने नडीन डी क्लर्क (14) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका की पारी का 97 के स्कोर पर अंत कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया के लिए अलाना किंग ने सात ओवर में 18 रन देकर सात विकेट झटके और इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। मेगन शट, किम गार्थ और एश्ले गार्डनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

लक्ष्य छोटा था और ऑस्ट्रेलिया को ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। जॉर्जिया वॉल ने नाबाद 38 और बेथ मूनी ने 42 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को आसान जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 165 ओवर में जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने अपना शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया है और टूर्नामेंट में एकमात्र अपराजित टीम बनी हुई है।

इंदौर में दो ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों के साथ हुई छेड़छाड़

यह एक बेहद निंदनीय घटना है : सैकिया

इंदौर, 25 अक्टूबर। इंदौर में दो ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों के साथ एक मोटरसाइकिल सवार ने छेड़खानी की और उन्हें ''अनुचित तरीके से छुआ।'' ऑस्ट्रेलियाई टीम महिला विश्व कप का अपना आख़िरी लीग मैच खेलने के लिए फ़िलहाल इंदौर में है, जहां वे शनिवार को दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ उतरेंगी। यह घटना गुरुवार सुबह घटित हुई, जब दोनों खिलाड़ी एक कैफ़े की ओर पैदल जा रही थीं।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने घटना की निंदा करते हुए कहा, ''यह एक बेहद निंदनीय घटना है। भारत अपनी मेहमाननवाज़ी और देखभाल के लिए जाना जाता है। ऐसी घटनाओं के प्रति हमारी ज़ीरो टॉलरेंस नीति है। हम राज्य पुलिस (मध्य प्रदेश) की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हैं, जिन्होंने दोषी को पकड़ लिया है। कानून अपना काम करेगा और दोषी को उचित सज़ा मिलेगी। अगर जरूरत पड़ी तो हम अपनी सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करेंगे ताकि सुरक्षा और मजबूत की जा सके।''

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने एक बयान जारी करते हुए कहा, ''सीए पुष्टि कर सकता है कि ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की दो सदस्यों के पास एक मोटरसाइकिल सवार आया और उन्हें अनुचित तरीके से छुआ। इस मामले को टीम की सुरक्षा दल द्वारा पुलिस को बताया गया है और अब वे इसकी जांच कर रहे हैं।''

जब यह टूर्नामेंट शुरू हो रहा था, तब मध्य प्रदेश पुलिस ने बीसीसीआई और एमपीसीए के साथ मिलकर एक सुरक्षा प्रोटोकॉल तय किया था। हम यह भी जांच कर रहे हैं कि इस सुरक्षा प्रोटोकॉल में कहां चूक हुई।

राजस्थान-जम्मू एंड कश्मीर : राजस्थान पहली पारी में 152 रन ऑलआउट

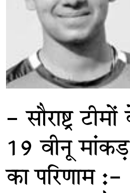

जयपुर, 25 अक्टूबर। आज से श्रीनगर में शुरु हुए राजस्थान – जम्मू एंड कश्मीर रणजी मैच के पहले दिन का स्कोर व राजकोट में राजस्थान – सौराष्ट्र टीमों के मध्य खेले गए अंडर 19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी नॉक आउट मैच का परिणाम :-

रणजी मैच, राजस्थान – जम्मू एंड कश्मीर। राजस्थान पहली पारी 152 आल आउट। टीम के लिए महिपाल लोमरोर नाबाद 37, कार्तिक शर्मा 32, आकाश सिंह 24 व दीपक चाहर 23 रन। जम्मू एंड कश्मीर के गेंदबाज सुनील कुमार 32/4, आकिब 29/3 व युद्धवीर 48/2 विकेट। जम्मू एंड कश्मीर पहली पारी 66/2, पहले दिन का खेल समाप्त होने तक जम्मू एंड कश्मीर टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 66 रन बना लिए थे। राजस्थान के गेंदबाज अनिकेत चौधरी व दीपक चाहर ने 1 -1 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान के तेज गेंदबाज अनिकेत चौधरी ने रणजी ट्रॉफी मैं 300 विकेट प्राप्त किये।

राजकोट राजस्थान – सौराष्ट्र अंडर 19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी नॉक आउट मैच सौराष्ट्र ने राजस्थान को सुपर ओवर में हराया। सौराष्ट्र पहली पारी – 340/4, टीम के लिए वंश आचार्य नाबाद 165, हरवंश 68, पुष्पराज 62 रन। राजस्थान के गेंदबाज भव्य राज 71 /2 व अभिषेक, पर्व प्रत्येक 1-1 विकेट। राजस्थान पारी 340/9, टीम ने बल्लेबाजों व आल राउंडर्स ने शानदार खेल दिखतेहै विशाल लक्ष्य की बराबरी करते हुए मैच को सुपर ओवर तक पहुँचाया। टीम के लिए कुशाग्र ओझा 85, साहिब अभिचंदानी 60, शिफॉन खान 49, पर्व झालानी 40 व भव्यराज नाबाद 29 रनो का योगदान दिया।

सुपर ओवर, राजस्थान पारी 10/1, टीम के लिए जयवर्धन 5 , पर्व झालानी नाबाद 4 व कुशाग्र ओझा नाबाद 1 रन। सौराष्ट्र पारी 14/0, टीम के लिए हरवंश नाबाद 14 रन। राजस्थान – हैदराबाद अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच कल से जयपुर में राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जैपुरिया ग्राउंड पर खेला जायेगा , आज मैच से पूर्व दोनों टीमों ने जमकर अभ्यास किया।

रॉबिन की नाबाद पारी एवं मोहित गुप्ता की शानदार गेंदबाजी से नैना क्रिकेट एकेडमी 7 विकेट से विजयी

जयपुर, 25 अक्टूबर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत खेले गये पूल-ए के मुकाबले में नैना क्रिकेट एकेडमी ने मोहित गुप्ता 16 रन पर 3 विकेट तथा रॉबिन सिंह 45 रन नाबाद की मदद से मंलगम क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर मंलगम क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और 19 रन पर ही अपने 3 महत्वपूर्ण विकेट गवा दिये चौथे विकेट पर अनुज कुमार 35 रन तथा संयम जैन 34 रन ने मिलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पंहुचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 121 रन बना लिये। गेंदबाजी में नैना क्रिकेट एकेडमी की ओर से मोहित गुप्ता 16 रन पर 3 विकेट, अमन सिंह 24 रन पर 2 विकेट, आरव चौधरी, आशीष शर्मा और मोहम्मद गाजी प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जम्मू-कश्मीर ने राजस्थान को बराबरी पर रोका

जयपुर, 25 अक्टूबर। राजस्थान का पहला मैच जम्मू-कश्मीर के साथ खेला गया। कोच देवेन्द्र सिंह भाटी ने बताया की राजस्थान टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और मैच के 16वे मिनट में ही राजस्थान टीम की ओर से जर्सी नंबर 16 ऐंजो सचिन ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद जम्मू-कश्मीर ने 35वे मिनट गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके तुरंत बाद राजस्थान टीम ने जवाबी हमला करते हुए 36वे मिनट में जर्सी नंबर 11 में खेल रहे माधव चतुर्वेदी गोल कर राजस्थान को बढ़त दिला कर स्कोर 2-1 कर दिया और इसके बाद जम्मू-कश्मीर ने मैच के 44वे मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया । मैच के मध्यांतर तक राजस्थान टीम मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और स्कोर 2-2 रहा।

खुशबू मौत प्रकरण : आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग, सर्व समाज ने किया प्रदर्शन

खुशबू राजपुरोहित की संदिग्ध हालत में मौत के बाद शव एमडीएम मोर्चरी में पड़ा हुआ है

- पुलिस ने दहेज हत्या का प्रकरण दर्ज कर पति को हिरासत में लिया था, मगर मृतका के परिजन ससुराल पक्ष के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं
- परिजनों ने खुशबू राजपुरोहित को जहर देकर मारने का आरोप लगाया, मामले का खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा

जोधपुर, (कासं)। शहर के पावटा सी रोड पर रहने वाली खुशबू राजपुरोहित की संदिग्ध हालात में मौत के बाद दूसरे दिन शनिवार को भी उसका शव एमडीएम मोर्चरी में पड़ा रहा। पुलिस ने दहेज हत्या का प्रकरण दर्ज कर उसके पति को हिरासत में लिया था, मगर मृतका के परिजन ससुराल पक्ष के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं। राजपुरोहित समाज ने सर्व समाज को साथ लेकर एमडीएम अस्पताल मोर्चरी के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया। फिलहाल उसका शव नहीं उठाया गया है। पुलिस भी धरनास्थल पर पहुंची है। परिजनों ने जहर देकर मारने का आरोप लगाया था, मामले का खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा।

जानकारी के अनुसार मृतका के भाई पाली जिले के रोहट स्थित धरमधारी निवासी इंद्रजीत सिंह ने महिला थाना (पूर्व) में रिपोर्ट दी थी। इसमें पति हर्षित सिंह, ससुर चंद्र सिंह उर्फ चंदन सिंह, सास मंजू देवी, जेठ अंकित सिंह व ननद साक्षी के खिलाफ दहेज के लिए तंग व प्रताड़ित, मारपीट करने और जहरीला पदार्थ खिलाकर जान से मारने का प्रयास करने का आरोप लगाया। खुशबू की मौत के बाद एफआईआर में दहेज हत्या की धारा भी जोड़ी गई है। पुलिस ने पति हर्षित सिंह राजपुरोहित को रात तक हिरासत में ले लिया। मृतका के परिजन और समाज के लोग ससुराल पक्ष के सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एमडीएम अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठे हैं। इधर शनिवार को परिजन सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे।

पाली के रोहट स्थित धरमधारी निवासी इंद्रजीत सिंह ने रिपोर्ट में बताया कि 2 मई 2022 को खुशबू की शादी हर्षित से हुई थी। वह जयपुर में सोलर कंपनी में काम करता है। शादी में पिता ने हैसियत के मुताबिक दहेज दिया था, मगर वे उसके बाद भी दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। पति जब भी जयपुर से आता। तब वह मारपीट करता था। गत 20 जून को खुशबू ने पीहर जाकर मां और भाई को उसके साथ हो रही प्रताड़ना के बारे में बताया। तब समाज स्तर पर बातचीत से रास्ता निकाल ससुराल पक्ष ने दुबारा इस तरह की कोई बात नहीं होने का भरोसा दिलाया था। खुशबू को गत 20 अक्टूबर को उसे ससुराल भेजा। ससुराल जाने के दूसरे ही दिन खुशबू ने भाई को फोन कर जान से मारने की आशंका जताई थी। भाई उसे दूसरे दिन लेने के लिए जाने वाला था। इस बीच दोपहर में ससुर ने खुशबू की तबीयत खराब होने व अस्पताल ले जाने के बारे में सूचना दी।

दो ग्राम विकास अधिकारी सेवा से बर्खास्त

- पांचू पंचायत समिति से दोनों ग्राम विकास अधिकारी पांच साल से अधिक समय से अनुपस्थित थे

बीकानेर, (निसं)। पांचू पंचायत समिति के दो ग्राम विकास अधिकारियों को पांच साल से ज्यादा समय से अवकाश पर रहने के कारण सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। ग्राम विकास अधिकारी रमेश ओझा और गिरधर स्वामी को राजकीय सेवा से हटाने के आदेश जारी हुए।

सीईओ जिला परिषद सोहन लाल ने बताया कि दोनों ग्राम विकास अधिकारी 5 वर्ष से अधिक अवधि से अवकाश पर थे, जिसकी किसी तरह की कोई सूचना भी नहीं दी गई। पांचू पंचायत समिति के ग्राम विकास अधिकारी रमेश ओझा के 2 जून 2016 से बिना सक्षम स्तर से अवकाश स्वीकृत कराये स्वेच्छा से लगातार ड्यूटी/राजकीय सेवा से अनुपस्थित रहने के कारण और गिरधर स्वामी ग्राम विकास अधिकारी पंचायत समिति बीकानेर के दिनांक 20 नवंबर 2016 से कार्यमुक्त होकर अब तक पंचायत समिति पांचू में कार्यग्रहण नहीं किया। इसी कारण 20 नवंबर 2016 से निरन्तर बिना सक्षम स्तर से अवकाश स्वीकृत कराये लगातार ड्यूटी व राजकीय सेवा से अनुपस्थित है। इसी कारण राजकीय सेवा से हटा दिया गया है। जिला स्थापना समिति की 15 अक्टूबर 2025 को हुई बैठक में उक्त दोनों प्रकरण समिति सदस्यों के समक्ष रखे गये जिसका समिति सदस्यों ने गहनता से अवलोकन किया। जिसमें रमेश ओझा व गिरधर स्वामी को बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया।

जैसलमेर बस हादसे में एक और घायल की मौत, मृतकों की संख्या 27 हुई

जोधपुर, (कासं)। जैसलमेर बस हादसे में एक और घायल की मौत हो गई। महात्मा गांधी अस्पताल में उपचार के दौरान गंगाणा निवासी इकबाल ने दम तोड़ दिया। इस मौत के बाद इस हादसे में मृतकों की संख्या 27 हो गई है। महात्मा गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. फतेह सिंह भाटी ने बताया कि हादसे में घायल गंगानी निवासी इकबाल (41) की शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। बता दे कि इस हादसे में मौतों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। हादसे वाले दिन मौके पर ही 19 मौत हो गई थी। उसके बाद एक घायल ने अस्पताल लाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया था। अब मृतकों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। हादसे में अभी एक मरीज वेंटिलेटर पर है।

जन्मदिन मनाने के बाद डॉ. सतीश पूनियां ने गिरिराजजी की पैदल परिक्रमा की

डॉ. सतीश पूनियां ने सपरिवार गोवर्धनजी की पैदल परिक्रमा की।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ. पूनियां का माला पहनाकर स्वागत किया।

- डॉ. सतीश पूनियां ने भगवान श्रीकृष्ण की नगरी ब्रजभूमि पूँछरी का लौठा गोवर्धन में जन्मदिन मनाया
- पूनियां को राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश दिल्ली के हजारों कार्यकर्ता और नेता बधाई देने पहुंचे

भरतपुर/जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने शनिवार सुबह परिवार के साथ पूँछरी का लौठा में गोवर्धन महाराज की पैदल परिक्रमा कर राजस्थान एवं देशवासियों की खुशहाली की कामना की और संतों का आशीर्वाद लिया। वहीं पैदल परिक्रमा करने के दौरान पूनियां ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से स्थानीय लोगों के साथ स्वच्छ भारत अभियान के तहत झाड़ू लगाकर आमजन से स्वच्छता को बढ़ावा देने के आव्हान किया।

जानकारी के अनुसार 24 अक्टूबर को डॉ. सतीश पूनियां ने अपना 61वां जन्मदिन भरतपुर डीग जिले में स्थित पूँछरी का लौठा में भगवान श्री गोवर्धन महाराज और श्रीनाथजी भगवान की पूजा-अर्चना कर राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ताओं के साथ मनाया था, जहां भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी, विधायक, मंत्री, पूर्व मंत्री विधायकों सहित आमजन एवं गणमान्य लोग बधाई एवं शुभकामनाएं देने पहुंचे। डॉ. सतीश पूनियां ने जन्मदिन एवं दीपावली स्नेह मिलन पर सुबह भगवान श्री गोवर्धन जी महाराज मुकुट मुखारविंद पर धर्मपत्नी मोहिनी पूनियां, पुत्र महीप पूनियां, पुत्रवधू शिप्पी सुंडा और बेटी अनुष्का के साथ दुग्धाभिषेक कर पूजा- अर्चना की एवं श्रीनाथजी मंदिर में दुग्धाभिषेक, छप्पन भोग एवं बालभोग प्रसादी के साथ पूजा अर्चना की और उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में गोवर्धन जी दानघाटी में पूजा-अर्चना कर राजस्थान और देशवासियों की खुशहाली की कामना की।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सतीश पूनियां ने कहा कि, यह न आमसभा है, न यह शक्ति प्रदर्शन है यह तो भक्ति प्रदर्शन है, जिसमें पूरे राजस्थान के कोने-कोने से पधारे कार्यकर्ताओं ने हम सब के आराध्य भगवान श्री कृष्ण की नगरी पूँछरी का लौठा गोवर्धन में दर्शन किए और मेरे जैसे सामान्य किसान परिवार में जन्मे कार्यकर्ता को आप सब ने आशीर्वाद दिया, यह मेरे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है की भगवान श्रीकृष्ण की नगरी ब्रजभूमि में मुझे गोवर्धन जी महाराज और श्रीनाथजी के दर्शन करने का सौभाग्य मिला और आप सब कार्यकर्ताओं के दर्शन करने का भी मुझे सौभाग्य मिला।

सतीश पूनियां ने कहा कि ब्रजभूमि में मुझे जन्मदिन की बधाई देने के लिए राजस्थान के प्रत्येक कोने-कोने और ब्रजभूमि भरतपुर डीग के देवतुल्य कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन करता हूं। सतीश पूनियां ने कहा कि भरतपुर की पूरे देश में एक अलग शान है एक अलग पहचान है यह सब वीर योद्धा महाराजा सूरजमल की देन है, आज भरतपुर की पहचान महाराजा सूरजमल से ही होती है। पूर्व मंत्री डॉ. दिगम्बर सिंह को भी सतीश पूनियां ने सभा में याद किया और कहा कि भरतपुर और आसपास के जिलों में भारतीय जनता पार्टी को मजबूती प्रदान करने में दिगंबर सिंह का बहुत बड़ा योगदान रहा है आज उनकी कमी खल रही है।

इस अवसर मंत्री जवाहर सिंह बेढम, डीग कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, झुंझुनू विधायक राजेंद्र भामू, कठूमर विधायक रमेश खींची, पूर्व विधायक बनवारी सिंह सिंघल, पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि, पूर्व विधायक सुभाष पूनियां, पूर्व विधायक सुखराम सिंह कोली, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद टाक, दिल्ली नजफगढ़ विधायक नीलम पहलवान, गोवर्धन विधायक मेघश्याम सिंह ठाकुर सहित राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश से कई जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी सतीश पूनियां को जन्मदिन की बधाई देने श्रीनाथजी मंदिर पहुंचे।

विधवा महिला से व्यापारी ने दुष्कर्म किया

- आरोप है कि आरोपी ने उधार लिए पैसे नहीं लौटाने पर रेप किया
- महिला-बच्चों को जान से मारने की धमकी भी दी, मामला दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के एक थाना क्षेत्र में एक विधवा महिला से रेप करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपी ने उधार लिए पैसे नहीं लौटाने पर रेप किया। आरोपी अब महिला व उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी दे रहा है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में महिला ने बताया कि दो-तीन महीने पहले उसके पति की मौत हो गई थी। उसके पति ने एक व्यापारी राजकुमार उर्फ भंडारी से 20-25 हजार रुपए उधार लिए थे। पति की मौत होने के बाद आरोपी रोजाना उनके घर आता है और पैसे मांगता है। महिला का आरोप है कि आरोपी महिला के पास पैसे नहीं होने के कारण उस पर गंदी नजर रखने लग गया। 22 अक्टूबर को महिला अपने घर पर अकेली थी। उसके बच्चे बाहर खेल रहे थे। इस दौरान आरोपी घर में आया और उसे जबरदस्ती कमरे में ले गया और रेप किया। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया। आरोपी ने जाते हुए धमकी दी है कि वह उसके साथ इसी तरह उधार दिए पैसों की वसूली करता रहेगा। आरोपी ने धमकी दी कि अगर महिला ने उसकी शिकायत पुलिस में की तो वह महिला व उसके बच्चों को जान से मार देगा। फिलहाल महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एसआई सुभाषचंद्र कर रहे हैं।

दो किशोरों पर दुष्कर्म का आरोप

जोधपुर, (कासं)। जिला पूर्व में नाबालिग से दो किशोरों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। बच्ची को किशोर अपने साथ एक कैफे पर लेकर गए, जहां पर बारी-बारी दुष्कर्म किया गया। घटना दिवाली की होना बताया जाता है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार जिला पूर्व में एक किशोरी को उसके दो परिचित किशोर साथ लेकर एक कैफे पर गए, जहां उससे दुष्कर्म किया गया। किशोरी के पिता को इस बात का पता लगने पर अब पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है।

डीडवाना कुचामन जिले के कई सरकारी स्कूलों को मिलेंगे पट्टे

- जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत के निर्देशन में जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण पहल

डीडवाना-कुचामन, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत के निर्देशन में जिला प्रशासन ने जिले के पट्टा विहीन राजकीय विद्यालयों को पट्टे देने की एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसी पहल के तहत जिला प्रशासन द्वारा 28 अक्टूबर को जिले के 400 से अधिक राजकीय विद्यालयों को एक साथ पट्टे दिये जायेंगे।

अति. कलेक्टर मोहन लाल खटनावलिया ने बताया कि कलेक्टर डॉ. खड़गावत ने जिले के राजकीय विद्यालयों को पट्टे जारी करने के निर्देश प्रदान किये थे। इसी क्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारियों व राजकीय विद्यालयों के प्रिंसिपल को जिले के उन सभी विद्यालयों की सूची तैयार करने के लिए निर्देश जारी किये गए जिनके पट्टे नहीं बने हुए थे तथा सभी संस्था प्रधान को विद्यालयों के पट्टे बनवाने के संबंध में जरूरी दस्तावेजों के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

उन्होंने बताया कि इस प्रकार जिले में 400 से अधिक राजकीय विद्यालयों की सूची तैयार कर उनके पट्टे बनाने का कार्य जिला प्रशासन द्वारा एक मिशन के रूप में किया गया।

अतिरिक्त कलेक्टर खटनावलिया ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा 28 अक्टूबर को राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी के मुख्य आतिथ्य में नगर परिषद सभागार कुचामन सिटी में इन सभी विद्यालयों को एक साथ पट्टे प्रदान किये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ खड़गावत के निर्देशन जिला प्रशासन द्वारा की गई इस महत्वपूर्ण पहल से राजकीय विद्यालयों में भवन निर्माण, कक्षा-कक्षों का विस्तार एवं खेल मैदान के निर्माण में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं होगा साथ ही जन सुविधाओं के विस्तार में भी वृद्धि होगी।

लोन दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

- 12 चेकबुक, 4 पासबुक, 10 एटीएम कार्ड और 3 मोबाइल सिम कार्ड बरामद

अजमेर, (निसं)। पुलिस मुख्यालय जयपुर के निर्देश पर चल रहे सायबर फ्रॉड विरोधी विशेष अभियान के तहत गांधी नगर थाना पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 12 चेकबुक, 4 पासबुक, 10 एटीएम कार्ड और 3 मोबाइल सिम कार्ड बरामद किए गए।

जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर थाना अधिकारी संजय शर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तकनीकी जांच के आधार पर इस फ्रॉड का पर्दाफाश किया। पुलिस ने आरोपी सुमित परिहार को गिरफ्तार किया। किशनगढ़ निवासी परिवादी दिपांशु बंसल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि आरोपी ने बंधन बैंक से लोन दिलाने के नाम पर उसका आधार, पैन कार्ड, दुकान का लाइसेंस और हस्ताक्षरित फार्म ले लिए। कुछ समय बाद उसके नाम पर बैंक खाता खुला और पासबुक-चेकबुक आरोपी ने अपने कब्जे में रख ली। बाद में पता चला कि उस खाते से विभिन्न राज्यों में 3.17 करोड़ का लेनदेन हुआ और खाते पर 31 सायबर शिकायतें दर्ज हैं। जांच में सामने आया कि सुमित ने फर्जी आधार कार्ड से नया मोबाइल नंबर लिया और उसी से नेट बैंकिंग के जरिए खातों का संचालन किया। उसने कई खातों के जरिए करोड़ों का लेन-देन किया है। आरोपी परिहार के खिलाफ गांधीनगर थाने में पहले से ही तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें राजकार्य में बाधा, सरकारी संपत्ति को नुकसान और आर्म्स एक्ट के प्रकरण शामिल हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य खातों की जांच कर रही है।

गौवंश से भरा ट्रक कंटेनर पकड़ा

अजमेर, (निसं)। नसीराबाद में गौ रक्षा दल ने शुक्रवार देर रात 40 गौवंशसे भरा एक ट्रक कंटेनर पकड़ा। सूचना पर जसवंतपुरा जंगल में गौ रक्षा दल ने ट्रक का पीछा कर नेशनल हाईवे 48 पर झड़वासा मोतीपुरा के पास घेराबंदी की और वाहन को रोक लिया। अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर मौके से फरार हो गए। गौ रक्षा दल के गोविंदा सौदे और घीसू पथरिया ने बताया कि ट्रक में गौवंश को ठूंस-ठूंसकर भरकर कत्लखाने ले जाया जा रहा था। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और पीछा कर कंटेनर पकड़ा।

एसपी कार्यालय के एलडीसी पर महिला से दुष्कर्म का आरोप, मामला दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। एसपी कार्यालय के एक एलडीसी पर एक कांस्टेबल की पत्नी ने चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला ने एलडीसी सुमित गोदारा के खिलाफ सदर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल मुआयना करवा जांच शुरू कर दी है। अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़िता का पति किसी अन्य जिले में कांस्टेबल है। वारदात दस महीने पहले की है। पुलिस के अनुसार पीड़िता के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज करवाए जाएंगे।

जांच अधिकारी डीएसपी (एससी/एसटी सेल) विष्णु खत्री के अनुसार पीड़िता ने एफआईआर में आरोप लगाया है कि वह लोन संबंधी किसी काम को लेकर आरोपी से मिली थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात दिसंबर 2024 की बताई गई है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी सुमित गोदारा ने काम में उसकी मदद का आश्वासन देते हुए फोन नंबर ले लिया। उसी दिन फोन करके उसे ऑफिस के बाहर मिलने के लिए बुलाया और किसी अनजान जगह पर ले गया। आरोप है कि सुमित गोदारा ने उसे चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर दे दिया जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद दुष्कर्म किया गया। पीड़िता के मुताबिक पिछले दिनों वह श्रीगंगानगर आई तो आरोपी उसे एक सुनसान मकान में ले गया और छेड़छाड़ की। उसने शोर मचाने व पुलिस को शिकायत की बात कही तो सुमित गोदारा फरार हो गया। डीएसपी विष्णु खत्री के मुताबिक कांस्टेबल की पत्नी की ओर से लगाए गए आरोप पर केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

19 साल से फरार 25 हजार के ईनामी आरोपी को मुंबई से दबोचा

आरोपी ने गांव में पत्नी को छोड़कर मुंबई में दूसरी शादी रचा ली थी, एक रेजीडेंसी में गार्ड की नौकरी कर रहा था

- महज डेढ़ लाख रूपए के लिए आरोपी ने अपना और पिता का नाम बदलकर नया आधार कार्ड तक बनवा लिया था
- आरोपी के खिलाफ जनवरी 2007 में बिसाऊ थाने में कबूतरबाजी के दो मामले दर्ज हुए थे

बिसाऊ, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 19 साल से कबूतरबाजी के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ जनवरी 2007 में बिसाऊ थाने में कबूतरबाजी के दो मामले दर्ज हुए थे। जिसके बाद वे वह फरार था। पुलिस ने 25 हजार का ईनाम घोषित कर रखा था। पुलिस ने आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक सीकर जिले के धोद थाना क्षेत्र के कासली निवासी 50 वर्षीय रमजान अली पुत्र नबी बक्श मनियार ने 19 साल पहले दो जनों को विदेश भेजने के नाम पर रूपए लिए थे। इस मामले में दो केस बिसाऊ थाने में दर्ज थे, लेकिन केस दर्ज होने के बाद से ही रमजान फरार चल रहा था। कुछ दिन पहले पुलिस को सूचना मिली कि रमजान अली मुंबई में अपना नाम बदलकर नया आधार कार्ड बना चुका है और मुंबई में ही रहता है। जिस पर बिसाऊ एसएचओ महेंद्र सिंह के निर्देशन में हैड कांस्टेबल बीरबल तथा कांस्टेबल श्रीराम मुंबई पहुंचे।

मुम्बई में बिसाऊ पुलिस की टीम दो दिन तक बोरीवाली, दहिसर, अंधेरी (ईस्ट), लोखण्डवाला, गोरेगांव, जोगेश्वरी शांता क्रुज में भेष बदल कर रैकी की। इस दौरान सामने आया कि रमजान अली ने अपना नया आधार कार्ड बना लिया है और यहां पर दूसरी शादी भी कर ली है। उसने नया नाम अली के नाम से आधार कार्ड बनवाया और पिता के नाम के साथ भी छेड़छाड़ कर ली। हैड कांस्टेबल बीरबल तथा कांस्टेबल श्रीराम ने आरोपी को जोगेश्वरी ईस्ट मुम्बई से दस्तयाब किया। जहां पर वह एक रेजीडेंसी में गार्ड की नौकरी कर रहा था। पुलिस इस रेजीडेंसी में एक मोबाइल कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में घुसी और सिम वेरिफिकेशन करने के बहाने आरोपी तक पहुंची।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी यहां से भागा तो अपनी पत्नी छोड़कर चला गया। परिवार से भी सारे संपर्क तोड़ लिए थे। मुंबई में उसने दूसरी शादी भी कर ली थी। बावजूद इसके पुलिस ने 19 साल बाद ईनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। महज डेढ़ लाख रूपए के लिए आरोपी ने ना केवल अपना घर, परिवार, गांव छोड़ दिया, बल्कि अपना और पिता का नाम भी बदलकर अपनी पुरानी पहचान खत्म करके नया आधार कार्ड तक बनवा लिया। पुलिस आरोपी से कबूतरबाजी के मामले में पूछताछ कर रही है।

गौशाला के बाहर फेंकी 20 से अधिक मृत गौवंश

पाटन, (निसं)। गौ सेवा के नाम पर चल रही व्यवस्थाओं की हकीकत एक बार फिर सामने आई है। गुहाला के पास स्थित श्री कृष्ण गौशाला, हुलड़ा का बास, ताल क्षेत्र के बाहर 20 से अधिक मृत गौवंश के शव और अवशेष खुले में पड़े मिले हैं।

गौ सेवा दल गुहाला के अध्यक्ष मनीष और उपाध्यक्ष अंकित ने इस घटना की सूचना दी। उन्होंने बताया कि गौशाला की सीमा के ठीक बाहर ज़मीन पर ही मृत गौवंश को फेंक दिया गया है। कई गौवंश के कानों में टैग लगे मिले, जिनकी जांच करने पर यह स्पष्ट हुआ कि ये गौशाला की ही गायें थीं। स्थल पर देखे गए अवशेषों में कुछ शव तीन महीने पुराने, कुछ दो महीने पुराने, कुछ एक महीने पुराने और कुछ ताज़ा मृत गौवंश के थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह कोई एकबारगी घटना नहीं, बल्कि लंबे समय से चल रही लापरवाही और अमानवीयता का परिणाम है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि गौशाला प्रबंधन मृत गौवंश को नियमित रूप से बाहर डाल देता है, जिससे दुर्गंध और संक्रमण का खतरा फैल रहा है।

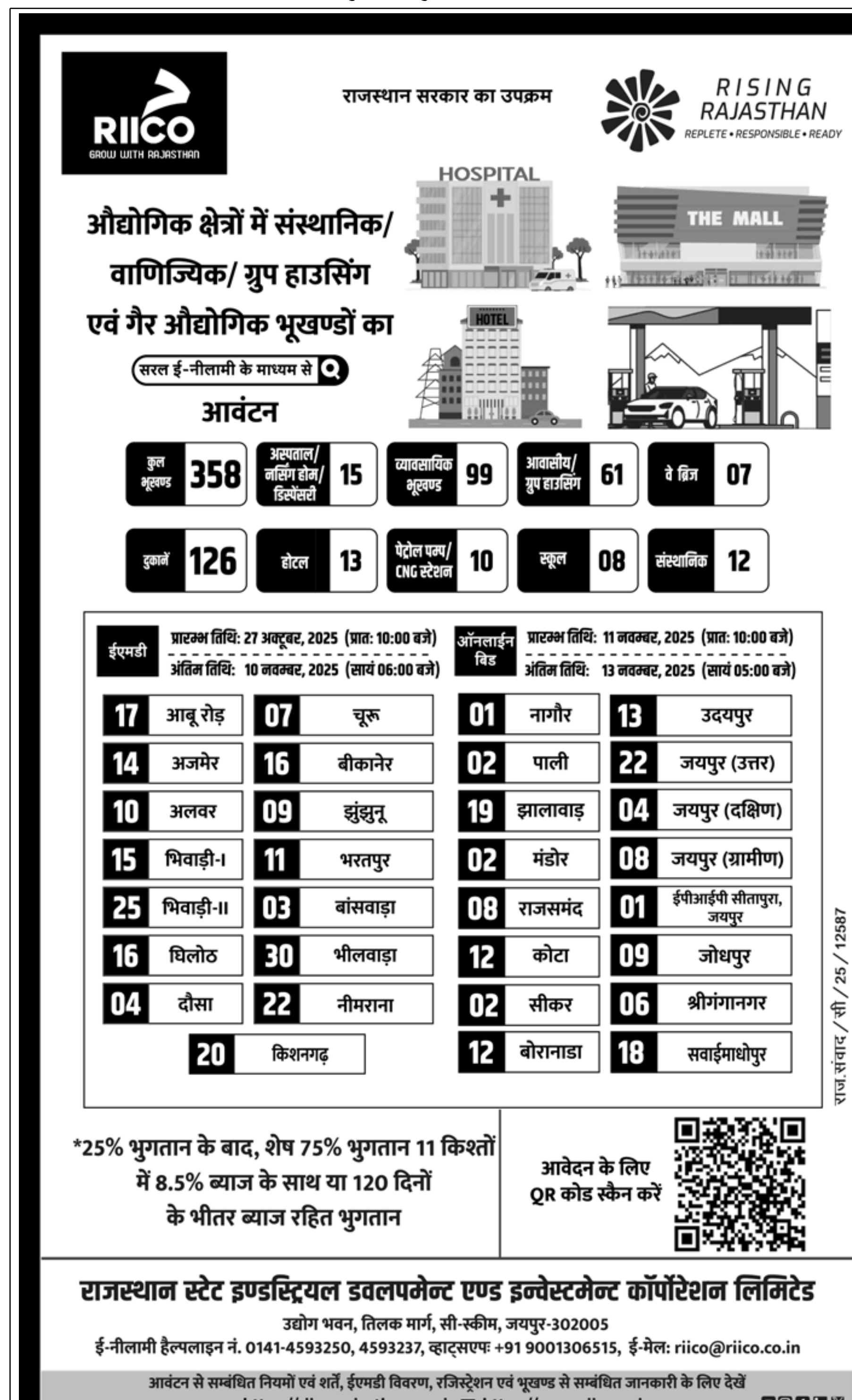

जयपुर डिस्कॉम उपभोक्ताओं से ''स्टार रेटिंग'' फीडबैक लेगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री के निर्देश पर तीनों डिस्कॉम ने दिवाली से पहले 37 हजार विद्युत कनेक्शन दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ ''बिजली मित्र'' एप्लीकेशन में उपभोक्ता कनेक्शन प्राप्त करने के अनुभव को ''स्टार रेटिंग'' देगा। हर माह के अंत में सब डिविज़न लेवल पर समीक्षा होगी। इसके अनुसार अधीक्षण अभियंता और सहायक अभियंता कार्यालय की रैंकिंग तय होगी।

जयपुर, 25 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुसार, प्रदेश में आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री के निर्देश पर डिस्कॉम्स ने निरंतर विद्युत सेवाओं में सुधार करते हुए इन्हें उपभोक्ता अनुकूल एवं जवाबदेह बनाने के नवाचार किए हैं।

प्रदेश के तीनों डिस्कॉम्स ने दीपावली से पूर्व विशेष अभियान चलाकर प्रदेशभर में 37 हजार 251 घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी किए हैं। जयपुर डिस्कॉम ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए ''स्टार रेटिंग'' का फीडबैक सिस्टम संबंधी नवाचार भी प्रारंभ किया है।

तीनों डिस्कॉम्स ने 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया, जिसके तहत लंबित प्रकरणों के साथ-साथ नए प्रकरणों में दस्तावेज की जांच, साइट वेरीफिकेशन, डिमांड नोट जारी करने सहित, अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा कर कनेक्शन प्रदान किए गए।

जयपुर डिस्कॉम ने विद्युत कनेक्शन जारी करने में आने वाली समस्याओं के संबंध में जानकारी लेने एवं निचले स्तर तक मॉनीटरिंग को आसान बनाने के लिए स्वतंत्र फीडबैक सिस्टम का नवाचार किया है। इस मैकेनिज्म में नया घरेलू कनेक्शन जारी होने के बाद आवेदक को मोबाइल एप्लीकेशन ''बिजली मित्र'' डाउनलोड करने का एसएमएस प्राप्त होगा।

एप्लीकेशन डाउनलोड करते ही ''के'' नम्बर डालने पर उपभोक्ता को फीडबैक पॉप अप दिखाई देगा। इस पॉप अप पर क्लिक करते ही उपभोक्ता कनेक्शन प्राप्त करने के अपने अनुभव 1 से 5 स्टार रेटिंग के जरिए प्रदान कर सकेंगे। इनकी वृत्त तथा सब डिविजन स्तर पर प्रत्येक माह समीक्षा होगी तथा डिस्कॉम द्वारा नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। इसके अनुसार अधीक्षण अभियंता और सहायक अभियंता कार्यालय की रैंकिंग तय होगी।

इसी तरह, जयपुर डिस्कॉम ने बिजली कनेक्शन को लेकर उपभोक्ताओं से हैल्पलाइन सेवा 181 के माध्यम से भी फीडबैक लिया था। इस प्रक्रिया में 1 अप्रैल से 15 अगस्त के दौरान विद्युत कनेक्शन लेने वाले 75 हजार 746 उपभोक्ताओं को मोबाइल पर कॉल किए गए। इसके जरिए उपभोक्ताओं ने बिजली कनेक्शन जारी होने संबंधित अपने अनुभव साझा किए।

उदयपुर के पास एनिकट में डूबने से चार बच्चों की मौत

एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में तीन भाई-बहन व एक बच्ची डूब गए

■ चारों बच्चे चरने गई बकरियों को वापस लाने गए थे और एनिकट में नहाने लगे। एक बच्चा पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया। उसको बचाने के प्रयास में बाकी तीन भी डूब गए।

उदयपुर, 25 अक्टूबर। शहर के समीप डबोक थाना क्षेत्र में एनिकट में नहाने के लिए गये चार बच्चों की गहराई में जाने से डूबने से मौत हो गई। मृतकों में तीन सगे भाई-बहन हैं। एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में यह हादसा हुआ और चारों की मौत हो गई।

थानाधिकारी हुकुम सिंह ने बताया कि मनोहर (6) पुत्र राजू कालबेलिया, कोमल (8) पुत्री राजू कालबेलिया, पायल (10) पुत्री राजू कालबेलिया और सुमन (16) पुत्री केशू कालबेलिया निवासी लक्ष्मणपुरा काकरनाडा भमरासिया घाटी- चारों की डूबने से मौत हो गई।

इन बच्चों के परिवार की बकरियां चरने गई थी। परिजनों ने बच्चों से बकरियों को तलाश कर वापस घर लाने को कहा था। चारों बच्चे एक साथ गए थे और एनीकट में नहाने लगे। एक बच्चे का पैर फिसला और वह गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए बाकी तीन बच्चों ने प्रयास किए और एक को बचाने के प्रयास में एक-एक कर वे तीनों भी पानी में डूब गए। बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुनकर एक व्यक्ति वहां पहुंचा तो उसने इस बारे में गांव में जाकर बताया।

मौके पर ग्रामीण पहुँचे और पुलिस को सूचना देने के साथ ही बच्चों की तलाश शुरू कर दी। मौके पर पुलिस भी पहुँची और पुलिस ने सिविल डिफेंस की टीम को सूचित किया। सूचना पर राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्थानीय व्यक्तियों ने सभी शवों को बाहर निकाल कर डबोक पुलिस को दे दिया था। मौके पर पांच जोड़ी कपडे होने पर एक बच्चे के और होने की आशंका पर ढूंढने के लिए नागरिक सुरक्षा विभाग उदयपुर की टीम ने सर्च ऑपरेशन जारी किया। परंतु कोई नहीं मिला। टीम में गोताखोर विजय नकवाल, विपुल चौधरी, दिनेश गमेती, सचिन कंडारा, प्रकाश राठौड़, जगदीश कुमावत एवं वाहन चालक कैलाश मेनारिया मौजूद रहे।

सूचना मिलने पर, मौके पर वल्लभनगर तहसीलदार सुरेन्द्र छीपा पहुंचे। तहसीलदार ने मृतक आश्रितों को सरकारी आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। बाद में बच्चों का पोस्टमार्टम करवाकर, शव परिजनों के सुपुर्द कर दिये।

एलआईसी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की कोई भूमिका नहीं होती। एलआईसी ने उच्चतम मानकों का पालन करते हुए उचित परिश्रम सुनिश्चित किया है और सभी निवेश निर्णय को मौजूदा नीतियों, अधिनियमों के प्रावधानों और नियामक दिशानिर्देशों के तहत लिये गये हैं, जो इसके सभी हितधारकों के सर्वोत्तम हित में हैं।''

एलआईसी ने कहा कि लेख के ये कथित बयान ''एलआईसी की संस्थापित निर्णय प्रक्रिया को नुकसान पहुँचाने, और एलआईसी की प्रतिष्ठा और भारत के वित्तीय क्षेत्र के मजबूत आधारों की प्रतिष्ठा एवं छवि को धूमिल करने के इरादे से दिये गये प्रतीत होते हैं।

एलआईसी, जो देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी है, ने वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 3.91 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ अपनी समेकित शुद्ध लाभ रिपोर्ट की।

एलआईसी की स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, यह लाभ पिछले वर्ष की समान अवधि के 10,544 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,957 करोड़ रुपये हो गया।

विख्यात अभिनेता सतीश शाह नहीं रहे

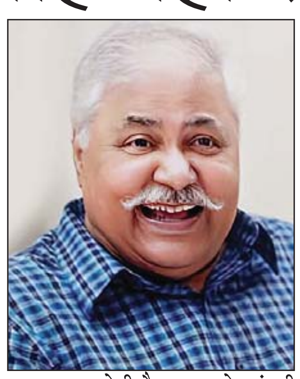

■ वे 74 वर्ष के थे। ये जो है जिदंगी और साराभाई वर्सेस साराभाई जैसे धारावाहिकों से मशहूर हुए शाह ने जाने भी दो यारो तथा कई फिल्मों में महत्वपूर्ण किरदार अदा किए थे।

मुंबई, 25 अक्टूबर। प्रसिद्ध हास्य कलाकार सतीश शाह का शनिवार को 74 साल की उम्र में निधन हो गया। ''ये जो है जिंदगी'' और ''साराभाई वर्सेस साराभाई'' जैसे धारावाहिकों में दमदार अभिनय से मशहूर हुए सतीश शाह किडनी संबंधी समस्याओं से ग्रसित थे और हाल ही में उनका किडनी ट्रांसप्लांट भी हुआ था।

उनके मैनेजर रमेश ने उनके निधन की जानकारी देते हुए बताया कि शाह का पार्थिव शरीर अस्पताल में ही है और उनका अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''आज अपराह्न लगभग दो से 2.30 बजे के बीच शाह का निधन हो गया। परिवार अभी अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है।''

शाह ने ''मैं हूं ना'', ''दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे'' और ''ओम शांति ओम'' जैसी कई अन्य फिल्म में दमदार भूमिका निभाकर दर्शकों के बीच अपनी अलग छाप छोड़ी है। गुजरात के मांडवी में 25 जून 1951 में जन्मे सतीश रविलाल शाह ने जेवियर्स कॉलेज से स्नातक की उपाधि हासिल करने के बाद भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान में शिक्षा ली। शाह ने 250 से अधिक फिल्मों और कई टेलीविजन सीरियल में काम किया है। चार दशकों से भी ज्यादा लंबे करियर में शाह फिल्मों और टेलीविजन, दोनों में अपनी यादगार भूमिकाओं के जरिए घर-घर में मशहूर हुए। साल 1983 में आई व्यंग्य फिल्म ''जाने भी दो यारो'' में भूमिका निभाकर उन्हें खास पहचान मिली। शाह ने अपने करियर के दौरान ''हम साथ-साथ हैं'', ''कल हो ना हो'', ''कभी हां कभी ना'', जैसी हिट फिल्मों में भी भूमिका निभायी है।

नियुक्ति के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिचर के करीब छह हजार पदों पर भर्ती निकाली थी, जिसकी लिखित परीक्षा के बाद बोर्ड ने याचिकाकर्ता सहित अन्य अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया। गत 29 सितंबर को याचिकाकर्ता को अजमेर जिले में नियुक्ति दी गई।

याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने गत 13 अक्टूबर को उसकी नियुक्ति को यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि उसने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रकरण की जानकारी नहीं दी थी। याचिकाकर्ता की ओर से राज्य सरकार की ओर से की गई इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए कहा गया कि उसके खिलाफ साल 2022 में साधारण मारपीट को लेकर मामला दर्ज हुआ था। वहीं, पुलिस ने जांच के बाद प्रकरण को झूठा पाकर मामले में एफआर पेश कर दी। दूसरी ओर विभाग ने उसकी नियुक्ति को रद्द करने से पहले याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया।

ऐसे में उसकी नियुक्ति को रद्द करने के आदेश को निरस्त किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को हटाने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

जस्टिस सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे

■ भारत के 53 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल 9 फरवरी 2027 तक होगा।

नयी दिल्ली, 25 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय में वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी. आर. गवई की आगामी 23 नवंबर पर सेवानिवृत्ति को देखते हुए केंद्र सरकार ने अगले मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कानून और न्याय मंत्रालय ने न्यायमूर्ति गवई को पत्र लिखकर उनके उत्तराधिकारी के नाम की अनुशंसा करने का अनुरोध किया है। स्थापित परंपरा और नियुक्ति की कार्यविधि के अनुसार, उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश को अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में अनुशंसित किया जाता है। वर्तमान में न्यायमूर्ति गवई के बाद वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत हैं।

न्यायमूर्ति गवई द्वारा की गई अनुशंसा पर राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत औपचारिक रूप से भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश का पदभार ग्रहण कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में उनका कार्यकाल 9 फरवरी 2027 तक रहेगा।

दस फरवरी 1962 को जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने 1981 में हरियाणा के हिसार स्थित सरकारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और 1984 में महार्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से एलएलबी की पढ़ ाई पूरी की। उन्होंने 1984 में हिसार जिला न्यायालय से अधिवक्ता के रूप में अपने करियर की शुरुआत की और अगले वर्ष पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में कामकाज शुरू किया।

वर्ष 2000 में वे हरियाणा के महाधिवक्ता बने और 2001 में उन्हें सीनियर एडवोकेट के रूप में नामित किया गया। उसी वर्ष वे पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने। बाद में वे 2018 में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त हुए और 2019 में उन्हें उच्चतम न्यायालय में पदोन्नत किया गया।

भारत में विश्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कितना है और कहां कहां हैं।''

चीन के साथ इसका अंतर केवल क्षमता के अंतर को नहीं बल्कि रणनीतिक दृष्टि में भी एक गहरे अंतर को उजागर करता है।

दशकों पहले जब दुनिया गल्फ तेल पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, तब चीन ने दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के मूल्य को पहचाना था। तब वैश्विक दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के लगभग 95 प्रतिशत बाजार तकनीक पर चीन का कब्जा है। जो लगभग सभी स्वच्छ ऊर्जा तकनीक, रक्षा प्रणालियों, इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरियों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए कच्चे माल के रूप में काम करती है। 2023 में एक महत्वपूर्ण क्षण आया जब खनिजों और खनिज संसाधनों (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 को संशोधित किया गया, ताकि 29 महत्वपूर्ण और गहरे खनिजों की खोज में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अनुमति मिल सके। अन्वेषण लाइसेंस की शुरुआत एक दार्शनिक परिवर्तन को दर्शाती है, यह स्वीकार करते हुए कि केवल सरकारी एजेंसियां भारत की खनिज संपत्ति को नहीं खोल सकतीं। लगभग 20 कंपनियों ने इस नीति परिवर्तन का लाभ उठाया है, जिनमें से कुछ ने विशेष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पटिल की अपनी कंपनी, वर्तमान में राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषित दो दुर्लभ पृथ्वी अन्वेषण परियोजनाओं में शामिल है, और इसके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं।

फिर भी, यह प्रगति भारत में खनिज अन्वेषण की कठोर वास्तविकता को उजागर करती है।

पटिल के अनुसार ''आमतौर पर, अन्वेषण एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है,'' पहले, पिछली सरकार की नीतियों के कारण, खनिज की खोज से उत्पादन तक लगभग 14 से 15 साल का समय लगता था।''

'मई 2025 में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद गौतम अडानी और उनके सात सहयोगियों पर अमेरिका में आरोप लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि अडानी पर आरोप है कि उन्होंने भारत में महंगे सोलर पावर अनुबंधों को हासिल करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की व्यवस्था की, जबकि मोदी सरकार ने लगभग एक साल तक अमेरिकी एसईसी सम्मन को प्रधानमंत्री के इस सबसे पसंदीदा व्यापार समूह तक पहुंचने ही नहीं दिया।

कुरनूल बस हादसे का बड़ा कारण था, 234 स्मार्ट फोन्स का 46 लाख रु. का पार्सल

फॉरैन्सिक विशेषज्ञों ने बताया जब बस में आग लगी तो स्मार्ट फोन्स की बैटरियों में धमाके होने से आग भीषण हो गई और तेजी से बस जलकर खाक हो गई

■ प्रत्यक्ष दर्शियों ने भी कहा कि जब बस में आग लगी तो उन्होंने भी धमाकों की आवाज सुनी थी।

हैदराबाद, 25 अक्टूबर। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बस में आग लगने की घटना में एक हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। फोरेंसिक विशेषज्ञों का मानना है कि है जिस बस में आग लगी, उसमें 234 स्मार्टफोन्स का एक पार्सल रखा था। जब बस में आग लगी तो इन स्मार्टफोन्स की बैटरियों में धमाका हुआ, जिससे आग और भीषण हो गई और लोगों को बचने का समय नहीं मिल पाया।

रिपोर्ट्स के अनुसार, हैदराबाद के एक व्यापारी ने 234 स्मार्टफोन्स का एक पार्सल बस में रखवाया था। यह पार्सल बंगलूरू में ई-कॉमर्स कंपनी के पास जाना था, जहां से ये स्मार्टफोन्स ग्राहकों को डिलीवर होने थे। इन स्मार्टफोन्स की कीमत करीब 46 लाख रुपये थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब बस में आग लगी तो उन्होंने धमाके की आवाज सुनी। फोरेंसिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह धमाका स्मार्टफोन्स की बैटरियों के फटने से हुआ होगा। इससे आग ने तेजी से बस को अपनी चपेट में ले लिया और लोगों को बचने का मौका नहीं मिला। शुक्रवार को कुरनूल में हुए बस अग्निकांड में 20 लोगों की मौत हुई है।

आंध्र प्रदेश अग्नि सेवा विभाग के महानिदेशक पी वेंकटरमन ने ये भी बताया कि स्मार्टफोन्स की बैटरियों के साथ ही बस के एयर कंडीशनर की बैटरी में भी धमाका हुआ, जिससे आग और भीषण हुई। उन्होंने बताया कि आग इस कदर तेज थी कि बस के फ्लोर की एल्युमीनियम की शीट भी पिघल गई। उन्होंने बताया कि बस द्वारा बाइक को टक्कर मारने के बाद, जब बस ने बाइक को घसीटा तो उससे पेट्रोल बिखर गया और जैसे ही चिंगारी निकली बस ने तेजी से आग पकड़ ली। शुरुआत में बस के अगले हिस्से में आग लगी, जिसने तेजी से पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया।

वेंकटरमन ने ये भी बताया कि बस की बनावट में भी खामियां थीं। उन्होंने कहा कि बस को हल्का रखने और तेज गति देने के लिए बस के फ्लोर की शीट एल्युमीनियम की बनाई गई थी, जबकि यह लोहे की होनी चाहिए थी। एल्युमीनियम की चादर को आग से हुए नुकसान के चलते बचाव अभियान में परेशानी हुई और हादसे की भयावहता बढ़ी।

28 और 29 अक्टूबर को बंद रहेगा पाकिस्तान का एयरस्पेस

पाकिस्तान सरकार ने भारत के सैन्य अभ्यास त्रिशूल के कारण यह कदम उठाया है

■ त्रिशूल सैन्य अभ्यास राजस्थान व गुजरात के सीमावर्ती जिलों में होगा।

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। पाकिस्तान ने भारत के आगामी सैन्य अभ्यास त्रिशूल के पहले, मध्य और दक्षिणी एयरस्पेस बंद रखने का फैसला लिया है। दोनों एयरस्पेस राजस्थान और गुजरात से सटे जिलों में आते हैं, जिन्हें 28 और 29 अक्टूबर तक बंद रखने का फैसला लिया गया है। इस प्रक्रिया के लिए शनिवार को नोटम जारी किया। नोटम (नोटिस टू एयरमैन) के मुताबिक, इन इलाकों में 28 और 29 अक्टूबर के दिन हवाई मार्ग उपलब्ध नहीं रहेगा और उड़ानों पर रोक रहेगी।

राजस्थान में भारत-पाक सीमा में आगामी 12 दिन अब तक का सबसे बड़ा सैन्य युद्धाभ्यास होगा। इसमें आर्मी, एयरफोर्स सहित, नेवी के 30 हजार से ज्यादा जवान थार में जॉइंट एक्सरसाइज करेंगे। इस युद्धाभ्यास की शुरुआत 30 अक्टूबर से होगी, जो 10 नवंबर तक चलेगी। इस बीच में बॉर्डर के कुछ एरिया में कॉमर्शियल फ्लाइट्स के रूट में बदलाव हो सकता है। एक्सरसाइज जैसलमेर के एरिया से लेकर गुजरात के सर क्रीक इलाके तक होगी।

पाकिस्तान द्वारा हाल ही में पश्चिमी सीमा पर हुए ऑपरेशन 'सिंदूर' के समय से ही पाकिस्तान सेना की तरफ से ड्रोन हमले और घुसपैठ की कोशिशें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में, इसको ध्यान में रखते हुए इस युद्धाभ्यास में काउंटर ड्रोन सिस्टम, बाधा (जैमिंग) और ऑटोमेटिक स्पेकट्रम मॉनिटरिंग सिस्टम जैसी कई मॉर्डन तकनीकों का परीक्षण किया जाएगा। भारत की तीनों सेना एक साथ तालमेल स्थापित कर यूनिफाइड ऑपरेशन, डीप स्ट्राइक, मल्टी डोमेन वॉरफेयर का अभ्यास करेंगी। इस दौरान भारतीय सेना अपने कई नए स्वदेशी हथियारों और हाईटेक सिस्टमों की टेस्टिंग भी करेगी।

आगरा में बेकाबू कार ने 8 को कुचला, 5 की मौत

जोमैटो डिलीवरी बाय से टक्कर के बाद कार चालक ने गाड़ी भगाई। शराब ठेके के पास खड़ी भीड़ में कार घुस गई और चार को रौंद दिया

आगरा, 25 अक्टूबर। आगरा में बेकाबू कार ने डिलीवरी बॉय समेत 8 लोगों को रौंद दिया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हैं, जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। हादसे वाली जगह के नजदीक पुलिस चेकिंग कर रही थी। यह देखकर कार चला रहा अंशुल गुप्ता घबरा गया। वहां से भागने के लिए उसने स्पीड बढ़ ाकर 100 से ज्यादा कर ली।

कार चालक ने पहले डिलीवरी बॉय को टक्कर मारी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अंशुल फिर भी नहीं रुका। उसने 400 मीटर के दायरे में दो जगहों पर 8 और लोगों को रौंद दिया। इसमें से 5 की जान चली गई। इसके बाद कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई।

हादसे के बाद लोगों ने कार चालक अंशुल को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। भीड़ ने हंगामा शुरू कर दिया। बवाल की सूचना पर कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने जैसे-तैसे भीड़ से अंशुल को बचाया और थाने लेकर आई। हादसा न्यू आगरा थाने से कुछ ही दूरी पर नगला पुरी में हुआ। पुलिस ने बताया कि अंशुल गुप्ता दयालबाग का रहने वाला है। वह नोएडा में एरिक्सन कंपनी में इंजीनियर है। शादीशुदा है और उसका एक बेटा भी है।

पहले कार ने जोमैटो डिलीवरी बॉय की बाइक को टक्कर मारी। टक्कर इतनी तेज थी कि डिलीवरी बॉय भानुप्रताप उछलकर दूर गिरा। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अंशुल ने उसे बचाने की बजाय, भीड़ से बचने के लिए कार को वहां से भगा दिया। लोग चिल्लाए तो उसने कार की स्पीड बढ़ ा दी। कार बमुश्किल 200 मीटर चल पाई थी कि शराब ठके के पास लगी भीड़ के बावजूद, अंशुल ने कार की स्पीड धीमी नहीं की। कार ने यहां 4 लोगों को रौंद दिया। इनके नाम बबली, उसका बेटा गोलू, कमल और उसके दोस्त कृष हैं। हादसे में बबली, कमल और कृष की मौत हो गई।

भगोड़े लखविंदर कुमार को सीबीआई भारत लाई

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भगोड़े अपराधी और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के गुर्गे लखविंदर कुमार को सीबीआई अमेरिका से भारत लेकर आई है। अधिकारियों के मुताबिक, लखविंदर कुमार के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी था।

दस से पन्द्रह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सबसे पहले शुरू होगा। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव आयोग अगले सप्ताह के मध्य में एस.आई.आर. के पहले चरण की घोषणा कर सकता है, जिसमें ''10 से 15'' राज्य शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग उन राज्यों में मतदाता सूची संशोधन का काम नहीं करेगा, जहाँ स्थानीय निकाय चुनाव हो रहे हैं या होने वाले हैं, क्योंकि जमीनी स्तर पर चुनाव मशीनरी इसमें व्यस्त है और एस.आई.आर. पर ध्यान केन्द्रित नहीं कर पा रही है। ऐसे राज्यों में एस.आई.आर. बाद के चरणों में आयोजित किया जाएगा।

अमृतसर से कुख्यात आतंकी मनप्रीत सिंह गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि यह एक प्रतिबंधित आतंकी संगठन के निर्देश पर काम कर रहा था

■ पुलिस को इसके पास ढाई किलो के दो आईईडी, जिनमें आरडीएक्स व टाइमर लगा था, बरामद हुए हैं।

अमृतसर, 25 अक्टूबर। पंजाब में अमृतसर के राज्य विशेष अभियान सेल (एसएसओसी) ने शनिवार को एक आतंकवादी नेटवर्क के एक संचालक को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से लगभग 2.5 किलोग्राम वजन के दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) भी बरामद किये गये, जिनमें उच्च श्रेणी का आरडीएक्स, और विस्फोट के लिए टाइमर लगे थे। उसके पास से गोला बारूद के साथ एक अत्याधुनिक .30 बोर पिस्तौल बरामद की है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमृतसर के कोटला तरखाना गांव निवासी मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी के रूप में हुई है। गुरदासपुर और अमृतसर की जेलों में लगभग डेढ़ साल बिताने के बाद, वह फरवरी 2025 में रिहा हुआ और उसके बाद उसने अपनी आपराधिक गतिविधियां फिर से शुरू कर दीं। यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी आर्मेनिया, यूनाइटेड किंगडम (यूके) और जर्मनी में बैठे अपने आकाओं के निर्देशों पर काम कर रहा था, जिन्हें एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के पाकिस्तान स्थित सरगना से निर्देश मिल रहे थे।

अमृतसर के सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि खुफिया सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, एसएसओसी अमृतसर की टीम ने संदिग्ध मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी को गिरफ्तार किया और उसके पास से 30 बोर की एक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया। उन्होंने बताया कि उसके खुलासे के बाद, कोटला तरखाना गाँव के इलाके से दो आईईडी भी बरामद किये गये, जो उच्च-गुणवत्ता वाले आरडीएक्स से भरे धातु के कंटेनरों में भरे हुए थे और विस्फोट के लिए टाइमर से लैस थे। एआईजी ने बताया कि जांच से यह भी पता चला है कि लगभग दो हफ़्ते पहले, पाकिस्तान स्थित हैंडलर ने अजनाला सेक्टर में ज़ब्त की गयी खेप को ड्रोन से गिराने में मदद की थी, जिसे गिरफ़्तार व्यक्ति ने बरामद किया और अपने गांव कोटला तरखाना के पास एक नहर के पास छिपा दिया। उन्होंने बताया कि उसके हैंडलर ने उसे तैयार रहने और अगले आदेश का इंतज़ार करने का निर्देश दिया था, और वह आईईडी को किसी और को सौंप सके, ताकि उसका इस्तेमाल किया जा सके।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

संक्षिप्त

ममता शर्मा ने ज्योतिषी परामर्श लिया

देवली। यहां शनिवार को महिला आयोग की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता शर्मा भगवान गुरु कृपा संस्थान पर पहुंची। इस मौके पर ममता शर्मा ने भगवान गुरु कृपा संस्थान के पंडित मुकेश गौतम से मुलाकात करते हुए ज्योतिष परामर्श भी लिया। पंडित मुकेश गौतम ने जानकारी में बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष ममता शर्मा जयपुर से कोटा जा रही थी। इसी बीच वह देवली शहर रुकी और भगवान गुरु कृपा संस्थान पहुंची। जहां उन्होंने अपनी कुंडली पर ज्योतिष परामर्श लिया। इस दौरान ममता शर्मा ने पंडित मुकेश गौतम से शिष्टाचार भेंट कर कुशलक्षेम भी पूछी। उल्लेखनीय की भगवान गुरु कृपा संस्थान के पंडित मुकेश गौतम अभी हाल ही में एक सड़क दुर्घटना के कारण चोटिल हो गए थे। माना जा रहा है कि पूर्व अध्यक्ष ममता शर्मा असल में पंडित गौतम के स्वास्थ्य कि कुशलक्षेप लेने लिए यहां रुककर वापस कोटा को रवाना हो गई।

जुआ खेलने के 7 आरोपी गिरफ्तार

निवाई। निवाई थाना पुलिस व सदर पुलिस ने जुआ खेलने के आरोप सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 41 हजार 180 से जुआ राशि व ताशपत्ती जब्त की है। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि गांव रम्भा में सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए आरोपी लक्ष्मण जाट व विष्णु बैरवा दोनों निवासी रम्भा व छोटूराम मीना निवासी रामकिशनपुरा उर्फ कचोलिया थाना पीपलू को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 19 हजार 350 जुआ राशि जब्त की है। इसी प्रकार सदर थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए आरोपी हरसहाय मीणा निवासी ढाणी जुगलपुरा, कमलेश मीणा निवासी मूंडिया, राजेशकुमार मीणा निवासी बाद दामोदरपुरा व सुनिलकुमार मीणा निवासी मूंडिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 21 हजार 750 जुआ राशि जब्त की है।

गौतम व जयहिंद से की षिष्टाचार भेंट

कोटपूतली। कांग्रेस आईटी सैल के प्रदेश महासचिव शाहरूख टांक ने शनिवार को राजधानी नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) कार्यालय में कांग्रेस एससी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र गौतम व ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद से षिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर टांक ने उन्हें दीपोत्सव की बधाई देते हुए कांग्रेस पार्टी की पारम्परिक सूत की माला पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों व कांग्रेस आईटी सैल के कार्यक्रमों से अवगत भी करवाया। टांक ने बताया कि आईटी सैल निरन्तर सक्रिय रहकर कांग्रेस पार्टी के विरूद्ध भाजपा द्वारा फैलाये जा रहे भ्रामक प्रचारों का बेहद सक्रियता के साथ खण्डन कर रही है। उल्लेखनीय है कि टांक पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता के तौर पर पहचान रखते है।

बैठक आज

निवाई। देवधाम जोधपुरिया में भगवान श्री देवनारायण ट्रस्ट के चुनाव को लेकर रविवार को निर्वाचन अधिकारी नेहनूलाल गुर्जर की देखरेख में साधारण सभा की बैठक आयोजित होगी। निर्वाचन अधिकारी नेहनूलाल गुर्जर ने बताया कि रविवार को देवधाम जोधपुरिया में प्रन्यास मंडल श्री देवनारायण मंदिर ट्रस्ट के चुनाव को लेकर विधान के धारा 10 के अनुसार नाम निर्देशन फॉर्म प्राप्त किए जाएंगे। इसी प्रकार नाम निर्देशन फॉर्म की जांच की जाएगी। फार्म वैध पाए जाने पर फार्म का चस्पा किया जाएगा एवं नाम वापसी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद यदि आवश्यक हुआ तो मतदान होगा।

जगदीश सैनी मन की बात कार्यक्रम का प्रदेश संयोजक बने

मनोहरपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार मन की बात कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक के पद पर जगदीश सैनी (गुड्डू सैनी) को मनोनीत किया गया है।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

श्री ज्ञानदास आश्रम बड़नगर में धूमधाम से कलश यात्रा निकाली

बाबा ज्ञानदास महाराज द्वारा पोथी व कलश को सिर पर रखकर कलश यात्रा प्रारंभ हुई।

भजनों की धुन पर व जय श्री राम के जयकारे लगाते हुए झूमते नाचते हुए चल रहे थे, जिससे कस्बे का माहौल भक्तिमय हो गया

पावटा। श्री ज्ञानदास आश्रम बड़नगर में मंगल चंद गर्ग द्वारा आयोजित श्रीराम कथा का शुभारंभ गोपाल जी मंदिर बड़नगर बाबा ज्ञानदास महाराज के सानिध्य में रामरिछपालदास महाराज, मानदास महाराज, बलदेवदास महाराज, हरिओमदास महाराज, मोहनदास रामायणी महाराज, सोमेंद्र महाराज सहित संतो की गरिमामय उपस्थिति में धूमधाम से कलश यात्रा के साथ हुआ। इस अवसर पर श्री राम कथा पोथी व कलश की विशेष पूजा अर्चना के बाद मुख्य यजमान मंगल चंद गर्ग व उनकी पत्नी उर्मिला देवी गर्ग व बाबा ज्ञानदास महाराज द्वारा पोथी व कलश को सिर पर रखकर कलश यात्रा प्रारंभ हुई।

कई जगहों पर यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कलश यात्रा के दौरान महिलाएं सिर पर कलश लेकर व कथावाचक अतुल रामायणी (मध्य प्रदेश) नगर भ्रमण करते हुए कथा स्थल श्री ज्ञानदास आश्रम बड़नगर पहुंचे। कलश यात्रा के दौरान रास्ते में भक्त भजनों की धुन पर व जय श्री राम के जयकारे लगाते हुए झूमते नाचते हुए चल रहे थे, जिससे कस्बे का माहौल भक्तिमय हो गया। आयोजक मंगल चंद गर्ग ने बताया कि श्री राम कथा का आयोजन 25 अक्टूबर से 2 नवंबर तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। कथा वाचक अतुल रामायणी (मध्य प्रदेश) महाराज के मुखारबिंद से रसपान कराया जाएगा। कथावाचक कथावाचक अतुल रामायणी (मध्य प्रदेश) ने बताया कि राम नाम अविनाशी है। उन्होंने कहा कि यह नाम सदैव बना रहेगा और इसकी महिमा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जाएगी। रामायणी के अनुसार, प्रभु श्रीराम ने स्वयं कहा है कि राम से बड़ा राम का नाम है।

उन्होंने यह भी बताया कि भगवान शिव भी हर प्रहर राम नाम का जाप करते हैं। संसार का संचालन राम नाम से ही हो रहा है, जिसमें सूर्य, चंद्रमा, अग्नि और वायु की शक्ति समाहित है। उन्होंने जीवन में राम नाम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह हर पल और हर क्षण में विद्यमान रहता है।

बच्चे के जन्म पर राम नाम का सोहर गाया जाता है, विवाह जैसे मांगलिक कार्यों में राम के गीत गाए जाते हैं, और मनुष्य की अंतिम यात्रा में भी राम नाम का ही घोष होता है। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि आशीष धनकड, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, पवन गर्ग, प्रदीप गर्ग, केशव गर्ग, विमल गर्ग, पूर्व प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, शिवपाल राठी, सतीश खंडेलवाल, दिनेश शर्मा, अमित शर्मा, रामकरण यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सार-समाचार

जाट प्रतिभा सम्मान समारोह आज

भरतपुर। महाराजा जवाहर सिंह स्मारक समिति द्वारा 26 अक्टूबर 2025 को आयोजित होने वाली समिति स्थापना व जाट प्रतिभा सम्मान समारोह के संदर्भ में 25 अक्टूबर 2025 शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया प्रभारी डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि सन् 2013 में गठित समिति का मुख्य उद्देश्य जाट भवन का निर्माण करना है, यह सपना साकार हो रहा है तथा 3300 वर्ग गज क्षेत्रफल में मडरपुर रोड पर पांच मंजिला भवन निर्माणधीन है। मुख्य भामाशाह समिति संरक्षक व इंडिया पेरा एथेलेटिक फैडरेशन के चौयरमैन डॉ. नरेन्द्र सिंह फौजदार पिदावली ने कहा कि निर्माणधीन जाट भवन सर्व समाज को मजबूती प्रदान करेगा तथा इस भवन को भव्य बनाने में पैसे की कमी नहीं आने दी जाएगी। समिति अध्यक्ष इंजीनियर सरदार सिंह ने बताया कि समिति समाज की कुरीतियों जैसे मृत्युभोज व दहेज को रोकने हेतु जागरूकता अभियान भी चलाती है। समिति महासचिव सुधीर पाल सिंह ने 25 अक्टूबर को आयोजित होने वाली प्रतिभा सम्मान समारोह पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समाज के प्रतिभाभान विद्यार्थी, प्रशासनिक सेवा, विश्वविद्यालय प्रोफेसर, भारतीय सेनाओं के अधिकारी वर्ग में चयनित अभ्यर्थी, खेल में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल प्राप्त खिलाड़ी व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया जाएगा।

कलक्टर ने तिब्बती शरणार्थी मार्केट का किया उद्घाटन

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज केडलगंज में तिब्बती शरणार्थी मार्केट का फीता काटकर उद्घाटन किया। जिला कलक्टर ने कहा कि तिब्बती शरणार्थी हमारे यहां अतिथि के रूप में पधारे हैं, इनको किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए यूआईटी एवं नगर निगम आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले के पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अन्य राज्यों में संपर्क स्थापित कर इस प्रकार की गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जावे।

बाजार की सड़क पर अतिक्रमण की भरमार

फुलेरा। नगरपालिका प्रशासन की अनदेखी के चलते फुलेरा का गणगौरी बाजार अस्थाई अतिक्रमणकारियों की भेंट चढ़ चुका है। व्यापारियों ने बताया कि इस सड़क की चौड़ाई करीब 100 फीट की है, रात 11 बजे तक बाद ये सड़क पूरी चौड़ी दिखती है। लेकिन हर दिन सुबह 8 बजते ही अस्थाई अतिक्रमण के चलते रोड की चौड़ाई 20 फीट में सिकुड़ जाती है। मुख्य बाजार में वह दुकानें जो कि लाखों रुपए लगाकर अपनी आजीविका चलाने के लिए दुकान करते है, उन्हीं दुकानों के सामने लोगों ने थड़ी-ठेलो व तख्ते लगाकर अपनी अस्थाई दुकानों का सजा रखी है। पक्की दुकानों के सामने जब अस्थाई थड़ी ठेले खड़े हो जाते है, तो ग्राहक उन दुकानों पर पहुंच ही नहीं पाता साथ ही मुख्य बाजार में बड़े ट्रक अथवा पिकअप लगने से भी रास्ता अवरूद्ध हो रहा है। वहीं मुख्य बाजार की जो सुन्दरता बनी हुई थी उस पर भी ग्रहण लग रहा है।

कलक्टर ने भूमि उपयोग परिवर्तन व विकास कार्यों पर लगाई रोक

जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने राज्य सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य सचिव के निर्देशानुसार कोटपूतली तहसील के 14 राजस्व गांवों में भूमि उपयोग परिवर्तन पर प्रतिबंध लगा दिया

कोटपूतली। विगत बजट में राज्य सरकार द्वारा घोषित किये गये कोटपूतली-किशनगढ एक्सप्रेस वे के निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य सरकार द्वारा नियत समय में एक्सप्रेस वे का निर्माण किये जाने को लेकर युद्ध स्तर पर प्रक्रिया शुरू की जा रही है। उक्त एक्सप्रेस वे कोटपूतली तहसील के 14 राजस्व गांवों में से होकर गुजरेगा। इस सम्बंध में जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने राज्य सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य सचिव के निर्देशानुसार कोटपूतली तहसील के 14 राजस्व गांवों में भूमि उपयोग परिवर्तन पर प्रतिबंध लगा दिया हैं। साथ ही इस सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी करते हुये किसी भी प्रकार के भूमि उपयोग परिवर्तन पर रोक के साथ-साथ किसी भी प्रकार के विकास कार्य एवं निर्माण को बिना अनुमति के नहीं किये जाने के निर्देश भी जारी किये है। उक्त दिषा निर्देश प्रस्तावित कोटपूतली-किशनगढ़ एक्सप्रेस वे के सम्भावित प्रभावित क्षेत्र में तत्काल लागू होंगें।

निम्न राजस्व गांवों में होगा भूमि अधिग्रहण - प्राप्त जानकारी के अनुसार कोटपूतली तहसील के ग्राम गोनेडा में 41.489 है., कालूहेडा में 2.709 है., करवास में 15.831 है., कायमपुराबास में 1.233 है., भोपतपुरा में 12.190 है., चुरी में 17.493 है., रामनगर में 12.107 है. व बनेठी में 9.255 हैक्टेयर भूमि का अधिग्रहण होगा। इस प्रकार कुल 14 राजस्व गांवों में 171.666 हैक्टेयर भूमि का अधिग्रहण होगा। भूमि अधिग्रहण हेतु गजट नोटिफिकेशन के बाद मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शुरू होगी। जिला कलक्टर ने प्रस्तावित एक्सप्रेस वे के सम्भावित मार्ग पर उक्त रोक लगाते हुये उपखण्ड अधिकारी कोटपूतली, तहसीलदार कोटपूतली, उप पंजीयक कोटपूतली, विकास अधिकारी पंचायत समिति कोटपूतली, आयुक्त नगर परिषद व सम्बंधित ग्राम विकास अधिकारियों को निर्देश जारी किये है।

30 विद्युत कनेक्शन काटे

निवाई। विद्युत विभाग द्वारा बकाया बिल राशि वसूली अभियान के तहत शहर में शनिवार को दूसरे दिन भी करीब 30 विद्युत कनेक्शन काटे गए एवं करीब 3 लाख रुपए की वसूली की गई। विभाग के सहायक अभियंता कैलाशचन्द माली ने बताया कि बकाया बिल वसूली अभियान को लेकर जमात, शिवाजी कॉलोनी, हनुमान नगर, रेलवे स्टेशन, वनस्थली मोड, रिको द्वितीय, मायला

विद्युत के करीब 2 लाख रुपए बकाया चल रहे थे

बाग, गणगौरी बाजार, खण्डेवत रोड, पुरानी सब्जी मंडी व पुलिस थाने के आस पास के क्षेत्र में विद्युत के करीब 2 लाख रुपए बकाया चल रहे थे। उपभोक्ताओं द्वारा राशि जमा नहीं करवाने पर शनिवार को करीब 30 विद्युत कनेक्शन काटे गए है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत करीब 3 लाख रुपए की बकाया बिल राशि वसूली की गई है।

कार्यालय उपायुक्त, (विद्याधर जोन) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(अम्बाबाड़ी सामुदायिक केन्द्र, अम्बाबाड़ी सर्किल, जयपुर)
क्रमांक-एफ. 55()वि जोन न.नि.ज. (ग्रे)/2024/1207 दिनांक-18/9/24
सार्वजनिक सूचना
भूखण्ड संख्या 45-सी, कुमावत कॉलोनी (श्री जनता गृह निर्माण सहकारी समिति) जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री लक्ष्मीनारायण पुत्र श्री बालचन्द को क्षेत्रफल 121.82 वर्गमीटर भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती पुष्पा शर्मा पत्नी श्री राधेश्याम शर्मा द्वारा उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्यदिवस मे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे प्रस्तुत करे। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त विद्याधर नगर जोन नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

नाम परिवर्तन
मेरा नाम विष्णु कुमार अग्रवाल (Visnhu Kumar Agarwal) था। अब मैंने बदल कर विष्णु कुमार अग्रवाल (Vishnu Kumar Agarwal) रख लिया है। भविष्य में मुझे विष्णु कुमार अग्रवाल (Vishnu Kumar Agarwal) के नाम से जाना जावे। प्लॉट नं.-29 सूर्यनगर गोपालपुरा बाईपास जयपुर

खोया पाया
मेरा मकान का एक मूल पंचायत पट्टा जो हनुमान व नारायण पुत्र श्री गंगाराम के पक्ष में दि. 25.9.1981 को जारी हुआ था, वो दि. 1 जुलाई 2025 को कहीं खो गया है, अगर किसी को मिले तो हमें इसकी सूचना देवें। मो.-7791893438

पटेल नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर (राज.)
आम सूचना सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि पटेल नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड की योजना गोर्वधन विहार स्थित जाटो का बास, जयसिंहपुरा खोर, आगरा रोड जयपुर मे स्थित भुखण्ड संख्या 87 का आंवटन पत्र श्री प्रहलाद सहाय चौधरी पुत्र श्री सुवालाल चौधरी को जारी किया गया था, तत्पश्चात श्री प्रहलाद सहाय चौधरी से उक्त मुल आंवटन पत्र, साईट प्लान, रसिद खो गयी जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट दिनाक 29. 07.2025 को पुलिस थाना जामडोली, जयपुर पुर्व मे दर्ज करवायी गयी जिसका इन्द्राज गुमशुदगी रजिस्ट्रर के क्रमांक 31 पर किया गया है। श्री प्रहलाद सहाय चौधरी के द्वारा समिति मे डुप्लीकेट आंवटन पत्र, साईट प्लान, रसिद के लिए आवेदन प्राप्त हुआ है अतः सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि उक्त भुखण्ड के सम्बन्ध मे किसी को आपत्ति हो तो 15 दिवस मे समिति मे आपत्ति पेश करे अन्यथा उक्त भुखण्ड का डुप्लीकेट आंवटन पत्र, साईट प्लान, रसिद श्री प्रहलाद सहाय चौधरी के नाम से जारी कर दिया जावेगा।
कार्यालय पता - सी-18, गायत्री नगर विस्तार, रामपथ महारानी फार्म, दुर्गापुरा जयपुर

मेडिकल रिकार्ड नष्ट करने हेतु सार्वजनिक सूचना
शैल्बी हॉस्पिटल, जयपुर, राजस्थान
शैल्बी हॉस्पिटल्स जयपुर की मेडिकल ऑडिट कमेटी ने उन **इनडोर मरीजों और ब्लड बैंक रिकॉर्ड (डोनर ब्लड रिपोर्ट, मरीज क्रॉस मैच रिपोर्ट) (जन्म, मृत्यु और मेडिको लीगल मामलों को छोड़कर)** के मेडिकल रिकॉर्ड नष्ट करने का फैसला किया है, जो 1 जनवरी, 2017 से 31 दिसंबर, 2021 की अवधि के दौरान भर्ती हुए थे।
आईपी सीरीज (01.01.2017 से 31.12.2021 के बीच पंजीकृत)
जो मरीज, रिश्तेदार और चिकित्सक अपने मेडिकल रिकॉर्ड प्राप्त करना चाहते है, वे इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से एक महीने के भीतर शैल्बी हॉस्पिटल, जयपुर के मेडिकल एडमिनिस्ट्रेशनर से संपर्क करें।
पुनप्राप्ति की प्रक्रिया के लिए, आईपी नंबर (इन-पेशेंट नंबर), मरीज का पूरा नाम और मरीज से संबंध का प्रमाण प्रस्तुत करते हुए संपर्क करना होगा।
कृपया ईमेल आईडी: Mrd.jaipur@shalby.in पर संपर्क करें।
कृपया ध्यान दें कि निर्धारित तिथि के बाद उपरोक्त रोगी केस फाइलों के लिए किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।
शैल्बी मल्टीस्पेशिटी हॉस्पिटल, जयपुर
सेक्टर-3, निवारु गाँधी पथ अण्डरपास के पास, चित्रकूट, वैशाली नगर, जयपुर-302021
फोन नं. 0141-7123889 मो. 9057901410
SHALBY MULTI-SPECIALTY HOSPITAL
Info.jaipur@shalby.org I www.shalby.org

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम सं. 3 जयपुर महानगर, प्रथम जयपुर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया बनाम मैसर्स असजद अहमद
वाद बाबत वसूली वाद सं. 51/2023
1. असजद अहमद पुत्र अरशद अहमद व 2. अरशद अहमद पुत्र हाजी सहादत हुसैन, पता-मकान नं. 57, महबूब विहार, कली का भट्टा, दिल्ली बाईपास रोड, ईदगाह, जयपुर
वादी ने आपके विरूद्ध नकल संलग्न के लिए वाद संस्थित किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 29.10.2025 को दिन में 10:00 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात(हाजिर)होने के लिए सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे एव दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है, पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को लिखित कथन के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविश्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। यह आज दिनांक 08 माह 10 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की
मुहर
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम सं. 3 जयपुर महानगर, प्रथम जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम सं. 4 जयपुर महानगर, प्रथम जयपुर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया बनाम विकास वर्मा व अन्य
वाद बाबत वसूली वाद सं. 28/2021
1. विकास वर्मा पुत्र श्री रामगोपाल वर्मा, 2. लता वर्मा पत्नी श्री विकास वर्मा निवासीयान-फ्लैट नं. जी-3, प्लाट नं.192, नेमी नगर विस्तार, वैशाली नगर, जयपुर
वादी ने आपके विरूद्ध नकल संलग्न के लिए वाद संस्थित किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 28.10.2025 को दिन में 10:00 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात(हाजिर)होने के लिए सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे एव दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है, पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को लिखित कथन के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविश्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। यह आज दिनांक 25 माह 09 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
मुहर
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम सं. 4 जयपुर महानगर, प्रथम जयपुर

मंत्री संजय शर्मा ने सम्मान समारोह में 100 प्रतिभाओं का सम्मान किया

ब्राह्मण समाज की ओर से धर्मशाला में प्रतिभाओं का सम्मान किया।

राजगढ़। कस्बे में ब्राह्मण समाज की ओर से ब्राह्मण धर्मशाला में शनिवार को दोपहर प्रतिभा सम्मान समारोह में वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने करीब एक सौ प्रतिभाओं का सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा के प्रचार प्रसार के साथ उपस्थित लोगों ने प्रतिस्पर्धा के युग में उन्नत किस्म की शिक्षा ग्रहण कर लक्ष्य बनाने का आव्हान किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं

राजकीय सेवा में नियुक्ति पाने वाले होनहार छात्र-छात्राओं को दुपट्टा एवं प्रतीक चिन्ह के साथ प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया

एवं राजकीय सेवा में नियुक्ति पाने वाले होनहार छात्र-छात्राओं को दुपट्टा एवं प्रतीक चिन्ह के साथ प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इस दौरान अध्यक्ष राजेश शर्मा ठेकेदार ने दिवंगत मदनलाल शर्मा के ब्राह्मण समाज को दिए गए योगदान को अविस्मरणीय बताते समाज के लिए उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने संबोधन में कहा कि प्रतिभाओं के सम्मान में माता-पिता एवं गुरुजनों का अहम योगदान है। शिक्षित युवा माता-पिता एवं गुरुजनों की सेवा के साथ जीवन में सेवा भाव को प्राथमिकता दें। इससे पूर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष राजेश शर्मा ठेकेदार एवं कार्यकारिणी की ओर से मंत्री संजय शर्मा, त्रिपोलिया महादेव मंदिर अलवर के महंत जितेंद्र खेड़ापति, अशोक कुद्दल समाजसेवी, जले सिंह, जिला अध्यक्ष विशंभर दयाल, रामावतार सिद्ध, एवं आकाश मिश्रा सहित अन्य अतिथियों का दुपट्टा एवं प्रतीक चिन्ह से सम्मान किया। मंत्री संजय शर्मा को अध्यक्ष की ओर से चांदी का मुकुट प्रदान किया गया, जो उन्होंने समाजके जरूरतमंद की सेवा के लिए पुन: अध्यक्ष को समर्पित कर दिया।

इस दौरान डॉ मोहित शर्मा, यश शर्मा, सौरभ शर्मा,पाखी शर्मा एवं अन्य नियुक्ति पाने वाले प्रतिभाओं के साथ अन्य का गर्म जोशी से अभिनंदन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष राजेश शर्मा कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रकाश दीक्षित, भूपेंद्र शर्मा, संजय राजस्थानी, नरेंद्र शर्मा, प्रदीप शर्मा, विवेक दीक्षित एवं अन्य भाजपा कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रमुख लोग मौजूद रहे।

देवली बस स्टैंड पर असामाजिक तत्वों की गुंडागर्दी से आमजन परेशान

महिला यात्रियों को बेडटच जैसी गंभीर परिस्थितिया झेलनी पड़ती है

देवली। इन दिनों देवली शहर के बस स्टैंड पर खाद्य सामग्री बेचने वाले और असामाजिक तत्वों की गुंडागर्दी चरम सीमा पर पहुंच गई है। ऐसे हालातो को जानकर भी देवली शहर की पुलिस उक्त खाद्य सामग्री बेचने वाले और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने में कोताही बरती चली जा रही है। उल्लेखनीय है कि देवली शहर के बस स्टैंड पर प्रतिदिन लगभग तीन सौ बसो का आवागमन बना हुआ रहता है। इसमें अधिकांश बसें राजस्थान रोडवेज की शामिल है। ऐसे में यहां के केंद्रीय बस स्टैंड पर पुलिस की तैनाती बहुत कम देखी जाती है। पुलिस प्रशासन की इसी कमी के कारण बस स्टैंड में खाद्य सामग्री बेचने वालो कि मनमानी और असामाजिक तत्वो की गुंडागर्दी चरम सीमा पर पहुंच गई है। यहां खाद्य सामग्री बेचने वाले लोग रोडवेज और प्राइवेट बस के आते ही यात्रियों के उतरने से पहले उस पर चढ़ जाते है। और धक्का मुक्की करते हुए बस के अंदर घुस जाते है। ऐसी परिस्थितियों के बीच महिला यात्रियों को बेडटच जैसे गंभीर हालातो से जूझना पडता है। ऐसे में किसी यात्री ने इनकी मनमानी का विरोध किया तो उक्त व्यक्ति यात्री के साथ मारपीट पर उतारू हो जाते है। ऐसी गंभीर घटनाएं देवली शहर के बस स्टैंड पर आए दिन घटित होती है। यह जग जाहिर है और पुलिस को भी ऐसे हालातो की जानकारी बखूबी प्राप्त है। ऐसे में समझने वाली बात तो यह है कि ऐसे हालातो की जानकारी देवली थाना पुलिस को बखूबी प्राप्त होने पर भी। पुलिस यहां ऐसे हालातो पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल बनी हुई है। कई मर्तबा मीडिया द्वारा भी ऐसे हालातो की जानकारी थाना अधिकारी को दी गई है। लेकिन उक्त असामाजिक तत्वों पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। मामला यह सामने आया कि शुक्रवार को एक रोडवेज बस के परिचालक से ही एक युवक ने मामूली कहा सुनी हो गई। इस पर उक्त युवक के तीन-चार साथी युवकों ने सरकारी परिचालक को जमकर पीटा डाला। जिससे परिचालक को मामूली चोटे भी पहुंची। इस मामले में रोडवेज कर्मियों से मिली जानकारी के अनुसार विवाद 2 रुपए के सिक्के को लेकर उत्पन्न हुआ था। जो देखते ही देखते मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम सं. 3 जयपुर महानगर, प्रथम जयपुर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया बनाम मैसर्स असजद अहमद
वाद बाबत वसूली वाद सं. 51/2023
1. असजद अहमद पुत्र अरशद अहमद व 2. अरशद अहमद पुत्र हाजी सहादत हुसैन, पता-मकान नं. 57, महबूब विहार, कली का भट्टा, दिल्ली बाईपास रोड, ईदगाह, जयपुर
वादी ने आपके विरूद्ध नकल संलग्न के लिए वाद संस्थित किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 29.10.2025 को दिन में 10:00 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात(हाजिर)होने के लिए सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे एव दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है, पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को लिखित कथन के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविश्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। यह आज दिनांक 08 माह 10 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की
मुहर
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम सं. 3 जयपुर महानगर, प्रथम जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम सं. 4 जयपुर महानगर, प्रथम जयपुर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया बनाम विकास वर्मा व अन्य
वाद बाबत वसूली वाद सं. 28/2021
1. विकास वर्मा पुत्र श्री रामगोपाल वर्मा, 2. लता वर्मा पत्नी श्री विकास वर्मा निवासीयान-फ्लैट नं. जी-3, प्लाट नं.192, नेमी नगर विस्तार, वैशाली नगर, जयपुर
वादी ने आपके विरूद्ध नकल संलग्न के लिए वाद संस्थित किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 28.10.2025 को दिन में 10:00 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात(हाजिर)होने के लिए सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे एव दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है, पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को लिखित कथन के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविश्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। यह आज दिनांक 25 माह 09 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
मुहर
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम सं. 4 जयपुर महानगर, प्रथम जयपुर

'स्वदेशी के भाव को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और स्वच्छता से जोड़कर कार्य करें'

अलवर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और राजस्थान वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने शनिवार को अम्बेडकर नगर स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान' के अंतर्गत कार्यकर्ता सम्मेलन में सहभागिता की।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने कार्यकर्ताओं के लिए ठोस संकल्प तय किया है, स्वदेशी के माध्यम से सशक्त भारत का निर्माण। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को अपनाना केवल व्यापार नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए आत्मनिर्भर भारत की नींव रखना है।

मंत्री भूपेंद्र यादव ने 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान' के अंतर्गत कार्यकर्ता सम्मेलन में सहभागिता की।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने कार्यकर्ताओं के लिए ठोस संकल्प तय किया है, स्वदेशी के माध्यम से सशक्त भारत का निर्माण

उन्होंने कहा कि हमें स्वदेशी व्यापार और व्यापारियों को आगे बढ़ाने का कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दस वर्ष पूर्व जनधन, आधार और मोबाइल को जोड़कर डिजिटल क्रांति की शुरुआत की, जिसके माध्यम से विभिन्न योजनाओं में लगभग 6.83 लाख करोड़ से अधिक की राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई गई। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को दो महत्वपूर्ण मंत्र दिए है

उन्होंने कहा कि जीएसटी से पूर्व अप्रत्यक्ष करों का भार आमजन पर अधिक पड़ता था। प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी के रूप में एक राष्ट्र-एक कर की प्रणाली लागू की, जिससे चुंगी व नाके समाप्त हुए और अंतरराज्यीय व्यापार सुगम हुआ। जीएसटी 2.0 में स्लैब घटने से दीपावली पर रिकॉर्ड खरीदारी हुई तथा घरेलू उत्पादन व कृषि क्षेत्र में कर कम होने से आमजन को लाभ मिला।

उन्होंने कहा कि भारत आज मोबाइल निर्माण में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। कपड़ा और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में कर वापसी (टैक्स रिफंड) की प्रक्रिया सुधारने से छोटे व्यापारियों को राहत मिली है।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित और मजबूत भारत के निर्माण के लिए पार्टी को राजनीतिक आंदोलन, सुशासन मॉडल और लोकभावना के रूप में स्वदेशी को घर-घर तक पहुंचाना होगा। सरकार स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा दे रही है, जिससे युवा आत्मनिर्भर उद्यमी बन रहे हैं। व्यावसायिक सुगमता के लिए नए नवाचार केंद्र विकसित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के स्वदेशी के नारे में महात्मा गांधी जी के चरखे से लेकर चंद्रयान तक भारत की स्वदेशी शक्ति झलकती है।

ऋतिक शर्मा के निधन पर संपूर्ण गांव में शोक की लहर

पावटा। मांजूकोट निवासी ऋतिक शर्मा पुत्र राकेश शर्मा की अकस्मात सड़क दुर्घटना में देवलोक गमन होने के कारण निधन हो गया जिससे संपूर्ण गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जिस पर ऋतिक के चाचा योगेश शर्मा विमल शर्मा ने बताया कि ऋतिक के निधन पर प्रदेश के मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा ,जयपुर सांसद मंजू शर्मा, कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, वरिष्ठ कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र भारद्वाज आदि ने इस निधन पर शोक व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वह पीड़ित परिवार को इस दुःख की घड़ी में शक्ति प्रदान करें। एक सांत्वना संदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लिखा, उपखंड पावटा के गांव मांजूकोट निवासी ऋतिक शर्मा पुत्र राकेश शर्मा की सड़क दुर्घटना में असामयिक मृत्यु होने की खबर अत्यंत हृदय विदारक है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, सवाईमाधोपुर
क्रमांकः LU2012/SWM/2025-26/100230 **लोक सूचना** दिनांकः 25/10/2025
श्री SIYARAM MEENA पुत्र श्री RAMKUNWAR जाति MEENA निवासी SEWIT KHURD SAWAI MADHOPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का **आवासीय** प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हेक्टे.)
1.	जीनापुर, सवाईमाधोपुर (सवाई माधोपुर)	SIYARAM	1127/660	500	0.05
				कुल	0.05

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है।
उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 25-10-2025 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, सवाईमाधोपुर

सूचना
मैं(1)हेमंत कुमार मित्तल(2)पुष्पंत कुमार मित्तल पुत्र विनोद कुमार मित्तल जाति वैश्य निवासीयान मकान नं. डी-132, रनजीत नगर, भरतपुर तहसील व जिला भरतपुर(राज०)का हूँ। यह है कि मेरी एक जायदाद(638.89 वर्गगज) बाके मकान नं. डी-132, रनजीत नगर, जिला भरतपुर(राज०)में स्थित है। यह है कि उक्त जायदाद हमको हमारी बहन श्रीमती अनीता पुत्री विनोद कुमार मित्तल जाति वैश्य निवासीयान म.न. डी-132, रनजीत नगर, भरतपुर तहसील व जिला भरतपुर(राज०)व हमारे पिता विनोद कुमार मित्तल पुत्र राधारमन मित्तल जाति वैश्य निवासीयान म. नं. - डी-132, रनजीत नगर, भरतपुर तहसील व जिला भरतपुर(राज०)से जरिये रजिस्टर्ड रिलीज डीड प्राप्त हुई। श्रीमती अनीता पुत्री विनोद कुमार मित्तल जाति वैश्य निवासीयान म. नं. डी-132, रनजीत नगर तहसील व जिला भरतपुर(राज०)द्वारा हमारे हक में की गई रजिस्टर्ड रिलीज डीड दिनांक 04.11.2016 कहीं गुम हो गई है। उक्त रजिस्टर्ड रिलीज डीड दिनांक 04.11.2016 उप पंजीयक भरतपुर के यहाँ बुक नं. 1 जिल्द संख्या 1024, पेज संख्या 49 अतिरिक्त बुक नं. 1 जिल्द संख्या 3014 पेज नं. 356 से 366 क्रम संख्या 2016007079 दिनांक 04.11.2016 पंजीकृत है। उक्त रजिस्टर्ड रिलीज डीड की गुमशुदी बाबत एक सूचना रिपोर्ट दिनांक 23.10.2025 को दर्ज करा दी गई है। जिसका एल. आर. नं. 2934011/2025 दिनांकित 23.10.2025 है। चूंकि अब हम उक्त जायदाद पर यूग्रो कैपिटल लिमिटेड शाखा भरतपुर से ऋण प्राप्त कर रहे हैं। अगर उक्त दस्तावेज रिलीज डीड दिनांकित 04.11.2016 किसी को मिले या उक्त के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो सात दिवस के अन्दर निम्न पते पर सूचित करें।
एडवोकेट सुधांश कुमार शर्मा, मकान नम्बर सी-65, सुभाष नगर, भरतपुर (राज०) मो.नं. : 9414681622

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 26 अक्टूबर, 2025

गोल्ड ₹14000/Gram
कोठी ₹4700/Sq Ft
फ्लैट ₹4000/Sq Ft

सोने से सस्ती कोठी

सोने से ज्यादा रफ्तार से बढ़ते प्राइस

पजेशन पर ₹10 लाख प्राइस बढ़ेगी !

64 दिनों में हैंडओवर शुरु

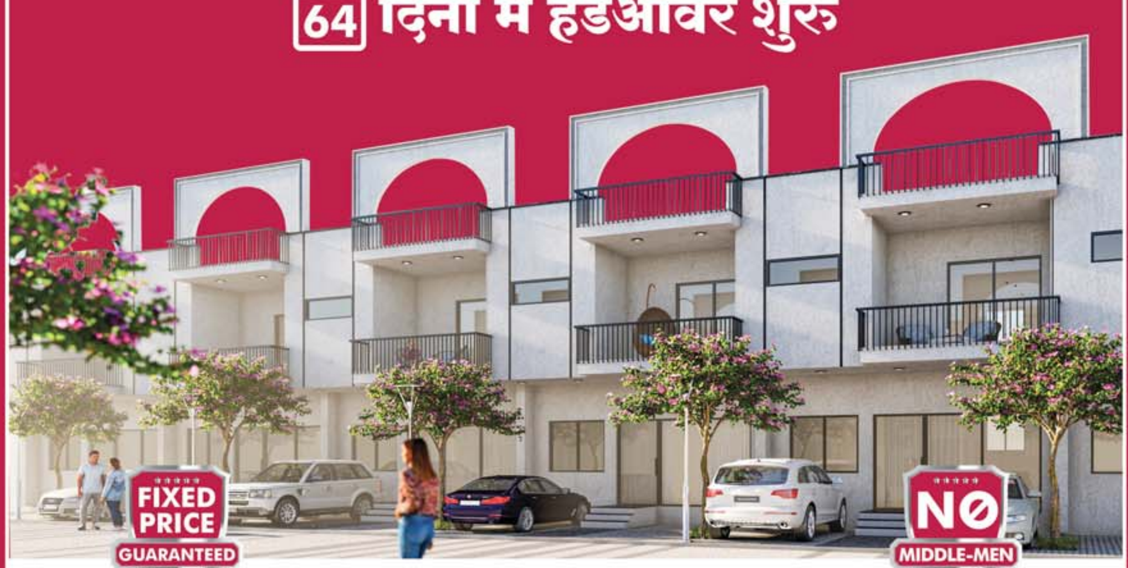

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387
T&C Apply.

घर के लिए: 1800 120 2323

हमारे प्रॉडक्ट्स महँगे नहीं
आजकल लोगों को
सेहत सस्ती लगती हैं

अशुद्ध के विरुद्ध
आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

FIXED PRICE

KEDIA™
Pavitra

आटा । सूजी । दलिया । बेसन । गेहूँ
खड़े मसाले । कुकिंग ऑयल । दाल । चावल
ड्राई फ्रूट्स । चाय इत्यादि

ORDER ON WEBSITE
ORDER ON APP
ORDER ON WHATSAPP

T&C Apply.

घर की ग्रोसरी के लिए: 1800 120 2727